रांची
मंगलवार
08.11.2022
कार्तिक शुक्ल पक्ष 15
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह

अगर आपने जीवन में एक बार जो निश्चय कर लिया, तो फिर पीछे मुड़कर मत देखना, क्योंकि पलटकर देखने वाले कभी इतिहास नहीं रचते।

www.rastriyanaveenmail.com | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | वर्ष-23 अंक-272 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

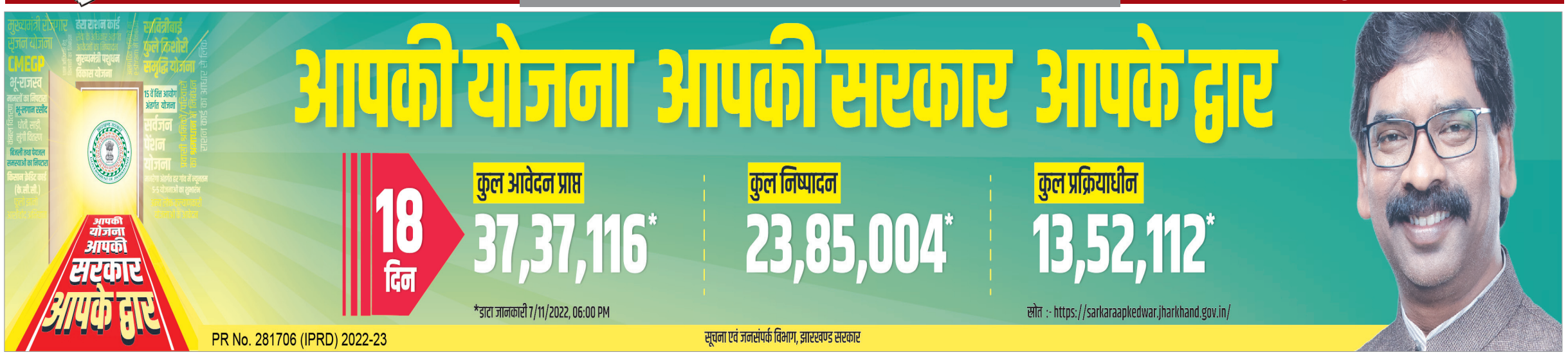

सेना जमीन खरीद मामले के साथ जमीन की कई खरीदारियां संदिग्ध

रांची। ईडी रांची में सेना की जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री की जांच कर रही है। इस दौरान एजेंसी को कई सारे जमीनों की खरीद-बिक्री संदिग्ध होने के साक्ष्य मिले हैं। सेना जमीन-खरीद के सिरमटोली के मामले की जांच भी ईडी ने शुरू कर दी है। वहीं, न्यूक्लियस मॉल की जमीन की खरीद को भी ईडी संदेहास्पद मान रही है। ईडी को सूचना मिली है कि रांची विवि का हॉस्टल न्यूक्लियस की जमीन पर हुआ करता था, लेकिन बाद में कागजात गायब कर इस जमीन की रजिस्ट्री करा ली गयी। इस मामले में ईडी रांची विवि जाकर भी जांच करेगी।

कुलपति ने राज्यपाल से की मुलाकात

रांची। राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति रमेश बैस से सोमवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. ओएन सिंह ने राजभवन में भेंट कर विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया।

भारत में गरीब सवर्णों को मिलता रहेगा आरक्षण

सुप्रीम कोर्ट का फैसला ○ आर्थिक आधार पर जारी रहेगा 10 फीसदी आरक्षण

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आखिरकार ईडब्ल्यूएस आरक्षण कोटा पर फैसला आ गया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ-साफ कह दिया कि देशभर में ईडब्ल्यूएस आरक्षण जारी रहेगा। आर्थिक रूप से पिछड़े

- ईडब्ल्यूएस कोटे पर मुहर के साथ सुप्रीम कोर्ट की नसीहत
- अनंतकाल तक नहीं रह सकता आरक्षण, पांच में से तीन जजों ने जतायी सहमति

वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण के मामले में अहम फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे जारी रखने पर अपनी मुहर लगा दी है। चीफ जस्टिस यूयू ललित की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय बेंच ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। 5 सदस्यीय बेंच में तीन जजों ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण के पक्ष में अपना मत दिया तो दो ने विपक्ष में फैसला सुनाया। इस फैसले के अनुसार, सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा में 10 प्रतिशत का आरक्षण बरकरार रहेगा। इस मामले में 30 से ज्यादा याचिकाएं डाली गयी थीं, जिस पर 27 सितम्बर को सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सात नवम्बर के लिए सुरक्षित रख लिया था। फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने 103वें संविधान संशोधन को सही बताया।

सात दिन सुनवाई हुई : ईडब्ल्यूएस आरक्षण मामले में सात दिनों तक लगातार सुनवाई चली। बेंच ने 27 सितम्बर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। आठ नवम्बर को चीफ जस्टिस रिटायर हो रहे हैं।

कोटे की सीमा पहले से ही लचीली : न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने अपने फैसले में कहा कि आर्थिक मापदंड को ध्यान में रखते हुए ईडब्ल्यूएस आरक्षण संविधान के बुनियादी ढांचे या समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं करता। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण कोटे की 50 प्रतिशत की सीमा सहित संविधान की किसी भी आवश्यक विशेषता को क्षति नहीं पहुंचाता, क्योंकि कोटे की सीमा पहले से ही लचीली है। न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी ने न्यायमूर्ति माहेश्वरी के विचारों से सहमत होते हुए कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण वैध है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने भी ईडब्ल्यूएस आरक्षण के पक्ष में फैसला सुनाया।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण भेदभावपूर्ण : मुख्य न्यायाधीश

मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित और न्यायमूर्ति भट ने पीठ के अन्य तीन न्यायाधीशों के फैसलों से असहमति जतायी। मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित और न्यायमूर्ति भट ने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण भेदभावपूर्ण और संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन है।

बचाव में सरकार ने रखे अपने कई तर्क

ईडब्ल्यूएस आरक्षण मामले में वरिष्ठ वकीलों ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में तर्क दिया। जिसके बाद (तत्कालीन) अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ईडब्ल्यूएस कोटे के बचाव में अपने तर्क रखे। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कानून का समर्थन करते हुए कहा था कि यह कानून अत्यंत गरीबों के लिए आरक्षण का प्रविधान करता है। इस लिहाज से यह संविधान के मूल ढांचे को मजबूत करता है। यह आर्थिक न्याय की अवधारणा को सार्थक करता है। इसलिए इसे मूल ढांचे का उल्लंघन करनेवाला नहीं कहा जा सकता।

खनन पट्टा विवाद : सीएम हेमंत सोरेन को बड़ी राहत

झारखंड हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलटा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। लीज आवंटित करने और उनके करीबियों द्वारा शेल कंपनी में निवेश

- सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सुधांशु धुलिया की बेंच ने सुनाया फैसला

करने के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये जनहित याचिका मेंटनेबल यानी सुनवाई योग्य नहीं है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया है। बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका को सुनवाई योग्य माना था। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने 17 अगस्त को हेमंत सोरेन और राज्य सरकार की अपील याचिका पर सुनवाई पूरी हो गयी थी और फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ झारखंड सरकार और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सुधांशु धुलिया की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। जाहिर तौर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बड़ी राहत मिली है। हेमंत सोरेन के खिलाफ गलत तरीके से खनन लीज आवंटित करने और उनके करीबियों द्वारा शेल कंपनी में निवेश का आरोप लगाया गया था। याचिकाकर्ता शिवशंकर शर्मा ने झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी और सुनवाई की मांग की थी।

धुर्वा डैम से डेढ़ साल की बच्ची का शव बरामद, हत्यारोपी पिता गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जगन्नाथपुर थाने की पुलिस ने डेढ़ साल की बच्ची का शव सोमवार को धुर्वा डैम से बरामद कर लिया है। बच्ची का शव डैम के पानी में तैर रहा था। सुबह में स्थानीय लोगों की नजर तैरती हुई बच्ची के शव पर पड़ी। स्थानीय लोगों की सूचना पर जगन्नाथपुर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और डैम से बच्ची का शव बरामद किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी पिता अमित कुमार को गिरफ्तार कर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार बच्ची की मां ममता कुमारी से पूछताछ करने पर पुलिस को उसके पति से चल रहे विवाद की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने रविवार को अमित को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ के बाद आरोपी ने पुलिस के समक्ष यह स्वीकार किया कि धुर्वा सेक्टर टू साइड फोर स्थित क्वार्टर के बाहर आद्या खेल रही थी। पत्नी ममता को बिना बताये वह आद्या को अपने साथ घूमाने के लिए ले गया। बाजार घुमाने के बाद वह आद्या को लेकर धुर्वा डैम गया और उसे फेंक दिया। आरोपी अमित उस समय तक डैम में खड़ा रहा, जब तक कि आद्या डूब नहीं गयी। जब पानी में हरकत बंद हो गयी, तब आरोपी वहां से हटा। इसी क्रम में आरोपी को पत्नी ने आद्या के गायब होने की सूचना दी। इधर, बच्ची का शव बरामद होने के बाद मां ममता का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, परिजन भी सदमें में थे। यह कह रहे थे कि ऐसे पिता को फांसी देनी चाहिए। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

अवैध खनन मामले में प्रदूषण बोर्ड के सदस्य सचिव को नोटिस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य में 1000 करोड़ के अवैध खनन से जुड़े मनी लाउंड्रिंग के केस में ईडी ने झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव यतींद्र कुमार दास को नोटिस भेजा है। यतींद्र पहले प्रदूषण बोर्ड के पहले वरीय अधिकारी हैं, जिन्हें अवैध खनन के मामले में ईडी ने नोटिस किया है। जानकारी के मुताबिक, साहिबगंज में प्रदूषण बोर्ड ने 69 क्रशर यूनिटों का कंसेंट टू ऑपरेट (सीटीओ) रद्द कर दिया था, लेकिन बाद में 23 क्रशर का सीटीओ बोर्ड ने दोबारा जारी कर दिया था। पूर्व में ईडी की जांच में यह बात सामने आयी थी कि बरहेट विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा बोर्ड पर प्रेशर दिलवाया करते थे। अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर वह सीओटी रद्द व जारी करवाते थे। ईडी को यह शिकायत मिली थी कि कई सारे लोगों के आवेदन जो योग्य थे, उन्हें सीटीओ सिर्फ पंकज मिश्रा के द्वारा कहे जाने की वजह से रोक दिया गया था।

मुख्यमंत्री ने जमशेदपुर में पांच सौ बेड के नये अस्पताल भवन की रखी आधारशिला

राज्य की जनता को योजनाओं से जोड़कर बना रहे सशक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी : हेमंत

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए गांवों में बुजुर्गों की पुरानी और पारंपरिक व्यवस्था को फिर से विकसित

- जमशेदपुर में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हुए शामिल
- 1.63 लाख से अधिक लाभुकों के बीच 245.27 करोड़ रुपये की परिसंपत्ति का किया वितरण

करना है। जहां हर घर में पशुधन उपलब्ध होता था। पशुपालन से घर में ही दूध, दही, मुर्गा, मीट अंडा प्राप्त हो जायेगा। इससे खासकर महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या को दूर कर सकेंगे। वे सोमवार को गोपाल मैदान, बिष्टुपुर, जमशेदपुर में आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। कर्यक्रम में विभिन्न विभाग के स्टॉल लगाये गये, जहां पदाधिकारियों द्वारा लोगों को जनकल्याकारी योजनओं से लाभान्वित कराया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जमशेदपुर की जनता के लिए नये बाईपास का निर्माण करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिये जल्द ही अधिकारियों के साथ मिलकर जमशेदपुर से सरायकेला-खरसावां को जोड़ते हुए एक बाईपास की बड़ी परियोजना तैयार करने का काम किया जायेगा।

योजनाओं का लाभ लेकर बनें सशक्त और स्वावलंबी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित कराया जा रहा है, जिससे वे इतने सशक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी हो जायेंगे कि सरकार द्वारा मिलनेवाले अनुदानित राशन लेने की आवश्यकता भी उम्मीद नहीं लेनी पड़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके, इसके लिये सरकार योजनाएं तैयार कर रहीं है। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

नये अस्पताल भवन के निर्माण पर लगभग चार अरब रुपये होंगे खर्च

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी मेमोरियल कॉलेज एवं अस्पताल (एमजीएम) परिसर में पांच सौ बेड की क्षमता वाले नये अस्पताल भवन की आधारशिला रखी। इसके निर्माण पर 4 अरब 18 करोड़ 34 लाख 91 हजार रुपये खर्च होंगे। इसके चालू होने से इस इलाके के मरीजों को बेहतर इलाज और जांच की सुविधा उपलब्ध होगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर झामुमो ने कहा - यह जनता की जीत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मुख्यमंत्री को राहत दिये जाने की खबर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए झामुमो के सांसद विजय हांसदा ने कहा कि कोर्ट के इस फैसले से कानून पर हमारा भरोसा और मजबूत हुआ है। यह झारखंड की जनता और जनता द्वारा चुने गये सरकार की जीत है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों का बीजेपी द्वारा लगातार दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई पर कोई बात नहीं होती है, पर इनके पास विधायकों खरीदने के लिए पैसे हैं। जनता का मुख्यमंत्री से और मुख्यमंत्री का जनता पर भरोसा और बढ़ा है। हम परेशान होनेवालों में से नहीं हैं हम और मजबूत हो रहे हैं।

नोटबंदी के दो माह बाद जनता के पास रह गयी थी नकदी 7.8 लाख करोड़ रुपये

- आरएनएम

नयी दिल्ली। अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक खबर के अनुसार केंद्र सरकार ने आठ

- छह साल बाद 21 अक्टूबर 2022 तक हो गयी 30.88 लाख करोड़ रुपये

नवम्बर 2016 को नोटबंदी का ऐलान किया था, लेकिन इस घोषणा के छह साल बाद देश में जितना कैश बाजार में है, उतना कभी नहीं रहा है। इससे पता चलता है कि कैश के माध्यम से भुगतान का तरीका जनता को अभी भी अच्छा व सहूलियत वाला लग रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार 21 अक्टूबर 2022 तक देश में कुल 30.88 लाख करोड़ रुपये का कैश उपलब्ध है, जबकि 4 नवम्बर 2016 को यह आंकड़ा 17.97 लाख करोड़ रुपये था। नोटबंदी के दो हफ्ते बाद 25 नवम्बर 2016 को 9.11 लाख करोड़ रुपये जनता के पास नकद थे, लेकिन अब इसमें 239 फीसदी की वृद्धि हुई है। नवम्बर 2016 में नोटबंदी होने के बाद 4 नवम्बर 2016 को जनता के पास 17.97 लाख करोड़ रुपये की नकदी थी, लेकिन जनवरी 2017 में यह घटकर 7.8 लाख करोड़ रुपये रह गयी। जनता के पास मुद्रा से तात्पर्य उन नोटों और सिक्कों से है जिनका उपयोग लोग लेन-देन, व्यापार और सामान खरीदने के लिए किया जाता है। हालांकि, कुल चलन मुद्रा जब निकालते हैं तो उसमें बैंकों के पास पड़ी नकदी को शामिल नहीं किया जाता है। सिस्टम ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मुख्यमंत्री के टाइम पीटिशन पर ईडी का फैसला

अवैध खनन मामले में मुख्यमंत्री को अगले सप्ताह दूसरा समन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य में 1000 करोड़ के अवैध खनन के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दूसरा समन अगले सप्ताह भेजा जायेगा। ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरन को पहला नोटिस एक नवम्बर को भेजा था, तब उन्हें तीन दिसम्बर को 11.30 बजे हाजिर होने को कहा गया था। इस समन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्थापना दिवस समेत अन्य कार्यक्रमों की व्यस्तता को लेकर तीन हफ्ते का वक्त एजेंसी से मांगा था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के टाइम पीटिशन पर ईडी के आला अधिकारियों ने मंथन कर लिया है। सूत्रों की मानें तो इस मामले में ईडी मुख्यमंत्री को तीन हफ्ते का वक्त तो नहीं देगी, लेकिन अगले हफ्ते उन्हें दूसरा समन भेजा जायेगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का ईडी जांच पर असर नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने शेल कंपनियों व अवैध खनन मामले की सीबीआई जांच कराने से जुड़ी याचिका को मेंटेनेबल नहीं माना है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में हुए फैसले का असर राज्य में ईडी की कार्रवाई पर नहीं पड़ेगा। ईडी ने 1000 करोड़ के अवैध खनन के मामले में अबतक राज्य में कई बड़ी कार्रवाईयां की हैं। इस मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बरहेट विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, सत्ता के गलियारों में चर्चित नाम प्रेम प्रकाश, साहिबगंज का दबंग बच्चू यादव जेल में बंद हैं।

बाबूलाल ने मुख्यमंत्री के सत्यमेव जयते बयान पर कसा तंज : राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सत्यमेव जयते ट्वीट पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने शेल कंपनी और अवैध खनन से जुड़ी याचिका को तकनीकी आधार पर मेंटेनेबल नहीं माना। यह सुनवाई सिर्फ याचिका के मेंटेनेबलिटी पर थी। बाबूलाल ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, ईडी ने झारखंड के 1000 करोड़ के अवैध खनन की जो सच्चाई उजागर की है, उस मामले में जांच पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने सुझाव देते हुए कहा कि एजेंसी एवं कानून की प्रक्रिया को चुनौती देने और वक्त मांगने से अच्छा होता कि मुख्यमंत्री एजेंसी के सामने उपस्थित होते, भीड़ जुटाकर बुझा देने की धमकी से सत्य की राह रोकने, जांच प्रभावित करने का गैर कानूनी काम नहीं करते। आप सही होंगे तो सत्यमेव जयते होगा ही।

न्यूज गैलरी

51 महिला तीर्थयात्री अयोध्या के लिए रवाना

नारी सेना की अध्यक्षा पूनम सिंह के नेतृत्व में 51 महिला तीर्थयात्री जो अयोध्या जी श्री राम भगवान के दर्शन के लिए जा रही थी उन सभी माताओं के चरण धोकर और पुष्प वर्षा कर हिंदूवादी नेता भैरो सिंह, वार्ड पार्षद रोशनी खलखो, ने रांची रेलवे स्टेशन से रवाना किया।

राम लखन सिंह यादव कॉलजे के एनसीसी कैडेट में किया वृक्षारोपण

रांची। राम लखन सिंह यादव कॉलजे के एनसीसी के दूसरे और तीसरे वर्ष के कैडेट और नए सत्र के कैडेट ने महाविद्यालय परिसर और आस पास के क्षेत्र मे पर्यावरण संरक्षण के देखते हुए 70 पेड़ पौधे का वृक्षारोपण किया गया सभी कैडेट ने संकल्प लिया हम जन जन तक जाऐगा और पर्यावरण को सुन्दर बनाएँगे इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जे पी सर और एनसीसी की कॉलजे की एएनओ डॉ. भावना कुमारीउपस्थित थे पुरे वृक्षारोपण कार्यक्रम सीनियर अंडर ऑफि सर रवि अग्रवाल के नेतृत्व में सफलता पुर्व रहा। एनसीसी अफिसर डॉ भावना कुमारी ने कहा एनसीसी का कार्य ही होता है देश और समाज के देखभाल करना एक कैडेट अन्य छात्र से एकदम अलग होते हैं हर कैडेट के अन्दर एकता और अनुशासन होता है जो कि समाज के लोगों के बीच जाकर कार्य करते हैं हमने पुर्व में भी कोकर क्षेत्र के तालाबों की सफाई की और अन्य एक कार्यक्रम करते है जिसके समाज के लोगों का भाव हो कोविड मे हमलोगो को ऑक्सीजन की कमी का एहसास हुआ है इसलिए हम सभी को आपने निजी कार्य के लिए अगल एक पेड़ को कटाई करते हैं तो हम बदले में पॉच पेड जरूर लगना चहिऐ।

उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय का कमरा जर्जर, कभी भी गिरने की आशंका

बुढ़मू। बुढ़मू प्रखंड के उमेडंडा पंचायत के अंतर्गत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बड़का मुरू में 2 कमरा भवन है जो इन दिनों काफी जर्जर हो चुका है। बच्चों को पढ़ाई करने में काफी परेशानी हो रही है। यह स्कूल भवन में बच्चो का पढ़ाई करने में डर बना हुआ है।, और जर्जर भवन के कारण कभी भी दुर्घटना घटने की संभावना बनी हुई है। इस स्कूल में शौचालय की स्थिति भी काफी दयनीय है। विद्यालय के शिक्षक ने बताया की हमारे स्कूल के छत काफी जर्जर हो गया है, जिसकी सूचना हमने कई बार प्रखंड के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को दिया हूं, परंतु किसी ने हमारे विद्यालय की सुध नहीं ली, स्थिति यह है कि आज हमारे विद्यालय में लगभग 55 बच्चे पढ़ते हैं, और हमेशा यह डर बना हुआ रहता है कि कहीं किसी तरह का दुर्घटना बच्चों के साथ ना हो जाए , उन्होंने यह भी बताया की यदि जल्द से जल्द इस भवन का मरम्मती अगर नहीं हुआ तो हमको बाध्य होकर बच्चों को खुले मैदान में पढ़ाना पड़ेगा। जर्जर छत को देखने से लगता है कि कभी भी बच्चों के साथ दुर्घटना घट सकती है।

जोरार में सड़क का शिलान्यास

नामकुम। नामकुम के वार्ड 47 के जोरार अंतर्गत जिन सड़कों का शिलान्यास वार्ड पार्षद कविता सांगा के द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से कांग्रेस के वरीय नेता व पूर्व पार्षद किरण सांगा व पिंटू सिंह, जयराम ठाकुर बादल सांगा तालकेश्वर यादव दीपक सिंह अन्य मौजूद थे। इस दौरान कैलाश नगर, जोरार नामकुम में एम के सिह के घर भट्ठा कोचा तक तेतरी टोली में गिली के घर से एरिक के घर तक पीसीसी पथ का निर्माण कार्य किया जाएगा।

बुढ़मू बाजार टाड़ का मुख्य सड़क जर्जर, लोगों आक्रोशित

नवीन मेल संवाददाता

बुढ़मू। बुढ़मू बाजार टाड़ से मक्का, हुटपय, उलातू होते हुए चौकी टाड़ तक जाने वाला पथ लगभग 14 किलोमीटर बहुत खराब है और जर्जर बना हुआ है। इस पथ पर जगह-जगह पर गड्ढा बन हो गया है और रास्ते पर पत्थर निकल गया है, रास्ते के दोनों किनारे पर झाड़ियां उग गयी है। इस कारण रास्ते पर बड़े - छोटे वाहनों व राहगीरों को चलना मुश्किल हो गया है, विशेषकर गांव के स्कूली बच्चों को स्कूल आने जाने में काफी परेशानी हो रही है। यह रोड काफी समय से इसी स्थिति में है, इसे देखने वाला कोई नहीं है, ना ही जनप्रतिनिधि है और ना ही कोई विभाग के पदाधिकारी और विभाग के अधिकारी है। वह पथ पर ग्रामीणों द्वारा पिछले कई माह से बनाने की मांग किया जा रहा है, लेकिन इस पथ नहीं बनाया जा रहा है, इस पर विभागीय अधिकारियों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय समाजसेवी

ज्योति शंकर साहू समेत ग्रामीणों ने बताया कि हम लोग पिछले कई महीनों से इस पथ को बनाने की मांग विभाग के अधिकारियों को लिखित रूप अवगत कराकर कर रहा हूं , लेकिन अभी तक किसी भी अधिकारी ने इस पर ध्यान नहीं दिया है, और ना ही कोई आकर देखा है, जिससे यहां की जनता विभाग के अधिकारियों के रवैए से काफी परेशान हैं और आक्रोश व्यक्त किया है, साथ ही नाराजगी जताई है। स्थानीय समाजसेवी ज्योति शंकर साहू ने कहा कि जब तक रोड नहीं बनता है, मैं विभाग से बनाने का मांग करता रहूंगा। इधर भारतीय किसान सेवा संघ के अध्यक्ष ज्योति शंकर साहू , उपाध्यक्ष बसारत गंझू , कोषाध्यक्ष नरेश महतो, एवं ग्रामीण पवन साहू , बालकृष्ण पाहन, सुरेंद्र साहू, सुनील साहू , जलील अंसारी , त्रिभुवन साहू समेत ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी बुढ़मू और पथ विभाग के जिला के वरीय पदाधिकारियों, अधिकारी और झारखंड सरकार से जल्द देखकर पथ बनाने की मांग की है।

शहादत दिवस समारोह आयोजित करने को लेकर बैठक संपन्न

18 नवम्बर को रेजांगला शहादत दिवस समारोह भव्य रुप से मानया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

बुढ़मू। रांची जिला यादव महासभा की बैठक रेजांगला शहादत दिवस समारोह आयोजित करने को लेकर कोर कमिटी की बैठक होटल जेनिस्टा कांटाटोली रांची में जिला के प्रांतिय यादव महासभा के अध्यक्ष तपेश्वर गोप की अध्यता मे संपन्न हुई। इस दौरान यादव समाज के द्वारा बताया गया कि 18 नवम्बर को रेजांगला शहादत दिवस समारोह भव्य रुप से मानया जाएगा। साथ ही कहा कि 1962 मे चीन और भारत के साथ जो युद्ध था, जिसमे 113 जवान शहीद हुए थे, जिसका शहीद दिवस हर वर्ष 18 नवम्बर को मनाया जाता है , और इस वर्ष भी मनाया जाएगा। इस वर्ष 18 नवम्बर को जगरनाथपुर मन्दिर धुरुवा रांची में मनाया जाएगा। रांची जिला प्रांतीय यादव महासभा की बैनर तले रेजांगला शहादत दिवस मनाया जाएगा। मौके पर बैठक में प्रांतीय यादव महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष श्री पीताम्बर दास यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सुरेश गोप, प्रदेश कार्यालय सचिव नरेन्द्र कुमार यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष बुलू गोप, प्रदेश सचिव अर्जुन गोप, प्रदेश कोषाध्यक्ष केदार गोप, गौतम यादव सहित यादव समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गरीब सवर्णों को 10% आरक्षण दिए जाने से 50% का सीमा रेखा अब टूट चुका है : राजेश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ईडब्ल्यूएस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला गरीब सवर्णों के पक्ष में आया है. इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि गरीब सवर्णों को 10% आरक्षण दिए जाने से 50% का सीमा रेखा अब टूट चुका है। इसलिए केंद्र कि सरकार अध्यादेश लाकर ओबीसी समुदाय को जनसंख्या अनुपात में 50% आरक्षण प्रस्ताव को पारित करें, जिससे ओबीसी समुदाय को उनका हक मिल सके. राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा गरीब सवर्णों को आरक्षण देने के विरोध में नहीं है. बल्कि उस मानसिकता का विरोधी है की जब जब ओबीसी एससी एसटी का मामला न्यायालय में आता है तो हमेशा सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इंदिरा साहनी मामले में लगी 50% सीमा पार नहीं की जा सकती है। न्यायालय ओबीसी एससी एसटी के मामले

आते हैं तो न्यायालय कुछ ना कुछ अड़ंगी लगा देता है। हाल ही में देश में पंचायत चुनाव और नगर निकाय चुनाव में ओबीसी के डाटा (ट्रिपल टेस्ट) के नाम पर आरक्षण को समाप्त करने की काम की जा रही है। वहीं ईडब्ल्यूएस के लिए केंद्र सरकार ने कोई भी डाटा सुप्रीम कोर्ट को नहीं दे सकी बावजूद सवर्ण आरक्षण के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट फैसला देता है।* और ओबीसी के मामले में अनावश्यक अड़ंगा लगाया जाता है।मैं इस मानसिकता का विरोध करता हूं। अगर 5 जजों के पैनल में सभी सवर्ण जाति के हैं। अगर उसमें एससी एसटी ओबीसी के जज होते तो क्या ऐसा फैसला होता?जब भी ओबीसी आरक्षण बढ़ाने की बात आती है तो इंदिरा साहनी के फैसले का आधार बनाकर ओबीसी का आरक्षण बढ़ाने पर 50% की सीमा रेखा का हवाला दिया जाता है। आज ईडब्ल्यूएस का आरक्षण 10% पर मुहर लग जाने से 50% की सीमा रेखा पार करता है। तो अब ओबीसी को भी जनसंख्या अनुपात में 52% आरक्षण केंद्र सरकार को अध्यादेश लाकर अविलंब करना चाहिए।* मराठा जाट गुर्जर पटेल जाति के कई बड़े बड़े आंदोलन हुए जिससे सैकड़ों लोगों की जानें गई देश के लाखों करोड़ों की संपत्ति की क्षति हुई उन्हें आरक्षण यह कह कर नहीं दिया गया कि 50% का कैप लगा हुआ है।

नामकुम प्रखंड सह अंचल कार्यालय में धरना प्रदर्शन, पूरे राज्य में अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो गई है : नवीन जसवाल

नवीन मेल संवाददाता

नामकुम। भाजपा खिजरी एवं टाटीसिल्वे मंडल के संयुक्त तत्वाधान में नामकुम प्रखंड सह अंचल कार्यालय में आक्रोश एवं विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा ने कार्यक्रम में दोनों मंडलों अधिकारी कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन कार्यकताओं ने सांसद समाधान केंद्र सदाबहार चौक से पैदल मार्च कर प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंच कर व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में आक्रोश एवं विरोध प्रदर्शन किया सभा को काकें विधायक समरी लाल हटिया विधायक नवीन जायसवाल महिला मोर्चा के अध्यक्ष आरती कुजूर

कार्यक्रम के प्रभारी मनोज कुमार चौधरी आदि लोगों ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन खिजरी मंडल महामंत्री गोरखनाथ सिंह एवं राजू नायक ने किया धन्यवाद ज्ञापन सौंपा। विभिन्न वक्ताओं ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है पूरे राज्य में खनिज संपदा की लूट हो रही है दिनदहाड़े डकैती और व्यवसाय को निशाना बनाया जा रहा है पूरे राज्य में अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो गई है नेताओं ने हेमंत सरकार को चेताया और कहां की आम जनता के हक और अधिकार के लिए सड़क से सदन तक मार्च करेंगे यह तो शुरूआत है। मौके पर खिजरी मंडल प्रभारी सुधाकर चौबे,ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह, शंकर सिंह मुंडा, भाजपा के वरीय नेता मनोज कुमार सिंह, समीर राय, सहराई पाहन, धन सिंह मुंडा, रमेश लकड़ा, विजेंदर राय, उमाकांत राय,उर्मिला देवी, मुक्ति नाथ मिश्रा, संजय सिंह, इत्यादि।

लोकहित अधिकार पार्टी झारखंड के समस्त लोकसभा व विधानसभा सीटों पर लड़ेंगी चुनाव : रोशनलाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। साहू समाज के प्रदेश कायार्लय महावीर नगर में लोकहित अधिकार पार्टी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का आयोजन झारखण्ड प्रदेश के घोषित अध्यक्ष सुनील साहू ने किया। उक्त मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनलाल गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। बतौर विशिष्ट अतिथि पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सह झारखण्ड प्रदेश प्रभारी डॉ. जगन्नाथ प्रसाद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय गुप्ता एवं राष्ट्रीय महासचिव सतीश गांधी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनलाल गुप्ता ने कहा कि झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू के नेतृत्व में लोकसभा और विधानसभा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। हमारी पार्टी अपने भारतीय संविधान में पूर्ण आस्था रखती है। आजादी के 75 वर्षों बाद भी दलित, आदिवासी,

पिछड़ा और धार्मिक अल्पसंख्यकों को सामाजिक न्याय नहीं मिला। इसके लिए पार्टी जोरदार संघर्ष करेगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सह झारखण्ड प्रदेश प्रभारी डॉ जगन्नाथ प्रसाद ने कहा कि जो भी पार्टी या सरकार जात आधारित जनगणना नहीं चाहती वह दलित, आदिवासी और पिछड़ो का हितैषी हो ही नहीं सकती। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि आरक्षण हमारा अधिकार है और इसे धीरे-धीरे समाप्त किया जा रहा है। यह बदार्स्त नहीं किया जायेगा। राष्ट्रीय महासचिव सतीश गांधी ने कहा कि लम्बे समय से मौखिक परीक्षा के नाम पर हमारे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इसके खिलाफ जोरदार आवाज उठायेंगे। प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू के नेतृत्व में खूंटी जिला से कुमार ब्रजकिशोर, लातेहार जिला से राम प्यारे साहू, चतरा जिला से संजय स्नेही आदि लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय
झारखंड शिक्षा परियोजना, रामगढ़
राजकीय बुनियादी विद्यालय परिसर, गोला रोड़, रामगढ़ कैंट

ई मेल :– ssa_ramgarh@rediffmail.com फोन नं०/फैक्स नं० – 06553–231133,

पत्रांक ...../ दिनांक ...../

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना (सत्र 2022–23)

रामगढ़ जिला अंतर्गत संचालित 4 कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों, 02 झारखण्ड आवासीय बालिका विद्यालय एवं नेताजी सुभाश चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय, पतरातू के लिए सत्र 2022–23 (31 मार्च 2023 तक) में खाद्य–सामग्री पठन–पाठन, लेखन सामग्री स्टेशनरी एवं दैनिक उपयोग की सामग्री के आपूर्ति हेतु इच्छुक निविदादाताओं से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता समग्र शिक्षा अभियान कार्यालय, रामगढ़ से दिनांक–10-11-2022 से 17-11-2022 तक कार्यालय अवधि में पूर्वाहन 10:30 बजे से 05:00 बजे अपराहन तक निविदा प्रपत्र प्राप्त कर सकते है। निविदा तकनीकी बिड एवं वित्तीय बिड अलग–अलग सीलबंद लिफाफे में (पैकेजवार अलग–अलग लिफाफे में) कार्यालय, समग्र शिक्षा अभियान, राजकीय बुनियादी विद्यालय परिसर गोला रोड़, रामगढ़ कैंट में दिनांक–21-11-2022 को 01:00 बजे अपराहन तक जमा लिया जाएगा तथा दिनांक–21-11-2022 को अपराहन 02:00 बजे समग्र शिक्षा अभियान, राजकीय बुनियादी विद्यालय परिसर, गोला रोड, रामगढ़ कैंट में निविदा खोला जाएगा। निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय रामगढ़ के नाम से जारी तथा Central Bank of India, Ramgarh के नाम Payable अप्रतिदेय (Non Refundable) रू0 1000/- रू0 (एक हजार रूपये मात्र) राष्ट्रीयकृत बैंक के डिमांड ड्राफ्ट के साथ आवेदन देना अनिवार्य होगा। पूर्ण निविदा से संबंधित विस्तृत शर्त्तें तथा आवश्यक जानकारी हेतु कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान, रामगढ़।

PR.NO.281646 District(22-23):D

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग मुख्य अभियंता का कार्यालय
102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी रोड, राँची

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 87/2022-23/RWD/HAZARIBAGH दिनांक :- 07.11.2022

मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, झारखण्ड, राँची द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि
1.	RWD/ HAZARIBAGH/ 08/2022-23	ग्राम पुरनी पेटो नीम चौक बुढ़ी मैया झाबरगढ़ा होते हुए बालुका राम के घर तक (पुरानी पेटो से झाबरगढ़ा भाया बुढ़िया मैया मंदिर) तक पथ निर्माण कार्य (लं– 4.000 कि0मी0)	4,08,29,100.00	चार करोड़ आठ लाख उनतीस हजार एक सौ रू0 मात्र	18 माह
2.	RWD/ HAZARIBAGH/ 09/2022-23	पी0डब्लू0डी0 पथ से कौलेश्वरीबागी होते हुए बड़काआम घांसी जी के घर तक पथ निर्माण कार्य (लं– 3.000 कि0मी0)	2,77,82,800.00	दो करोड़ सतहत्तर लाख बेरासी हजार आठ सौ रू0 मात्र	15 माह
3.	RWD/ HAZARIBAGH/ 10/2022-23	ग्राम महँगाईकला से हरली तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं– 2.500 कि0मी0)	1,27,28,100.00	एक करोड़ सताईस लाख अठाईस हजार एक सौ रू0 मात्र	09 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:– 18.11.2022
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:– 30.11.2022 अपराहन 5.00 बजे।
4. (क) मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, अभियंत्रण भवन, कचहरी, राँची अथवा (ख) जिला नियंत्रण कक्ष, राँची अथवा (ग) जिला नियंत्रण कक्ष, हजारीबाग में से किसी भी कार्यालय में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:– 01.12.2022 पूर्वाहन 10.00 बजे से अपराहन 3.30 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 02.12.2022 पूर्वाहन 11.30 बजे।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, 102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची, झारखण्ड, पिन– 834001
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0651–2207818
8. निविदा शुल्क झारखण्ड राज्य में अवस्थित भारतीय स्टेट बैंक/अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निविदाकार के नाम/अकाउंट से ही निर्गत बैंक ड्राफ्ट के रूप में कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, हजारीबाग के पक्ष में एवं हजारीबाग में भुगतेय होगा जो लौटाया नहीं जायेगा।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है। नोडल पदाधिकारी ई–प्रोक्युर्मन्ट सेल

PR281686 (Rural Work Department)22-23*D

हिंसा भड़काने की हो रही साजिश, जरूरत पड़े तो राष्ट्रपति शासन लगाएं राज्यपाल : रघुवर

नवीन मेल संवाददाता

रांची । राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के बयान को पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने हिंसा भड़काने वाला बताया है। इस संबंध में उन्होंने राज्यपाल रमेश बैस को पत्र लिखा है। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 356 के प्रावधानों से यह स्पष्ट है कि यदि राज्यपाल को ऐसा प्रतीत हो कि राज्य सरकार, संविधान के प्रावधानों एवं कानूनों के अनुसार नहीं चल रही है और हेमंत सोरेन के राज्य के मुखिया के पद पर होते हुए राज्य सरकार को संवैधानिक तरीके से नहीं चलाया जा सकता है तो राज्य में राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा की जा सकती है। रघुवर दास ने मांग की है कि ईडी द्वारा जारी समन की प्राप्ति के बाद से हेमंत सोरेन, उनकी पार्टी के अन्य नेताओं तथा सरकार के मंत्रियों के

द्वारा दिए गए भाषणों तथा वक्तव्य के संबंध में जांच कराते हुए उचित निर्णय ली लाए, ताकि राज्य में कानून का राज स्थापित हो सके और केंद्रीय एजेंसी निष्पक्ष तरीके से अपनी जांच पूरी कर सके। उन्होंने लिखा है कि हेमंत सोरेन को ईडी के द्वारा समन भेजा गया है तो भारतीय विधान के मुताबिक एक भारतीय नागरिक के रूप में और संवैधानिक पद पर होते हुए एक जिम्मेदार लोक सेवक के रूप में उनकी यह जिम्मेदारी बनती है कि वह जांच एजेंसी को उसके द्वारा किए जा रहे अनुसंधान में पूर्ण सहयोग करें। यदि संबंधित तथ्यों, घटनाओं तथा लोगों से उनकी कोई संलिप्तता नहीं है तो जांच एजेंसी के समक्ष यह स्पष्ट हो सके। हेमंत सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा जारी किए गए समन का पालन करने की बजाए एक ओर तो प्रवर्तन निदेशालय से समय की मांग की है, परंतु दूसरी ओर निर्धारित तिथि से एकव दिन पहले अपने आवास के बाहर हजारों की संख्या में अपने कार्यकताओं को बुलाकर प्रदर्शन में हिस्सा लिया और समुचित भीड़ को संबोधित करते हुए जांच एजेंसी को ललकारा। रघुवर दास ने राज्यपाल को लिखा है कि मुख्यमंत्री आवास क्षेत्र की विधि व्यवस्था काफी मुस्तैद होती है और हजारों की संख्या में लोगों का जुटान बगैर मुख्यमंत्री कार्यालय अथवा मुख्यमंत्री की सहमति के संभव नहीं है। अतः ऐसा कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा जानबूझकर ऐसा संवैधानिक संकट पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे उनके तथाकथित समर्थक हिंसक हो जाएं और प्रवर्तन निदेशालय को दबाव में लेकर दिग्भ्रमित किया जा सके। हेमंत सोरेन के द्वारा आए दिन भड़काऊ भाषण दिए जा रहे हैं। जैसे कि उनके आदिवासी होने के कारण ही उनके साथ साजिश की जा रही है और यह कि प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा की जा रही जांच के विरोध में उनके पार्टी के लोग राज्य में सभी स्तरों पर विरोध प्रदर्शन करें। प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा हेमंत सोरेन को जारी किए गए समन की तिथि के बाद के सभी आयोजनों जिसमें हेमंत सोरेन ने भाषण दिए हैं।

10% आरक्षण का लाभ सदान वर्ग से आने वाले सामान्य वर्ग को ही मिले : राजेन्द्र

रांची। ईडब्ल्यूएस 10 आरक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसला आने के बाद मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा सामान्य वर्ग को मिलने वाले 10% आरक्षण का लाभ सिर्फ झारखण्ड के सामान्य वर्ग के मूलवासी सदानों को ही मिलना चाहिए। प्रसाद ने कहा कि मूलवासी सदान से आने वाले सामान्य वर्ग के लोग भी आर्थिक, राजनीतिक, और सामाजिक दृष्टिकोण से काफी पिछड़े हुए हैं। प्रसाद ने कहा कि झारखण्ड की भाषा संस्कृति रहन- सहन अन्य राज्यों से बिल्कुल भिन्न है। यहां के लोग सीधे-साधे होते हैं चाहे वह किसी भी समुदाय से संबंध रखते हों। प्रसाद ने कहा कि झारखंड की संस्कृति जातीय भेदभाव की कभी नहीं रही है। उन्होंने कहा कि यह बात बिल्कुल सच है यहां के सामान्य वर्ग की स्थित अन्य राज्यों के सामान्य वर्ग के लोगों से भिन्न हैं।

न्यूज गैलरी

पीसीसी पथ निर्माण कार्य और किसान भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास

रांची। राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू के सांसद निधि से सोमवार को रांची जिला अंतर्गत ओरमांझी प्रखंड के चेतन बाड़ी में पीसीसी पथ निर्माण कार्य और स्वर्णरेखा पब्लिक स्कूल के बगल में किसान भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया । इस दौरान सांसद संजय सेठ और आदित्य साहू समेत कई लोग मौजूद थे।

कई युवाओं ने भाजपा का दामन थामा

रांची। रांची जिला अंतर्गत ओरमांझी प्रखंड के वनलोटवा में भाजपा के विचारों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में युवाओं ने भाजपा का दामन थामा। राज्यसभा सांसद व भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य प्रसाद साहू और रांची सांसद संजय सेठ ने सभी युवाओं को भाजपा का पट्टा देकर स्वागत किया।

जानलेवा हमले के छह आरोपियों को सशर्त राहत

रांची। अपर न्यायायुक्त दिनेश राय की अदालत ने जानलेवा हमले के छह आरोपियों योगेंद्र कुमार, प्रकाश कुमार, चंद्रिका राम, शंभू शरण कुमार उर्फ शंभू कुमार, अरमान कुमार उर्फ गोलू कुमार एवं शत्रुघ्न कुमार को सशर्त अग्रिम जमानत की सुविधा प्रदान की है। आरोपियों को आधार कार्ड प्रस्तुत करने, मोबाइल नंबर नहीं बदलने एवं वर्तमान आवासीय पता अदालत को सूचित किए बिना नहीं बदलने का निर्देश दिया गया है। साथ ही जांच में आईओ को सहयोग करने को कहा गया है। आरोपियों के खिलाफ 22 अगस्त 2022 को डोरंडा थाने में नामजद प्राथमिकी (कांड संख्या 241/22) आरती झा ने दर्ज कराई थी। आरोपियों पर सूचक के आवास पर मारपीट करने का आरोप है। कोर्ट में मात्र एक जख्मी रिपोर्ट दायर की गई थी, जिसके आधार पर अदालत ने सभी की अग्रिम जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए राहत प्रदान की है।

एचईसी के अधिकारियों का धरना जारी

रांची। वेतन की मांग को लेकर एचईसी के अधिकारियों का धरना सोमवार को भी मुख्यालय गेट के पास जारी रहा। अफसर और इंजीनियर एक मुश्त वेतन भुगतान की मांग कर रहे हैं। वह एचईसी के सीएमडी नलिन सिंघल से वार्ता करने की मांग को लेकर गुरुवार से आंदोलन कर रहे हैं। चार दिनों से अधिकारी प्लांटों में काम नहीं कर रहे हैं। इसका असर उत्पादन पर पड़ा है। अधिकारी एचईसी के सीएमडी को वार्ता के लिए बुलाने की मांग कर रहे हैं। अधिकारियों का यह कहना है कि एचईसी के प्रभारी सीएमडी नलिन सिंघल मुख्यालय में नहीं बैठते हैं। ऐसे में उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है। निदेशक स्तर से वार्ता होती है, पर आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिलता। ऐसे में सीएमडी को अविलंब रांची आकर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। कई अधिकारियों का कहना है कि एचईसी जैसे संस्थान को बचाने के लिए भी ठोस कार्रवाई जरूरी है।

राजभवन के सामने सत्ता पक्ष की हुंकार, केंद्र पर सरकार को अस्थिर करने का लगाया आरोप

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पिछले कुछ माह से झारखंड की राजनीति गरमाई हुई है. सत्ताधारी दल सड़क पर उतरकर केंद्र पर निशाना साध रहे हैं. सोमवार को राजभवन के सामने झामुमो, कांग्रेस और राजद ने एकजुट होकर महाधरना दिया .सत्ताधारी दल के नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का षड्यंत्र कर रही है. केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग किया जा रहा है. इस कार्यक्रम में झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो, झामुमो प्रवक्ता विनोद पांडे, झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, विधायक बैजनाथ राम, मथुरा प्रसाद महतो, अनूप सिंह, बंधू तिर्की, अजय नाथ शाहदेव समेत महागठबंधन के सेकड़ों

कार्यकर्ता शामिल हुए. नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड की चुनी हुई लोकप्रिय सरकार को अस्थिर करना चाहती है. केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग कर राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री को परेशान किया जा रहा है. हमारे विधायकों को परेशान किया जा रहा है. महागठबंधन इनके मंसूबे पर हमेशा पानी भरने का काम किया है और आगे भी करते रहेंगे. राजसभा सांसद महुआ मांजी ने कहा केंद्र सरकार देश की गैर बीजेपी शासित राज्यों की सरकारों को हमेशा से अस्थिर करने में लगी हुई है. उनके षड्यंत्र का पदार्फाश हमेशा करते रहे हैं और आगे भी करेंगे. कहा कि झारखंड में केंद्र सरकार का ऑपरेशन लोटस कभी सफल नहीं होगा.कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि पुरे देश में केंद्र सरकार लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू है. कहा कि केंद्र सर्ज्कार का एक ही काम रह गया है जिस- जिस प्रदेश में गैर भाजपा सरकार है वहां एन-केन प्रकरेन सत्ता हासिल करो. झारखंड में भी केंद्र सरकार यही फामूर्ला लगा रही है. स्वतंत्र एजेंसियों को गुलाम बनाने का काम कर रही है. लेकिन हम लोग इसका डटकर मुकाबला करते रहेंगे.

विधायक अब 20 करोड़ तक के सड़क-पुल निर्माण की कर सकते हैं अनुशंसा

रांची। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना और मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के क्रियान्वयन में नये सिरे से नीति का निर्धारण कर दिया है. इस संबंध में ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव अजय कुमार सिंह ने ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंता प्रमुख,मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता ओर सभी कार्यपालक अभियंता को पत्र लिखकर नये नीति से अवगत भी कर दिया है. राज्य के विधायक वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 में 10-10 करोड़ तक की योजनाओं के अतिरिक्त 2021-22 के शेष किमी एवं पुल निर्माण की स्वीकृति दी जायेगी. हालांकि यदि किसी विधायक द्वारा अपने क्षेत्र में सड़क या पुल निर्माण को को अधिक आवश्यक समझा जाता है तो विधायक 20 करोड़ तक का लक्ष्य मानते हुए सड़क-पुल निर्माण की अनुशंसा कर सकते हैं.

नव प्रोन्नत आईएएस अधिकारी रवि रंजन मिश्र और अंजनी कुमार मिश्र का अभिनंदन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आईएएस कादर में हाल में प्रोन्नत कल्याण विभाग के विशेष सचिव रवि रंजन मिश्र और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के संयुक्त सचिव अंजनी कुमार मिश्र के अभिनंदन में रविवार की शाम रांची प्रेस क्लब के कॉन्फ्रेंस हॉल में अभिनंदन सह प्रीति मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अवकाशप्राप्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ एके पांडेय और आदिवासी कल्याण मिशन आश्रम के अध्यक्ष सीताराम भगत उपस्थित थे। अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार और रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजय मिश्र ने की। ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के पिठौरिया केंद्र की प्रमुख ब्रह्मकुमारी राजमती दीदी तथा प्रसिद्ध कर्मकांडी और ज्योतिषी आचार्य कृष्ण एवं आचार्य चंद्रकांत ने स्वस्तिवाचन कर दोनों अधिकारियों के यशस्वी जीवन की कामना की। अतिथियों का स्वागत और

संचालन बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नंदनी कुमारी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक स्वामी दिव्य ज्ञान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।इस अवसर पर प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ अशोक प्रियदर्शी, रिटायर्ड आईजी बीके शर्मा, जमशेदपुर के उप कर आयुक्त रतनलाल गुप्त, हेमप्रभा अग्रवाल, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के उप सचिव अजय त्रिवेदी, एटीआई की डिप्टी डायरेक्टर सुमन पाठक, झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष अमित शर्मा, मारवाड़ी सम्मेलन रांची के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, अखिलेश्वर मिश्र, पौधा एवं पुस्तक देकर दोनों अधिकारियों का स्वागत किया।

चंद्रग्रहण के अवसर पर श्री श्याम मंदिर आज प्रातः आठ बजे बंद हो जायेगा, बुधवार को शाम पांच बजे खुलेगा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चंद्रग्रहण के अवसर पर हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर मंगलवार को प्रातः 8:00 बजे बंद हो जाएगा जो बुधवार 9 नवंबर को प्रातः 5:00 बजे खुलेगा। श्री श्याम मित्र मंडल के

महामंत्री श्री विश्वनाथ नर्सरिया ने बताया कि प्रातः 8:03 बजे से सूतक प्रारंभ होगा, चंद्र ग्रहण का मोक्ष साय काल 6:19 बजे होगा। इसके बाद सभी आचार्य एवम मन्दिर के कर्मचारी स्नान करने के बाद मंदिर की साफ सफाई करेगें। अतः भक्तजन बुधवार को प्रातः 5:00 बजे के उपरांत ही पूजा वंदन और दर्शन के लिए श्री श्याम मंदिर पधारे। आज देव दीपावली के अवसर पर आज ग्वाल आरती के बाद मंदिर परिसर में देव दीपावली पर्व मनाया गया। 51 शुद्ध घी के दीपक प्रजवलित कर खुशियां मनाई गई। श्री नर्सरिया ने बताया कि चंद्र ग्रहण के बाद खाटू नरेश का महा स्नान होने के बाद बुधवार को केसर चंदन तिलक श्रृंगार भी किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि खाटू धाम का मंदिर मंगलवार को बंद रहेगा जो बुधवार को साईं काल खुलेगा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को श्रृंगार आरती प्रातः 7:15 बजे होगी। शनिवार को श्री श्याम भंडारा श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर 36 वां श्री श्याम भंडारा शनिवार 12 नवंबर को संध्या 5:00 बजे से हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में होगा। अध्यक्ष सुरेश सराओगी ने बताया कि मंडल के सदस्य श्री राजीव रंजन मित्तल सदस्य कविता मित्तल अपने सुपुत्र यशवर्धन मित्तल व परिवार संघ श्याम भंडारे की सेवा निवेदित करेंगे। मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने उपरोक्त सभी जानकारी दी।

मारवाड़ी कॉलेज में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

रांची। मारवाड़ी कॉलेज के पुरुष व महिला प्रभाग में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी) और रांची कैंसर केयर फाउंडेशन (टाटा ट्रस्ट) की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें कॉलेज कर्मियों व उनके परिजनों की निःशुल्क जांच की गई। शिविर की शुरूआत प्राचार्य डॉ मनोज कुमार और प्रोफेसर इंचार्ज डॉ आरआर शर्मा ने की। शिविर में 500 से अधिक लोगों की जांच की गई। मधुमेह, हाइपर टेंशन के अलावा मुख, स्तन व गर्भाशय के कैंसर के साथ हेपेटाइटिस बी और सी की निःशुल्क जांच की गई।

डॉ. एनपी सिन्हा के निधन पर मौनधारण कर श्रद्धासुमन अर्पित की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। द्वारिका हॉस्पिटल द्वारिका नगर महिलौंग, रांची के जाने माने वरीय चिकित्सक डॉ. एनपी सिन्हा (78 वर्षीय) का निधन 01.11.2022 को रात्रि में हुआ। वे अपने पीछे एक पुत्र सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए। उनके निधन पर सोमवार को द्वारिका हॉस्पिटल में दो मिनट मौनधारण कर उनके आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थन की गयी। मौके पर हॉस्पिटल के निदेशक डॉ.एस.के.निराला ने उनके जीवन इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा वे चिकित्सक के साथ-साथ समाजसेवी भी थे।मरीजों के साथ उनका व्यवहार हमेशा मधुरमय था। आज उनकी कमी हॉस्पिटल परिवार को खल रही

है,वहीं छात्र क्लब चिकित्सक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने कहा उनके जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित कर हमेशा उन्हें याद किया जायेगा। आज श्रद्धासुमन अर्पित करने वालो में मुख्यारूप से डॉ. मेजर सीमा, डॉ. अंटोनी किस्कू, डॉ.पी.आर. बाखला, डॉ. एसके सोनू, डॉ. ऐके सिन्हा, डॉ. गणेश कुमार सिंह, डॉ. अनुज कुमार पटेल सहित सिस्टर शांति खलखो, सोनाली खलखो, दिवा पासवान, शीतल कुमारी, मगदली भेंगरा, अजीत कुमार, विकाश टूटी आदि हॉस्पिटल के कर्मचारीगण मौजूद थे।

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न टीआरटीसी, चाईबासा में लोककल्याण संस्थान के द्वारा और झारखंड ट्राइबल डेवलोपमेन्ट सोसाइटी के आयोजन से 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यकम किया जा रहा है। सोमवार को दूसरे चरण के सातवें दिन अर्थात प्रशिक्षण के पंद्रहवें दिन व अंतिम दिन झारखंड ट्राइबल डेवलपमेंट सोसाइटी के पदाधिकारी एवं भारतीय लोककल्याण संस्थान के प्रशिक्षकों ने भाग लिया। जिसमें टोंटो ब्लॉक के सिरिंगसिया (18) एवं सगरकत्ता (18) ग्राम के, 36 और खूंटपानी ब्लॉक के रोरो(20) ओर पेटापेटी(20) ग्राम के 40, कुल 76 प्रशिक्षणार्थी ने भाग लिया । प्रशिक्षण का कार्य टोंटो तथा खूटपानी ब्लॉक का दो अलग अलग ट्रेनिंग हाल में कराया गया। प्रथम ट्रेनिंग हाल में प्रशिक्षण का कार्य मुख्य प्रशिक्षक अशोक कुमार, सहायक प्रशिक्षण

चन्द्रेशवर ओझा तथा दूसरे ट्रेनिंग हाल में प्रशिक्षण का कार्य मुख्य प्रशिक्षक राकेश कुमार और सहायक प्रशिक्षण संयुक्ता देवी ने किया जिसमें आरती पात्रो, गुरूवारी पान का विशेष सहयोग रहा। मुख्य प्रशिक्षक व सहायक प्रशिक्षकों ने मधुमक्खी पालन से संबंधित विभिन्न विषयों मुख्यतः पराग, रायल जेली इत्यादि विषयों को व्यवहारिक व प्रयोगात्मक रूप में अध्ययन कराया गया तथा विगत चौदह दिनों में पढ़ाये गये विशेषो का पुनः अध्ययन किया गया तथा कुछ सफल मधुपालक का परिचय व उनकी सफलता की कहानी बताया गया तथा इत्यादि विषयों को व्यवहारिक व प्रयोगात्मक रूप में अध्ययन कराया गया तथा प्रोजेक्टर लैपटॉप के द्वारा विभिन्न फोटो व वीडियो के माध्यम से आसान व विस्तृत रूप से भी सभी लाभुकों को समझाया गया तथा मधुमक्खी पालन करने को प्रेरित किया गया साथ ही साथ मानसिक व बौद्धिक विकास को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण के साथ-साथ मनोरंजन के लिए विभिन्न खेल भी कराया गया।

एनएसएस के साहसिक शिविर के लिए झारखंड की टीम मनाली रवाना

रांची। भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय की इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के साहसिक शिविर का आयोजन 10-19 नवंबर तक हिमाचल प्रदेश के मनाली स्थित अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनिंग में किया गया है। इस शिविर में झारखंड के 20 एनएसएस स्वयंसेवक (10 पुरुष व 10 महिला) के अलावा 2 एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ सौरभ शर्मा व डॉ भारती प्रसाद शामिल होंगे। सोमवार को झारखंड टीम ने रांची-पटना जनशताब्दी ट्रेन से गोमो के लिए प्रस्थान किया। वहीं, गोमो रेलवे स्टेशन से टीम मनाली के लिए रवाना हो गई। राज्य एनएसएस पदाधिकारी डॉ ब्रजेश कुमार ने बताया।

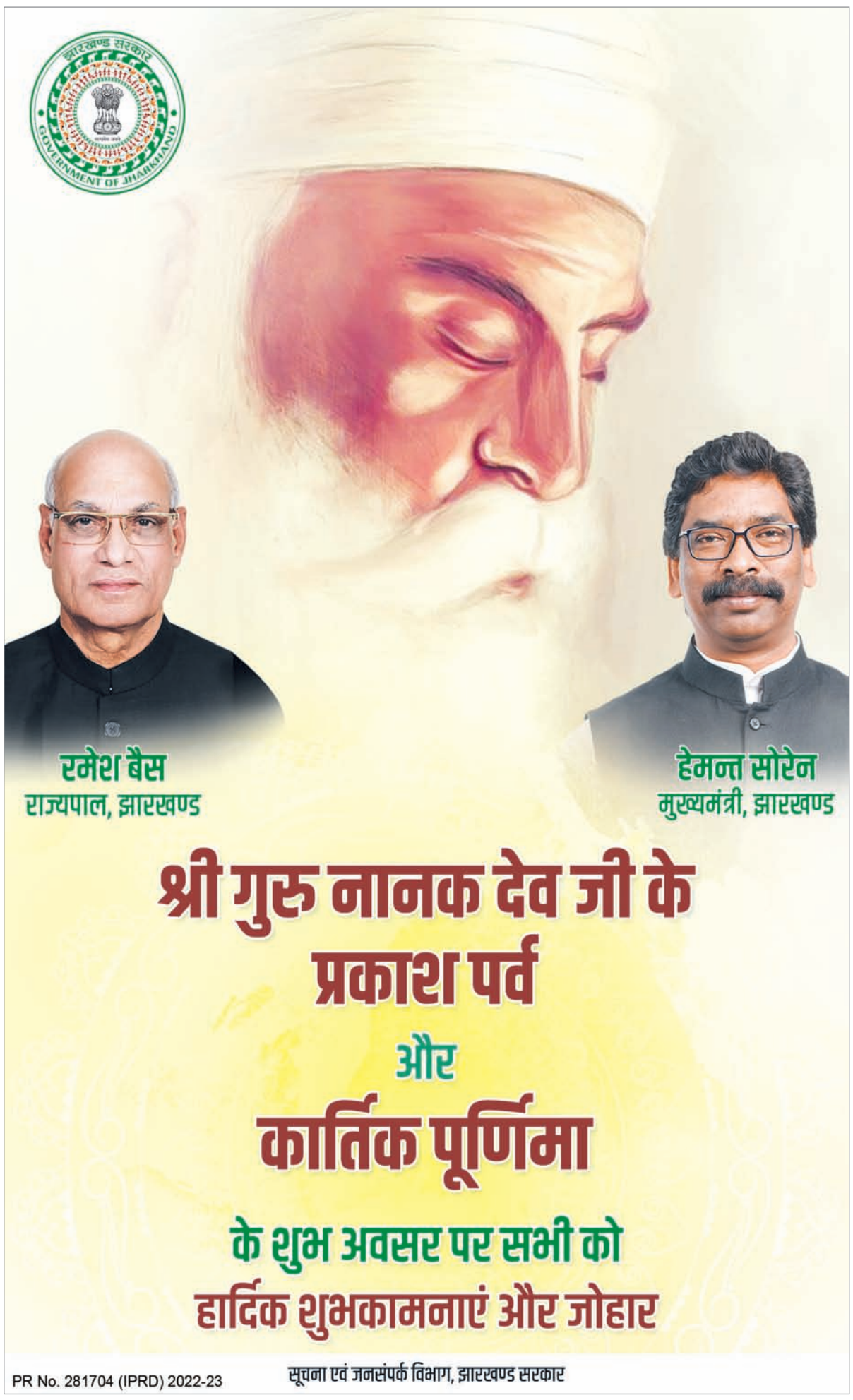

देश विदेश के साहित्यकारों का लगेगा महाकुंभ, 19-20 नवम्बर को अयोध्या में होगा जन रामायण काव्यार्चन

पूर्व संध्या पर 18 नवम्बर को जन कल्याण के लिए दीपदान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय साहित्य-कला संस्कृति संगम साहित्योदय के बैनर तले अयोध्या में आगामी 19-20 नवम्बर को श्री राम लला अंतरराष्ट्रीय साहित्योत्सव जन रामायण काव्यार्चन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की पूर्व संध्या पर सभी रचनाकार राम की पैड़ी में दीपदान कर आयोजन की सफलता और जन कल्याण हेतु कामना करेंगे। अयोध्या के जानकी महल में आयोजित जन रामायण उत्सव में दुनियाभर के कवि, लेखक, साहित्यकार और कलाकारों का विशाल जमावड़ा लगेगा। इस मौके पर विश्व के सबसे अनूठे साझा महाकाव्य जन रामायण सहित कई पुस्तकों का भव्य विमोचन, कवि सम्मेलन, विचार गोष्ठी, सम्मान समारोह और साहित्यिक पर्यटन होगा। दो दिवसीय साहित्य समागम में देश के कई लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार और कलाकार शामिल होंगे। जन रामायण महोत्सव के मुख्य अतिथि के रूप में प्रभु श्रीराम को स्थापित किया जाएगा जबकि अन्य सभी

विशिष्ट अतिथि के तौर पर मंचासीन रहेंगे। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को साहित्योदय रामरत्न सम्मान दिया जाएगा। आयोजन की अध्यक्षता प्रख्यात साहित्यकार डॉ बुद्धिनाथ मिश्र करेंगे। इस भव्य आयोजन की मुख्य आकर्षण पद्मश्री मालिनी अवस्थी और प्रख्यात टीवी कलाकार विजया भारती होंगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और स्थानीय विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और राजघराने से वरिष्ठ साहित्यकार यतींद्र मिश्र जी सहित रामजन्मभूमि न्यास और मंदिर के महंत को भी आमंत्रित किया गया है। 11 सत्रों में 111 नामचीन कवियों द्वारा प्रभु श्रीराम की चरणों में काव्यपुष्प समर्पित किया जाएगा। जिसमें प्रख्यात कवि डॉ बुद्धिनाथ मिश्र, पंडित अनित्य नारायण मिश्र, हरीश निर्मल, ऋचा पाठक, अजय अंजाम, अनुराधा पाण्डेय, डॉ अखिलेश मिश्र, डॉ शोभा त्रिपाठी, सरला शर्मा, वीणा शर्मा सागर, डॉ. कीर्तिवल्लभ सहित सैकड़ों रचनाकार काव्यपाठ करेंगे। आयोजन में शामिल होने के लिए राँची से डॉ रजनी शर्मा चन्दा, राकेश रमण, रेणु झा रेणुका, कविता रानी सिंह, राजश्रीराज, संतोष शर्मा, नीरज वर्मा और विश्वनाथ शर्मा सहित करीब 1 दर्जन लोग 17 नवम्बर को अयोध्या के लिए प्रस्थान करेंगे। साहित्योदय के संस्थापक अध्यक्ष कवि पंकज प्रियम ने बताया कि जन रामायण स्वयं में एक अनूठा साझा महाकाव्य है जिसमें विश्व के 121 रचनाकारों ने मिलकर सहज, सरल और सरस जनभाषा में लिखा है। इसको लेकर गत वर्ष 5-6 दिसम्बर को जन रामायण पर साढ़े 26 घण्टे का ऑनलाइन कवि सम्मेलन कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुका है। उन्होंने बताया कि साहित्योदय पिछले कई वर्षों से साहित्य कला और संस्कृति के प्रचार प्रसार में कार्य कर रहा है। कोरोना काल मे सबसे पहले और सर्वाधिक 3 हजार से अधिक ऑनलाइन कवि सम्मेलन/ काव्यपाठ/ सम्मान करवा चुका है। साहित्योदय प्रकाशन के तहत अबतक कई पुस्तकें छप चुकी है। आयोजन को सफल बनाने में संजय करुणेश, सुरेंद्र उपाध्याय, राकेश रमण, प्रियदर्शिनी पुष्पा, डॉ मनोरमा अंशु सहित पूरा साहित्योदय परिवार लगा हुआ है।

न्यूज गैलरी

खिंडा में आयोजित हुई आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम, शिविर में मिले 2470 आवेदन

कुरडेग। प्रखंड के खिंडा पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का विशेष शिविर लगाया गया। शिविर में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए कुल 2470 आवेदन प्राप्त किये गये। जिसमें सबसे अधिक मनरेगा योजना के लिए 934 आवेदन , सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना के लिए 413 आवेदन ,आवास के लिए 379 आवेदन एवं पशुधन योजना के लिए 200 आवेदन जमा हुए।इस दौरान 218 ग्रामीणों को कंबल दिया गया तथा फूलो झानो योजना के अन्तर्गत 40 महिलाओं के समूह को 4 लाख का चेक दिया गया।शिविर में जिप उपाध्यक्ष सोनी पैंकरा,जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जयसवाल,प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष वाल्टर टोप्पो,बीडीओ ज्ञानमनी एक्का,सीओ कृष्ण मुरारी तिर्की, बीईईओ अरूण कु पाण्डेय,मुखिया जगेश्वर प्रधान , पाकरडांड़ के जिप सदस्य जोसिमा खाखा, विधायक प्रतिनिधि गुड्डू खान आदि उपस्थित थे।

बेड़ो में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड कार्यालय परिसर में सोमवार को आपकी योजना- आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ डा प्रवीण कुमार, सीओ सुमंत तिर्की, सीडीपीओ नयाब जेबा, कृषि पदाधिकारी कलिंद्र साहू, बीपीओ संजय तिर्की, सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय, जिप सदस्य पार्वती भगत, पंचायत समिति सदस्य राखी भगत, मुखिया सुशांति भगत, उपमुखिया संतोष दास, पंसस विजय भगत व वार्ड सदस्यों ने दीप जलाकर किया। जहां पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार आपके घर तक पहुंची है। आम जनता को कल्याणकारी योजनाओं व विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए अपनी बात रखने का मंच दिया है जिसका लाभ ग्रामीण उठाएं। कार्यक्रम के दौरान तत्काल 9 लोगों को सर्वजन पेंशन की स्वीकृति दी गई। वही सावित्रीबाई फुले योजना के 19 बालिकाओं को स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया गया। दो महिलाओं का गोद भराई व बच्चों का मुहं जुट्ठी किया गया। बुजुर्ग महिला व पुरषों को कंबल दिया गया। मौके पर प्रखंड के सभी विभाग के पदाधिकारी कर्मी समेत स्थानीय लोग उपस्थित थे।

झामुमो प्रखंड अध्यक्ष की पहल पर दिव्यांग को मिला ट्राई साइकिल

भवनाथपुर। झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष सह पंसस भवनाथपुर चन्दन कुमार ठाकुर के पहल पर भवनाथपुर प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी जयपाल महतो ने अरसली दक्षणी निवासी लाल बिहारी चेरो को ट्राई साइकिल प्रदान किया। बताते चले कि प्रतिदिन की तरह झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष सह पंसस चन्दन अपने कार्य से प्रखण्ड कार्यालय परिसर पहुंचे थें तभी उनकी नजर दोनों पैर से दिव्यांग अरसली दक्षणी निवासी लालबीहारी चेरो पर पड़ी लालबिहारी के पास जाकर झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष ने लालबिहारि से प्रखण्ड कार्यालय आने का कारण पूछा एवं प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी जयपाल महतो से बात कर लालबिहारी चेरो को ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का आग्रह किया। जिस पर प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी जयपाल महतो ने तत्काल पहल करते हुए लालबिहारी को ट्राई साइकिल प्रदान किया। मौके पर आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिका रिंकी कुमारी मौजूद थी।

एसडीओ ने मुख्यमंत्री सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना को लेकर की बैठक, दिये आवश्यक दिशा निर्देश

श्री बंशीधर नगर। अनुमण्डल कार्यालय के सभागार में सोमवार को अनुमण्डल पदाधिकारी आलोक कुमार ने मुख्यमंत्री सावित्री बाई फुले किशोरी समवृद्धि योजना को लेकर सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, बीआरपी,सीआरपी व सभी प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया.बैठक में उन्होंने वर्ग 8 से 12 में पढ़ने वाले सभी छात्राओं का सावित्री बाई फुले किशोरी समवृद्धि योजना का शत प्रतिशत आवेदन प्राप्त कर ऑन लाइन करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी बीडीओ को अब तक प्राप्त सभी आवेदन पत्र के ऑन लाइन किये जाने की सूची सभी संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि त्रुटिपूर्ण व अस्वीकृत किये गये आवेदन पत्रों का त्रुटि निराकरण हेतु सम्बंधित प्रधानाध्यापक को उपलब्ध करावें व निराकरण के उपरांत सभी आवेदन पत्रों को ऑन लाइन करना सुनिश्चित करेंगे .,बैठक में अनुमण्डल अंतर्गत वर्ग 8 से 12 तक के सभी प्रधानाध्यापक, सभी प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, बीडीओ नगर उंटारी श्रवण राम तथा धुरकी, सगमा व भवनाथपुर के बीडीओ, बीआरपी,सीआरपी उपस्थित थे।

बीएलओ के साथ बीडीओ ने की बैठक, दिए कई दिशा निर्देश

गिद्धौर(चतरा)। प्रखंड कार्यालय सभागार में बीडीओ संजीत कुमार सिंह ने सोमवार को बीएलओ के साथ बैठक की। इस दौरान बीएलओ को बीडीओ ने 9 नवम्बर को सभी बूथ पर मतदाता सूची का प्रकाशन मतदाताओं के बीच करने तथा प्रत्येक बूथ पर 12, 13, 19 व 20 नवम्बर को विशेष शिविर लगाकर मतदाता सूची में छुटे मतदाताओं व 1 जनवरी 2023 तक 18 वर्ष अहर्ता रखने वाले मतदाता को मतदाता सूची में जोड़ने का निर्देश दिया। साथ ही 9 नवम्बर से 8 दिसम्बर तक बूथ पर विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यकरने की बात कही। बैठक में जीपीएस मिथलेश कुमार सिंह सहित अन्य बीएलओ शामिल थे।

जन वितरण प्रणाली दुकानदार संघ की बैठक, बोले महासचिव

राशन डीलरों का दर्द कब समझेगी सरकार

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। झारखंड राज्य लक्षित जन वितरण प्रणाली दुकानदार संघ ने जन वितरण प्रणाली दुकानदारों पर हो रहे शोषण तथा अत्याचार को देखते हुए 7 नवंबर को प्रांतीय महासचिव नृपेंद्र कृष्ण महतो के नेतृतव में प्रभात तारा मैदान धुर्वा रांची में एक बैठक कर कुछ बिंदुओं पर बात की गई। सभी डीलरों का कहना है कि जब राशन ऑनलाइन वितरण किया जा रहा है तो फिर डीलरों को राशन बांटते समय रजिस्टर में रिकॉर्ड रखना क्यों जरूरी है। बैठक में 60 वर्ष के बाद अनुकंपा बंद करने पर भी रोष व्यक्त किया गया। साथ ही विभाग डीलरों को सहसमय राशन उपलब्ध नहीं कराती है और जल्द से जल्द राशन वितरण करने का दबाव बनाती है, हर छोटी-छोटी बातों पर विभाग के द्वारा राशन डीलरों को शोकॉज भेजा जाता है, जिसे दुकानदार संघ बंद करने की बात कही। साथ ही संघ में इस बात पर भी जोर दिया गया

- डीलर की मृत्यु होने पर आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की मांग
- कोरोना से मृतक डीलर के परिवारों को नहीं दी गयी किसी प्रकार की सहायता: महतो

की केंद्र सरकार के नियम अनुसार डीलरों को कम से कम 40,000 हजार रुपये मानदेय प्रतिमाह दिया जाए। अभी जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को प्रति

राशन वितरण के बाद भी नहीं मिला कमीशन

बैठक में यह भी बात कही गई की प्रधानमंत्री गरीब अन्य योजना के तहत डीलरों के द्वारा राशन वितरण करने के बावजूद विगत 1 वर्ष से उन्हें इसका कमीशन नहीं दिया गया है। अभी विभाग से राशन डीलरों को आदेश दिया गया है की जून जुलाई-अगस्त सितंबर अक्टूबर के राशन वितरण करने के लिए 4 नवंबर से 12 नवंबर तक का समय दिया गया, जबकि बहुत सारे डीलरों को राशन भी उपलब्ध नहीं कराया गया है। डीलरों ने कहा कि माह जून और जुलाई के प्रधानमंत्री योजना के अंतर्गत राशन पहले ही विभाग के द्वारा काट कर दिया गया था और पुनः जून जुलाई-अगस्त सितंबर और अक्टूबर का राशन वितरण करने का निर्देश दिया गया है।

किलो/लीटर एक रुपया कमीशन दिया जाता है, जिसमें मोटीया, चालक और दुकान का भाड़ा इत्यादि खर्च हर महीने राशन डीलरों को भुगतान करना पड़ता है। वही कोविड-19 के समय राशन डीलरों ने सबसे आगे आकर लोगों की सेवा की थी। जिसमें कई राशन डीलरों की कोरोना की चपेट में आने से मृत्यु हो गई थी। परंतु ना तो उनके आश्रितों को कुछ मुआवजा मिला ना ही किसी प्रकार की सहायता। इसीलिए ऐसी परिस्थिति की पुनरावृति ना हो और राशन डीलरों के स्वजनों को फिर से वैसी परिस्थिति का सामना ना करना पड़े इसके लिए डीलरों के द्वारा यह मांग रखी गई कि अगर डीलर की मृत्यु हो जाती है तो उनके आश्रितों को एक सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए।

जामटोली पहाड़ पर कार्तिक पूर्णिमा मेला महोत्सव पर अखंड हरिकीर्तन आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सोमवार को प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली पहाड़ स्थित शिव मंदिर का 15वां वर्षगांठ समारोह सह मेला महोत्सव का आयोजन किया गया। जहां प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी देवा दी देव महादेव बाबा भोलेनाथ की विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर 24 घंटा का अखंड हरिकीर्तन एवं भंडारा का आयोजन किया गया। शिव पूजन पंडित राजा पाठक के द्वारा एवं मुख्य यजमान धनंजय महतो, संदीप प्रमाणिक चिंतामणि देवी एवं महावीर गोप के द्वारा वैदिक मंत्रोचार के बीच भगवान शिव की पूजा संपन्न कर केंद्रीय कीर्तन समिति के मार्गदर्शन में अखंड हरिकीर्तन का शुभारंभ किया गया जिसमें कीर्तन मंडली में भाग लेने वाले गांव में हरिहरपुर जामटोली, हुटरी, कुरकुरा मंदरो, चोरया, गुड़गुड़ जाड़ी, चीगरी,करकट, करगे, कोकर, सोंस महिला कीर्तन मंडली, लुरंगी समेत कई टीम भाग ले रहें हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिव मंदिर निर्माण एवं कार्तिक पूर्णिमा मेला समिति के अध्यक्ष मुकेश गोप, सचिव चरवा उरांव, कोषाध्यक्ष महावीर गोप, उपाध्यक्ष धनंजय महतो, संदीप प्रमाणिक, उपसचिव पिताम्बर गोप, संजय प्रमाणिक, आकाश गोप, संरक्षक-जयराम प्रेमी, दुर्गा महतो, सोमरा लोहरा, सोमरा महतो, सुरेन्द्र गोप, विशेश्वर हजाम, सक्रिय सदस्य- दीपक महतो, श्यामल गोप,रोहित गोप, संजय गोप, राजकिशोर लोहरा, शिवनारायण लोहरा, रमेश गोप, रामवृत गोप, शंकर गोप, अभिषेक उरांव, विशाल उरांव, संदीप महतो समेत कई का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सेन्हा में आयोजित सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में लोगों ने दिया आवेदन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा/सेन्हा। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन आज जिला के सेन्हा प्रखण्ड के झालजमीरा पंचायत के प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय, गगेया में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आज झालजमीरा पंचायत में मनरेगा की कुल 45 योजनाओं का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों व उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इस मौके पर 02 लाभुकों को आयुष्मान कार्ड, 05 लाभुकों को फुलो-झानो आशीर्वाद अभियान अंतर्गत कुल 50 हजार रुपये का चेक, जेएसएलपीएस की पांच महिला मंडलों को कुल 2.5 लाख रुपये का ऋण और 19 किशोरियों को सावित्रबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ दिया गया। जरूरतमंदों के बीच कम्बल का भी वितरण किया गया। जिला जनसंपर्क कार्यालय लोहरदगा के द्वारा सूचीबद्ध

कला दल झारखंड का नवा मंजर के कलाकारों द्वारा नुक्कड़-नाटक के जरिये जनजागरूकता का कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी पलटू महतो, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अशोक चोपड़ा, अंचल अधिकारी विजय कुमार, जनप्रतिनिधि के रूप में जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया समेत अन्य उपस्थित थे।

सीएम हेमंत ने दूसरी बार चुनाव आयोग को भेजा पत्र, कहा

राजभवन का पक्ष सुने बिना दूसरा मंतव्य न दें

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हेमंत सरकार का राजभवन के साथ रिश्तों में खटास है, यह बात अब किसी से छुपी नहीं है। लगता है मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को राज्यपाल के इरादों पर भी शक है। इसी वजह से खुद के नाम माइनिंग लीज और विधानसभा की अपनी सदस्यता के मसले पर उन्होंने चुनाव आयोग को दूसरी बार पत्र लिखा है। मकसद यह कि बिना मेरा पक्ष सुने आयोग दूसरी राय न दे। झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य के अनुसार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अधिवक्ता वैभव तोमर ने भारत निर्वाचन आयोग को फिर पत्र भेजकर राज्यपाल द्वारा आयोग से मांगे गये दूसरे मंतव्य के पत्र की

कॉपी उपलब्ध कराने की मांग की है। अधिवक्ता ने पत्र में झारखंड के राज्यपाल द्वारा इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को 27 अक्टूबर के दिन छत्तीसगढ़ के रायपुर में दिये बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग से उपरोक्त मामले में दुबारा मंतव्य मांगा है, दिया था। अधिवक्ता ने पत्र में यह भी लिखा है कि उनके मुवक्किल को निर्वाचन आयोग से इस बारे में कोई जानकरी नहीं मिली है। साथ ही अधिवक्ता ने लिखा है कि भारत के संविधान के अंतर्गत गठित निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संस्थान है और उनके मुवक्किल की बात को निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से सुने बिना राज्यपाल द्वारा आयोग से मांगे गये दूसरे मंतव्य पर राय न दें। इसके पहले भी हेमंत के अधिवक्ता चुनाव आयोग से, यूपीए के सदस्य राज्यपाल से, खुद हेमंत सोरेन राज्यपाल से मिलकर और आरटीआई के माध्यम से चुनाव आयोग के मंतव्य की मांग की जा चुकी है।

फर्जी रुप से पीडीएस दुकान चलाने का ग्रामीणों का आरोप

पत्थलगड़ा(चतरा)। प्रखंड अंतर्गत मेराल पंचायत के खैरा गांव में फर्जी रुप से दुसरे के नाम का पीडीएस दुकान चलाने का आरोप ग्रामीणों ने खैरा निवासी सहदेव यादव पर लगाया है। इस मामले में ग्रामीणों द्वारा बीडीओ सह एमओ मोनी कुमारी को लिखित आवेदन देकर जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। दिए गए आवेदन में बताया गया है कि खैरा में जन वितरण प्रणाली नागेश्वर गोप के नाम पर है, जिसे खैरा के ही सहदेव यादव पिता चुरामण यादव के द्वारा विगत कई सालों से चलाया जा रहा है। साथ ही खाद्यान्न वितरण के दौरान हमेशा ग्रामीणों के साथ दुर्व्यवहार करने के साथ सामग्री में हमेशा कटौती करने का अरोप लगया गया है। ग्रामीणों ने बीडीओ से जांच कर करवाई करते हुए जिसके नाम से दुकान है, उसी के माध्यम से संचालन कराने की मांग की है।

अब शराब पीकर वाहन चलाने पर होगा जुर्माना, निलंबित होगा लाइसेंस: डीटीओ

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। शराब का सेवन कर गाड़ी चलाने वालों की अब खैर नहीं । शासन का डंडा अब ऐसे लोगों पर जमकर बरसने वाला है। राष्ट्रीय नवीन मेल में छपी खबर पर संज्ञान लेते हुए डीटीओ ओमप्रकाश यादव ने चालकों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा है कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर परिवहन विभाग अब कार्यवाही करेगी। उनपर मोटर वाहन अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत जुमार्ना सहित उनका लाइसेंस भी निलबिंत किया जाएगा।जानकारी देते हुए डीटीओ ओमप्रकाश यादव ने बताया कि तेज रफ्तार गाड़ी चलाने, खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने, ट्रैफिक नियम को तोड़ने, शराब के नशे में वाहन चलाने, गाड़ी चलाते हुए मोबाइल पर बात करने और हेलमट

नहीं पहनना अब आपके लिए अच्छा नहीं होगा। ऐसा करने पर मौके पर ही जुमार्ना कर ड्राइविंग लाइसेंस निरस?त कर दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष रुप से ध्यान दे रहा है।समय समय पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। इसके लिए विभाग की एक अन्य शाखा लीड एजेंसी को विशेष जिम्मेदारी दे रखी है कि लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि लोगों को नियमों का पालन करना चाहिए।बताते चलें कि जिले में हो रही सड़क दुर्घटनाओं में मरनेवालों और घायल होने वालों की संख्या की पड़ताल करें तो इसके पीछे नशा सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है। इसके बाद अनफिट वाहनों की भरमार, ओवरलोडिग, जुगाड़ के वाहन, तेज रफ्तार और खराब सड़क भी दुर्घटना और मौत के वाहक बने हैं। ट्रकों और ट्रेलर जैसे बड़े वाहनों की तेज रफ्तार और कई मामले में सड़क के किनारे बेतरतीब तरीके से खड़ा कर उसे छोड़ दिए जाने से भी दुर्घटनाएं बढ़ी हैं।

ओरमांझी में सांसद ने कई विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

ओरमांझी । सांसद निधि से बनने वाले 8 योजनाओ का शिलान्यास सोमवार को राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के द्वारा किया गया। प्रखंड के 8 जगहों पर राज्य सभा सांसद आदित्य साहु के मद से बनने वाले जिन योजनाओं का शिलान्यास किया उसमे मुख्य रूप सेओरमांझी बाजार टाड में मंच शेड का निर्माण, आरटीसी महाविद्यालय दडदाग में भवन का निर्माण, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुल्ही के बगल में भवन का निर्माण, सरनाटोली में फेवर ब्लॉक सड़क का निर्माण, ग्राम पांचा में भवन का निर्माण, स्वर्ण रेखा पब्लिक स्कूल गुडू में भवन का निर्माण , ग्राम चेतनबारी में पीसीसी पथ का निर्माण, ग्राम बनलोटवा में पीसीसी का निर्माण

का शिलान्यास किया गया।

इसके साथ ही लोकसभा सांसद संजय सेठ के मद से बनने वाले सामुदायिक भवन का शिलान्यास बनलोटवा में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से राज्य सभा सांसद आदित्य साहु, लोक सभा सांसद संजय सेठ, पुर्व सांसद रामटहल चौधरी, प्रदेश उाध्यक्ष किसान मोर्चा अमरनाथ चौधरी, भाजपा रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष सुरेंद्र महतो उपध्यक्ष मानकी राजेन्द्र साही आदि मौजूद थे।

केंद्र सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ जदयू का प्रदर्शन

जमशेदपुर। जनता दल यूनाइटेड पूर्वी सिंहभूम द्वारा जिले के उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर केंद्र सरकार की नीतियों को गलत करार देते हुए अपनी मांगों से संबंधित 7 सूत्री मांग पत्र उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति को सौंपा गया। जानकारी देते हुए जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष विश्राम प्रसाद ने बताया कि महंगाई अपने चरम सीमा पर है खाद्य सामाग्री से लेकर हर वस्तुओं के दाम में बढ़ोतरी हो रही है, पूरे देश में वर्तमान समय में महिलाओं पर अत्याचार बढ़ता जा रहा है । आज महिलाएं अपने आप को देश में असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने बताया कि सामाजिक विद्वेष फैलता जा रहा है सरकारी संपत्तियों का निजीकरण हो रहा है, पंचायत व नगर निकाय चुनाव में आरक्षण के समापन की नीति अपनाई जा रही है ।

विद्या मंदिर स्कूल में प्रांतीय खेलकूद संबंधी व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित

अपने दायित्वों का निर्वाह करना आवश्यक: सचिव

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा में विद्या विकास समिति झारखंड के प्रांतीय सचिव अजय कुमार तिवारी जी की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी गण, सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर, शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर एवं मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के सभी आचार्य - बंधु भगिनी के साथ प्रांतीय खेलकूद की सफल व्यवस्था हेतु एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई। बैठक का प्रारंभ अतिथि परिचय एवं विषय की प्रस्तावना के साथ किया गया। इस मौके पर प्रांतीय सचिव श्री अजय कुमार तिवारी जी ने उपस्थित आचार्य एवं आचार्या को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक मनोयोग ,मन वचन

एवं कर्म के साथ पूर्ण सहयोग है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था के निमित्त दिए गए दायित्व में हमेशा हमारी उपस्थिति क्रमांक एक में होनी चाहिए। हर बालक- बालिका राम और सीता के रूप होते हैं। इस कार्यक्रम में कई सौ राम और सीता के रूप आने वाले हैं। उन्हें हमारे द्वारा वात्सल्य प्रेम प्राप्त हो ,इसका अवश्य ध्यान होना चाहिए। बैठक में प्रबंध कारिणी समिति के उपाध्यक्ष विनोद राय, सचिव अजय प्रसाद, सह सचिव अश्विनी कुमार साहू, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख सुरेश मंडल, प्रांतीय खेलकूद प्रमुख गौरी शंकर सिंह, सह प्रांतीय खेल प्रमुख कुणाल कुमार, शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास, मनोहर लाल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य उत्तम मुखर्जी, शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडे, कृष्णा प्रसाद, पुष्कर महतो, जीतराम बड़ाइक, शोभा देवी, जो धन सिंह, महेंद्र कुमार मिश्र, यशोदा कुमारी एवं तीनों विद्यालयों के आचार्य -आचार्या उपस्थित थे ।

अखिल भारतीय रौतिया समाज के केंद्रीय अध्यक्ष ने चाटुओड़ा गांव का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

बानो। अखिल भारतीय रौतिया समाज विकास परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष लालदेव सिंह और समाज के प्रदेश अध्यक्ष रोहित कुमार सिंह ने बानो प्रखण्ड के चाटुओड़ा गांव का दौरा किया। पीड़ित परिवार से मिलकर मामले की जानकारी ली तथा सांत्वना प्रकट किया। पीड़ित परिवार के परिजनों ने 31 अक्टूबर की घटनाओं की विस्तार पुर्वक जानकारी दी। मालूम हो कि 31 अक्टूबर को होलिका कुमारी की संदेहास्पद मौत इलाज के समय हो गई। परिजनों ने अपहरण, दुष्कर्म तथा लवजिहाद का मामला की प्राथमिकी कोलेबिरा थाना में दर्ज कराया है। केंद्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप से कहा कि मामले की गम्भीरता रूप से जांच किया जाएगा साथ ही जब तक आरोपी पर सजा नहीं किया जाएगा तब तक प्रोटेस्ट जारी रहेगा। उन्होंने

कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से दो महीने के अंदर ही जल्द से जल्द आरोपी को सजा दिलाने का प्रशाशन पर दबाव बनाया जाएगा। साथ ही रक्ळ गठन कर निष्पक्ष जांच करने की भी मांग किया गया। प्रतिनिधिमंडल में अमीन सिंह, गुरुदत्त सिंह, पूर्व बीजेपी जिला अध्यक्ष संजय ठाकुर, राजेश सिंह, उमा शंकर सिंह, गणेश सिंह, लालमोहन सिंह, रामकुमार सिंह, अटल सिंह, रणजीत सिंह, हरीश सिंह सहित काफी संख्या में अन्य समाज के लोग उपस्थित थे।

प्रकाश पर्व पर शहर में निकाली गयी भव्य विशाल शोभायात्रा

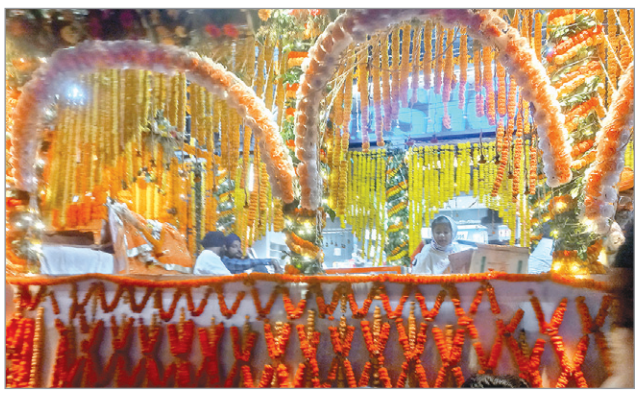

पवन कुमार सिंह

रामगढ़। सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरुनानक देव जी के 553वें प्रकाश उत्सव के शुभ अवसर पर 7 नवंबर को बिजुलिया स्थित स्व. गुरदित्त सिंह के आवास से 3:00 बजे विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरुनानक देव जी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा के दिन सन 1469 ई में रावी नदी के तट पर स्थित तलवंडी (ननकाना साहिब) में हुआ था। वे एक साथ दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म सुधारक, कवि के गुणों से परिपूर्ण थे। उन्हीं के 553वें प्रकाश उत्सव पर 7 नवंबर को शहर में विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा में सिख समाज के अलावे दूसरे समुदाय के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। शोभा यात्रा बिलुलिया स्थित स्व. गुरदित्त सिंह के आवास से दोपहर 3:00 बजे आरंभ हुई। जो शहर के पुराना बस स्टैंड, लोहार टोला, चट्टी बाजार, थाना चौक, सुभाष चौक होते हुए रात्रि लगभग 8:00 बजे श्री गुरूद्वारा साहिब पहुंचकर संपन्न हुई।

सुसज्जित वाहन पर विराजमान थे श्री गुरूग्रंथ साहिब : शोभा यात्रा के दौरान श्री गुरूग्रंथ साहिब को एक सुसज्जित वाहन पर विराजमान किया गया था। जिस वाहन पर श्री गुरूग्रंथ साहिब विराजमान थे, उसे बहुत ही आकर्षक तरीके से फूलों से सजाया गया था।

शोभा यात्रा का भव्य था स्वरूप : शोभा यात्रा में सबसे आगे घुडसवार दस्ता, मिल्ट्री बैंड पार्टी, पारंपरिक वेशभूषा में पंज प्यारे कुलवीर सिंह छाबड़ा, गुरप्रीत सिंह कालरा, सनप्रीत सिंह चंडोक, गुनीत सिंह छाबड़ा, सतप्रीत सिंह छाबड़ा शामिल थे। साथ ही निशान साहिब के साथ समाज की बच्चियां एवं बच्चे शोभा यात्रा को भव्य स्वरूप प्रदान कर रहे थे।

श्री गुरुनानक स्कूल बच्चे शोभा यात्रा में कतारबद्ध होकर चल रहे थे : श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल के बच्चे शोभा यात्रा में शामिल थे। जो पूरी तरह से व्यवस्थत एवं कतारबद्ध होकर चल रहे थे।

तोरण द्वारों का किया गया था निर्माण : श्री गुरुनानक देव जी के प्रकाश उत्सव पर निकली शोभा यात्रा के स्वागत के लिए शहर के प्रमुख स्थानों एवं प्रमुख मार्गों पर तोरण द्वारों का निर्माण करवाया गया था।

साथ चल रहा था कीर्तिन जत्था : शोभा यात्रा के साथ कीर्तन जत्था चल रहा था। जिसमें विक्की छाबड़ा गुरूजी के कीर्तन गाते चल रहे थे।

निशाने खालसा गतका पार्टी अमृतसर के कर्तब देख हुए लोग अचंभित : शोभा यात्रा में निशाने खालसा गतका पार्टी अमृतसर का जत्था शामिल था। जत्थे ने पारंपरित युद्ध कौशल का ऐसा नमूना पेश किया जिसे देख लोग अचंभे में पड़ गये।

एलईडी स्क्रीन के साथ निकली शोभा यात्रा : शोभा यात्रा के साथ एक विशाल एलईडी स्क्रीन चल रही थी। जिससे शोभा यात्रा काफ ी आकर्षक प्रतीत हो रही थी।

विभिन्न संगठनों ने शोभा यात्रा में शामिल लोगों का उत्साह के साथ किया स्वागत : शोभा यात्रा के नगर भ्रमण के दौरान माता वैष्णो देवी मंदिर ट्रस्ट फौजी पंजाबी ढाबा, श्री श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर समिति सहित कई सामाजिक संगठनों साध संगत का विस्किट, चना, फल एवं मिठाई देकर स्वागत किया।

प्रधान ने दिया धन्यवाद : गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा रामगढ़ के प्रधान सरदार परमदीप सिंह कालरा ने श्री गुरुनानक देव जी के प्रकाश उत्सव को लेकर आयोजित कार्यक्रमों विशेष तौर पर प्रभात फेरी एवं शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में शमिल होने के लिए नौजवानों, युवतियों, विभिन्न परिवार के लोगों को साध संगत के लिए अपने आवास पर चाय नाश्ता देने के लिए, सामाजिक संगठनों का शोभा यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए एवं मीडिया द्वारा कार्यक्रमों को विशेष कवरेज देने के लिए धन्यवाद दिया।

आज सजेगा मुख्य दीवान : श्री गुरुनानक देव जी के 553वें प्रकाश उत्सव पर 8 नवंबर को श्री गुरूद्वारा साहिब में विशेष दीवान सजेगा। इस क्रम में रागी जत्थों द्वारा गुरुवाणी का गायन कर साध संगत को निहाल किया जाएगा।

शोभा यात्रा में हुए शामिल : शोभा यात्रा में रामगढ़ गुरुद्वारा के प्रधान सरदार परमदीप सिंह कालरा, मित प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, मीडिया इंचार्ज करमजीत सिंह जग्गी, तेजिंदर सिंह सोनी, जोगिंदर सिंह जग्गी, बलजीत सिंह बेदी, देवेंद्र सिंह अरोरा, इंद्रजीत सिंह कोहली, नरेंद्र पाल, यश छाबड़ा, गुरप्रीत चाना, जितेंद्र सिंह पवार, गुरप्रीत सलूजा, राजू जस्सल, सुरेंदर सिंह बेदी, इकबाल सिंह,रघुवीर होरा, इन्दपाल सिंह सैनी, जगजीत सिंह सोनी, हरजीत सिंह छाबड़ा, विंकल कालरा, रंजीत सिंह छाबड़ा, देवेंद्र सिंह सोनी, हरदीप होरा, रमन कोहली, नवल मल्होत्रा, राजू जस्सल, हरिंदर छाबड़ा, बन्नी गांधी, अमरपाल आनंद, स्नेहा गांधी, रघुवीर सिंह छाबड़ा, प्रीतम सिंह कालरा, डॉक्टर नरेंद्र सिंह सोनी, टोनी गांधी रौनक, सुरजीत सिंह छाबड़ा,जसकीरत सिंह भाटिया, गुरु नानक स्कूल के चेयरमैन हरपाल सिंह अरोड़ा, वाइस चेयरमैन कुलजीत सिंह कालरा, परमिंदर जस्सल, डिप्टी चेयरमैन मनमोहन सिंह लांबा, बंटी चमन, सतपाल होरा, हरजाप सिंह गांधी, भूपेंद्र सिंह चंडोक, रविंद्र सिंह छाबड़ा, राजू कालरा, इंद्रजीत कौर कोचर, रिक्की लांबा, विक्की लांबा, लवली गांधी, डॉ मनवीर कौर सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

न्यूज गैलरी

प्रशिक्षुओं ने किया पोटमदगा गांव का शैक्षणिक सर्वे

रामगढ़। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के बीएड प्रशिक्षुओं द्वारा रविवार को दुलमी प्रखंड अंतर्गत पोटमदगा गांव का शैक्षिक सर्वे किया गया। पाठ्यक्रम में शामिल इस सर्वे के दौरान प्रशिक्षुओं ने गांव का शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक स्थिति का सर्वेक्षण किया। विभागाध्यक्ष डॉ.अंजू तिवारी एवं व्याख्याताओं के मार्गदर्शन में प्रशिक्षुओं ने प्रश्नावली के माध्यम से विभिन्न समूहों में बंटकर कार्य को संपन्न किया। मौके पर विभागाध्यक्ष ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सर्वे करना अनुसंधान प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण कार्य है। इस प्रक्रिया के माध्यम से विद्यार्थी-शिक्षक, शिक्षा से जुड़े किसी घटक या शैक्षिक समस्या का सर्वे कर उसका विश्लेषणात्मक प्रस्तुतीकरण दे सकते हैं तथा अपने उपयोगी एवं महत्वपूर्ण सुझावों को सूचीबद्ध कर सकते हैं। राधा गोविन्द शिक्षा स्वास्थ्य ट्रस्ट की सचिव सह कुशल समाजसेविका प्रियंका कुमारी ने मुखिया रंजू देवी से मिलकर गांव की परिस्थितियों का जायजा लिया एवं सर्वे में दिए गए उनके सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षा विभाग के सभी व्याख्याताओं ने अपनी भूमिका अदा की।

कलान्द्रीया एसोसिएशन ट्रस्ट ने लंगर का किया आयोजन

कोडरमा। हजरत सैयद गौस ए आजम (र) के उर्स मुबारक के मौके पर कलान्द्रीया एसोसिएशन ट्रस्ट, कोडरमा के द्वारा सोमवार को लंगरखाने की जमीन पर करीब चार सौ लोगों को लंगर खिलाया व बांटा गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष हाजी आफताब ने बताया कि ईद ए गौसिया के मौके पर हजरत सैयद शाह कलन्दर रहमतुल्लाह अलैह के निगाहे करम से जाकिर ए मजलिस में फातेहा गौसिया के बाद सलात वो सलाम पढ़े गये और मुल्क की तरक्की अमन शांति भाईचारे की दुआ की गई। वहीं ट्रस्ट के सदस्यों के द्वारा लंगर बना कर मदरसा के बच्चों व स्थानीय लोगों को बहुत इज्जत मान सम्मान के साथ बिठा कर खिलाया गया और जरूरतमंदों के बीच लंगर बांटे गये। लंगर कार्यक्रम को कामयाब बनाने में मो ग्यास, ट्रस्ट के सचिव मो सकीब, शाहबाज प्रिंस, आईयाज छोटू, मो बलिस्टर, तहसीन, दानिश, प्रवेज आलम, रियाजउद्दीन, फैज खान, ऐयाज जुमन, सलीम अंसारी, श्याम उद्दीन, फैयाज, आलम, मंसूर वारसी, मो इरशाद, इस्लाम, नौशाद, मुजम्मिल सहित अन्य सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई और लंगर कार्यक्रम को कामयाब बनाया।

लंपी ने अब तक ले चुकी है कई पशुओं की जान, पशु पालक परेशान

बरही। प्रखंड के गौरियाकरमा के पशुपालक इन दिनों लंपी बीमारियों से परेशान हैं। बितकीला निवासी पशुपालक सह वार्ड सदस्य विनोद यादव ने बताया कि लंपी से अब तक उनके गांव के कई गायों की मृत्यु हो चुकी है। लंपी का लक्षण बताते हुए उन्होंने बताया कि गायों में सर्वप्रथम फोड़ा जैसा देखने को मिलता है जो कुछ ही दिनों में घाव के रूप में परिवर्तित हो जाता है। यह घाव जानवर के शरीर में धीरे-धीरे फैलने लगता है। जिससे जानवर चलने फिरने और खाने में असमर्थ हो जाते हैं और जानवर की मृत्यु हो जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में पशु चिकित्सा पदाधिकारी को भी खबर किया जा चुका है। परंतु बीमारियों पर नियंत्रण नही हो सका है। इससे उनके गांव के कई पशुपालक परेशान है। उन्होंने संबधित पदाधिकारियों एवं वरीय पशु चिकित्सकों से इस संबंध में शीघ्र सटीक ईलाज व दवा की व्यवस्था करवाने की मांग की है।

रसोईया धमना में प्रारंभ हुआ गेहूं बीज वितरण केंद्र

90 प्रतिशत अनुदान पर बीज होगा उपलब्ध

नवीन मेल संवाददाता

बरही। प्रखंड के रसोईया धमना पंचायत में विधायक उमाशंकर अकेला यादव ने गेहूं बीज वितरण केंद्र का उद्घाटन किया। मौके पर उन्होंने कई राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के तहत 90% अनुदान पर किसानों को बीज भी उपलब्ध करवाया। लोगों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राज्य को विकास के पद पर ले जाने के लिए संकल्पित है। जनता को इन योजनाओं की जानकारी लेकर लाभ लेने की आवश्यकता है। मौके पर प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, जिप सदस्य प्रीति कुमारी, विस विधायक प्रतिनिधि छठु गोप, प्रखंड विधायक प्रतिनिधि सुनील साहू, स्थानीय मुखिया गोविंद साहू, स्थानीय पंसस मो तैयब, बरही पश्चिमी पंसस जीतू ठाकुर, रघु गोप, अशोक सिंह आदि सहित कई लोग उपस्थित थे।

जंगल से युवक धरम राय का शव बरामद

सतगावां। थाना क्षेत्र के राजावर पंचायत के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र हडोलवा जंगल से सोमवार को ग्रामीणों की सूचना पर सतगावां पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया। बताया जाता है कि युवक का शव दुर्गंध अवस्था में हडोलवा गांव से 3 किलोमीटर अंदर जंगल के एक खाई के पास पाया गया। इस मामले के पूर्व हडोलवा निवासी शकुंतला देवी पति धरम राय ने 2 अक्टूबर से अपने पति धरम राय उर्फ चमरू राय उम्र 33 वर्ष पिता सुदेश राय को गायब होने की सूचना सतगावां पुलिस को मौखिक रूप से दी गई थी। शकुंतला देवी ने सतगावां थाना को अपने पति घर से जंगल की ओर मवेशी चराने गए फिर घर नहीं लौट आने की लिखित सूचना दी थी। सोमवार को अचानक ग्रामीणों ने उसकी खोज के लिए निकले तो गांव से 3 किलोमीटर अंदर घना जंगल में उसका शव बदबूदार स्थिति में देखा और लौट कर इसकी सूचना सभी गांव वाले को दी। इधर घरवाले व ग्रामीणों ने सोमवार को ही इसकी सूचना सतगावां पुलिस को दी। सूचना पाकर सतगावां पुलिस व जैप के जवान व दर्जनों ग्रामीणों के साथ उक्त स्थल पर पहुंचकर शव को ग्रामीणों के द्वारा किसी तरह कपड़े बांधकर जंगल से गांव लाया और शव को पुलिस अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेजा गया।

11 नवम्बर को भाजपाई निकालेंगे जनाक्रोश रैली व सभा सत्ताधारियों की खुलेगी पोल

नवीन मेल संवाददाता

बरही। आगामी 11 नवंबर को भाजपा के प्रस्तावित राज्यस्तरीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव के आवास पर बरही भाजपाइयों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिसमे मुख्य रूप से पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव एवं प्रभारी भैया अभिमन्यु प्रसाद शामिल हुए। बैठक में उपस्थित भाजपाइयों ने भूख व भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रस्तावित धरना प्रदर्शन का समर्थन करते हुए भाजपा कार्यालय से प्रखंड तक जनक्रो रैली एवं प्रखंड मुख्यालय में जनप्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं का हौसलावर्द्धन करते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि बरही विधानसभा सहित राज्य के प्रखंड व अंचल कार्यालयों में भ्रष्टाचार चरम पर है। लाल फीताशाही हावी है। गरीबों

को मिलने वाले खाद्य अनाज विचौलियों के माध्यम से ट्रक में भर कर बेच दिया जा रहा है। इन सभी क्रियाकलापों पर भाजपा की पैनी निगाहें है। किसी की भी मनमानी नहीं चलने दिया जायेगा। उन्होंने दो टूक कहा कि राज्य की भ्रष्टाचारी सरकार से राज्य की जनता ऊब चुकी है। जनता ऐसे भ्रष्टाचारी सरकार को उखाड़ फेंकने का निर्णय ले चुकी है। बैठक में प्रभारी ने भी कहा कि जबसे हेमंत सरकार आई है चारो ओर भय, भूख, भ्रष्टाचार, बेईमानी एवं सरकार की नाकामियां स्पष्ट दिखाई दे रहा है। वर्तमान विधायक जनहित छोड़ अवैध कारोबार में लिप्त है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम बिल्कुल फीसडी साबित हो रहा है, जनता का कोई सुध नहीं लिया जा रहा है। इसके साथ ही अन्य नेताओं ने भी झारखंड सरकार की जमकर खिंचाई की। सबों ने एकमत से कहा आगमी 11 नवंबर का जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा जो राज्य की सत्ता को हिला देगा। बैठक शमशेर आलम, मंगलदेव यादव, रितेश गुप्ता, गुरुदेव गुप्ता, विनोद यादव, हरेंद्र गोप, टेकलाल यादव, प्रमोद यादव, मनोज उपाध्याय, रामचंद्र यादव, अर्जुन रविदास, खिरोधर यादव, मो. मंसुर, राजन ओम, मुकेश राम, बालेश्वर यादव, प्रद्युमन सिंह, गोपाल राणा, इंद्रदेव ठाकुर, राजेश केशरी आदि उपस्थित थे।

एतवारी छठ के अवसर पर जागरण कार्यक्रम का आयोजन

बरकट्ठा। प्रखंड के बेलकपी पंचायत अंतर्गत बड़ासिंगा (नायक टोला) में एतवारी छठ पूजा के शुभ अवसर पर रात्रि जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बेलकपी मुखिया ललिता देवी, जिप सदस्य कुमकुम देवी, गोरहर थाना प्रभारी कृष्णा कुमार शाह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मौके पर मुखिया ने कहा कि सात सुरों से बना संगीत अनमोल चीज है। संगीत के दुनियां का अपना अलग महत्व है। वहीं भक्ति गीतों पर श्रद्धालु झुमते नजर आए। मौके पर समाजसेवी धीरेन्द्र पाण्डेय, भाजपा मंडल अध्यक्ष टुकलाल नायक, पंसस विनीता कुमारी, विकाश पाण्डेय, सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र साव, समाजसेवी संजय साव, शंकर साव, अमर पांडेय, नंदू राणा, कुलदीप पाण्डेय, बब्लू पाण्डेय, रवि गोस्वामी, द्वारिका साव, अर्जुन नायक, मोतीलाल साव, गणेश नायक पूजा समिति के सदस्य समेत अन्य ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित थे।

रामगढ़ जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय में होगा आक्रोश प्रदर्शन, तय किये गये प्रमुख वक्ता

राज्य सरकार के नीतियों के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन के लिए जारी हुई प्रमुख वक्ताओं की सूची

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। राज्य की हेमंत सोरेन सरकार की नीतियों के विरोध में भाजपा रामगढ़ के नेता सभी प्रखंड मुख्यालयों में आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। इसके लिए प्रदेश भाजपा ने प्रवासी कार्यकर्ताओं की सूची जारी की है। यह बात पार्टी के मीडिया प्रभारी सत्यजीत चौधरी ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया। उन्होंने बताया की प्रदेश द्वारा निर्देशित सभी छः प्रखंड मुख्यालयों पर आक्रोश प्रदर्शन हेतु प्रमुख वक्ताओं की प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में सूची जारी की गई जो इस प्रकार है।

बताया कि 10 नवंबर-पतरातू, रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू, मांडू जयप्रकाश भाई पटेल, गोला अविनेश कुमार, 11 नवंबर को रामगढ़ राकेश प्रसाद, दुलमी अमरेंद्र कुमार गुप्ता, 12 नवंबर को चितरपुर शशिभूषण भगत और डॉ संजय सिंह पतरातू प्रवासी कार्यकर्ता बनाये गये हैं। जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता ने बताया की राज्य की हेमंत सोरेन सरकार लोगों से किये वादे पूरे करने में नाकाम रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के पिछले 34 महीनों के कार्यकाल में 5,500 महिलाओं का बलात्कार के केस दर्ज हुए हैं, जो राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को बयां करती है। इसलिए भाजपा राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन आरंभ कर रही है।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में हुआ मारपीट चार घायल, सड़क दुर्घटना में एक घायल, रेफर

बरही। सोमवार को आपसी लड़ाई में कोनरा पंचायत के चार लोग घायल हो गए। घायलों में मो जियाउल पिता मो कुदुस, जाहिदा खातून पति मो कुदूस मो फिरोज पिता मो ताहिर हुसैन और मो ताहिर पिता मो शरीफ शामिल है। घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार किए गए। गंभीर रूप से घायल मो जियाउल की बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर किया गया। वही दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। जिन्हे अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद हजारीबाग रेफर किया गया। मिली जानकारी के अनुसार घटना रसोईया धमना मोड़ पर बाइक सवार मुंद्रिका देवी (60) पति लोकनाथ यादव कार की ठोकर से गिर कर घायल हो गई। जिन्हे प्राथमिक इलाज के बाद रेफर हजारीबाग भेजा गया। वहीं दूसरे घटना में एनएच पर हुई सड़क दुर्घटना में साहब खुरेसी पिता मो गुलाम घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया जहां प्राथमिक इलाज के बाद हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

जेएसएलएलपीएस ने 21 सखी मंडलों के बीच छियालिस लाख रुपये का ऋण किया वितरित

बरही। मलकोको में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम में विधायक उमाशंकर अकेला ने 160 लाभुको के बीच कंबल, जेएसएलपीएस प्रदत 21 सखी मंडलो के बीच 46,00,000 रुपया का ऋण, बसवा देवी को फूलो झानो आशीर्वाद योजना के तहत 10,000 रूपया का सहयोग राशि, तीन बाबा साहेब आंबेदकर आवास योजना के लाभुको को हेतु प्रति लाभुक 130000 रुपए की स्वीकृति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम में ही निलांबर पीतांबर जल समृद्धि योजना के तहत 5 योजनाओं का चयन और दो लाख की लागत से मलकोको ग्राम में बनने वाले नाली का जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने शिलान्यास किया। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, विधायक प्रतिनिधि छठु गोप, मुखिया विजय कुमार यादव, बीडीओ क्रिस्टीना रिचा इंदवार, सीओ अरविंद देवाशीष टोप्पो, बीपीएम, बीपीओ, सहित प्रखंड सह अंचल कर्मी, जनप्रतिनिधी और कई ग्रामीण उपस्थिति थे।

एनटीपीसी केरेडारी व चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना के सीकरी कार्यालय में मनाया गया 48वां एनटीपीसी स्थापना दिवस

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। एनटीपीसी केरेडारी व चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना के सीकरी कार्यालय में सोमवार को 48वां एनटीपीसी स्थापना दिवस मनाया गया। केरेडारी परियोजना प्रमुख श्री फैज तैय्यब एवं चट्टी बरियातु परियोजना प्रमुख श्री बी.एम. सिंह ने सभी कार्यपालकों व अधिकारियों के साथ ध्वजारोहण किया।

एस.आई.एस.एफ के जवानों नें दोनों परियोजना प्रमुख को गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित भी किया। ध्वजारोहण के बाद समारोह में उपस्थित सभी कार्यपालकों व अधिकारियों ने एनटीपीसी गीत गाकर, एनटीपीसी कंपनी के

इतिहास व नैतिक मूल्यों का स्मरण किया गया। केरेडारी एवं चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना प्रमुख द्वारा केक कंटीग कि परंपरा को भी पूर्ण किया गया।

समारोह में केरेडारी परियोजना प्रमुख श्री फैज ने सभी कार्यपालकों व अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 47 वर्षों का लंबा सफर तय करते हुए एनटीपीसी विश्व की सर्वश्रेष्ठ विद्युत उत्पादन कंपनियों में से एक बन कर उभरी है। उन्होनें यह भी बताया कि एनटीपीसी भारत की सबसे बड़ी तथा सर्वाधिक दक्ष विद्युत कंपनियों में से एक है जिसकी तुलना वैश्विक मनाको के आधार पर विश्व में कि जाती है।

एनटीपीसी अपने जिम्मेदारी को भली-भांति जानती है, हमारी कंम्पनी सदैव पुनर्वास एवं पुनर्स्थपना की गतिविधियों को प्राथमिकता देती आ रही है।

चट्टी बरियातु परियोजना प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि एनटीपीसी ने विद्युत उत्पादन से संबद्धित क्षेत्रों जैसे सेवाएं, कोयला खनन, विद्युत कारोबार, विद्युत विनिमय, विनिर्माण में विविधीकरण कार्यनीति को भी अपनाया है ताकि कंपनी इस देश आत्मनिर्भता को मजबूती तथा प्रगित सुनिश्चित की जा सके। चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना का खनन कार्य 25.04.2022 को आरंभ हुआ था और खनन कार्य आरंभ के 1 माह के अंतराल में ही परियोजना ने दिनांक 21.05.2022 को कोयला सीम प्राप्त कर लिया था। परियोजना कि इस उपलब्धि का सारा श्रेय जिला प्रशासन एवं ग्रामीणों के पूर्ण सहयोग एवं परियोजना के सभी अधिकारीयों एवं कर्मचारीयों को जाता है। जल्द ही कोयला ढुलाई भी आरंभ हो जाएगी।

इस समारोह में परियोजना के अपर-महाप्रबंधक ऐके नायक, केसी सामल, असीम मिश्रा, एस. पी. गुप्ता, वीसी दुबे, सीताराम माजी एवं परियोजना के सभी उप-महाप्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

हर्षोल्लास से मनायी गुरुनानक देव जी की 553वीं जयंती

कोडरमा। गुमो स्थित बचपन प्ले स्कूल में सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव जी की 553वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल के छात्र हरमन सिंह के पिता गुरुभेज सिंह एवं दादी मंजीत कौर की अध्यक्षता में तथा स्कूल के पंजाबी बच्चे करमन सिंह, रहमत सिंह, हरजोत सिंह, सिमरजीत सिंह, मेहर कौर, इस्प्रीत सिंह, हरमन सिंह, सिमरजीत सिंह, अर्ष कालरा, प्रधानाचार्या श्रीमती नीरजा तथा सभी षिक्षिकाओं के द्वारा नगर कीर्तन से हुयी। उसके पष्चात छात्रा मेहर कौर ने पाठ और अरदास किया तथा गुरुभेज सिंह जी ने शबद गाकर कार्यक्रम को शानदार बना दिया। शिक्षिका रश्मि सूद ने बच्चों को नानक देव के जीवन व इतिहास के बारे में बताया। स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती नीरजा ने छात्र तथा छात्राओं को गुरुनानक देव जी के जीवन से सीख लेने का संदेश दिया।

न्यूज गैलरी

विंग कमांडर ए प्रदीप रेड्डी ने उपायुक्त से की मुलाकात

लोहरदगा। विंग कमांडर ए प्रदीप रेड्डी ने सोमवार को उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण से कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान अग्निपथ स्कीम के अंतर्गत भारतीय वायु सेना में युवक/युवतियों की भर्ती को लेकर चर्चा हुई। कमांडिंग अफसर व अन्य कर्मी लोहरदगा जिला के विद्यालयों व महाविद्यालयों में अग्निपथ स्कीम के तहत अग्निवीरवायु सेवन 01/2023 भारतीय वायु सेना में भर्ती के लिए शुरू हुए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को लेकर युवक-युवतियों को जागरुक करेंगे व भर्ती प्रक्रिया की जानकारी देंगे। अग्निपथ स्कीम के तहत भारतीय वायु सेना में भर्ती के लिए ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है जो दिनांक 23 नवंबर 2022 तक चलेगी। आवेदन करने के लिए अविवाहित युवक या युवती को अविवाहित होना आवश्यक है। साथ ही, आवेदक का जन्म दिनांक 27.06.2002 से 27.12.2005 के बीच हुआ हो। शैक्षणिक योग्यता - इंटरमीडिए/10+2 या समकक्ष परीक्षा गणित, भौतिकी या अंग्रेजी विषय से 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण हो या सरकारी मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक संस्थान से इंजीनियरिंग (मैकेनिकल/ इलेक्ट्रिकल/ इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल/ कम्प्युटर विज्ञान/ इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी/ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) में 50 प्रतिशत अंकों के साथ तीन वर्ष का डिप्लोमा या दो वर्षीय व्यवसायिक कोर्स में 50 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण। अन्य विषयों के लिए केंद्र/राज्य शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त संस्थान से इंटरमीडिएट/ 10+2/ समकक्ष परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास होना। अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंक हो। भर्ती से संबंधित अधिक जानकारी के लिए http://agnipathvayu.cdac.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

कैरो में बीएलओ की बैठक, मिला निर्देश

कैरो / लोहरदगा। सोमवार को कैरो प्रखण्ड सभागार में जिला निर्वाचन आयोग के निर्देश पर प्रखण्ड निर्वाचन पदाधिकारी सुनीलचन्द्र कुंवर के द्वारा सभी बीएलओ के साथ बैठक किया गया। बैठक के माध्यम से प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा 9 नवम्बर को सभी बूथ पर मतदाता सूची के प्रकाशन साथ ही 12 नवम्बर से तिथिवार विशेष शिविर के माध्यम से 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगो का मतदाता पहचान पत्र बनाने के लिए आवेदन, त्रुटि सुधार, हस्तांतरण, नाम विलोपन के लिए प्रपत्र 6,7,8 भरना आधार नम्बर जोड़ना, फोटो सुधार करने आदि कार्य विशेष रूप से किया जाएगा। मौके पर सुनीता देवी, सरोज उरांव, सुचित्रा उरांव, जमील अख्तर, मिथलेश सिंह, पंचम उरांव, भागीरथ सिंह, नसीमा परवीन रुकमणी उरांव, राजमणी मिंज, समीम अखतर आदि उपस्थित थे।

मंडल कारा में शुरू हुआ हक हमारा भी तो है कार्यक्रम का शुभारंभ

सिमडेगा। मंडल कारा में हक हमारा भी तो है कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पीडीजे मो रिजवान अहमद के निर्देश पर डालसा के द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत की गई। डालसा के सचिव मनीष कुमार ने बताया कि कार्यक्रम के तहत जेल में बंद कैदियों को कानूनी सहायता और उनका अधिकार दिलाया जाएगा। उन्होने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से जेल में बंद लोगो बुनियादी सहायता देने के लिए पैनल अधिवक्ता के माध्यम से कार्य किया जाएगा। उन्होने बताया कि मंडल कारा में बंद 392 विचाराधीन कैदी और आठ सजायाफ्ता कैदियो का पूरा विवरण तैयार किया गया है। सचिव ने बताया कि डालसा माध्यम से गांवो में भी पैनल अधिवक्ता और पीएलभी के माध्यम से नालसा के दस स्कीम प्रोजेक्ट को चलाया जा रहा है। उन्होने बताया कि 12 नवम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का भी आयोजन किया जाएगा।

संत कबीर सेमिनरी स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त, बच्चे सुरक्षित

ठेठईटांगर। संत कबीर सेमिनरी स्कूल जोराम के स्कूल बस बोलबा सलगापोश मुख्य पथ पर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को बचाने के क्रम में अनियंत्रित होकर चालीस मर्दन जंगल के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घनाग्रस्त बस में स्कूल के विद्यार्थी सवार थे। बस में सवार सभी विद्यार्थी सुरक्षित रहे।दुर्घटना में मोटरसाइकिल सहित संत सेमरनरी स्कूल के शिक्षिका बीणा ज्योति कुमारी एवं छात्रा दीपिका कुमारी को मामूली चोटें आई हैं। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंच गई और घायल को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल ठेठईटांगर भेज दिया। वही आगे की कार्रवाई में जुट गए।

कैरो में चलाया गया एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

कैरो/लोहरदगा। जिले के एसपी आर राम कुमार के निर्देशानुसार कैरो थाना क्षेत्र के कैरो नगजुआ मुख्य पथ में कई जगहों पर सोमवार को कैरो थाना एएसआई धर्मेंद्र कुमार सिंह के अगुवाई में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान दो पहिया, चार पहिया वाहनों की गहन जांच की गई। वाहन से संबंधित कागजात, हेलमेट व डिक्की आदि की भी जांच की गई। इस दौरान हेलमेंट नही पहनने व वाहन से संबंधित कागजात लेकर नही चलने वाले लोगों को सख्त हिदायत दी गई। मौके पर एएसआई धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया की मार्ग में चलने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहनों की जांच अवैध सामान शराब नशीला पदार्थ आदि की बरामदगी के लिए विशेष रुप से अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में लगातार कैरो थाना पुलिस के द्वारा एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान थाना के दलबल मौजूद थे।

आजसू जिला कार्यालय में जिला कार्यसमिति की हुई बैठक सम्पन्न

सिमडेगा। सोमवार को आजसू पार्टी का ठाकुर टोली स्थित जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष धुपेन्द्र पांडेय की अध्यक्षता में सोमवार को कार्य समिति का बैठक रखा गया और मौके पर जिला प्रभारी गोपी नाथ सिंह उपस्थित थे। प्रमंडलीय स्तरीय कार्यक्रम की समीक्षा की गई। सदस्यता अभियान एवम सौ सक्रिय सदस्य की सूची के विस्तार को लेकर चर्चा की गई मौके पर उपस्थित जिला उपाध्यक्ष अनिल मेहर, जिला सचिव- विकास बड़ाईक, जिला कोषाध्यक्ष- विक्रांत कुमार, छात्र संघ जिला अध्यक्ष- संतोष बड़ाईक, सिमडेगा कॉलेज की अध्यक्षा- सुश्री सोनाली बड़ाईक, डेनिस बाड़ा, चंद्रभूषण बड़ाईक, राजन कुमार, विवेक बड़ाईक, रितेश तिर्की, देवेंद्र साहू, अशोक प्रसाद, नरेश साहू, दिलीप कुमार, विशाल बड़ाईक के अलावा अन्य कार्यकता उपस्थित थे। वही बताया गया कि नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण खत्म करने के विरोध में 17 नवंबर को आजशु पार्टी का राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर आयोजित विशाल धार्मिक रामरेखा मेला का केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन

कार्तिक पूर्णिमा पर आज उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर रामरेखा धाम में आयोजित ऐतिहासिक विशाल धार्मिक मेले का केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के द्वारा विधिवत रूप से पूजन पाठ एवं नारियल फोड़कर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर सर्वप्रथम उनके आगमन के साथ ही उपायुक्त सिमडेगा आर रोनिटा, एसपी सौरभ एवं रामरेखा धाम विकास समिति के पदाधिकारी तथा भाजपा के कार्यकताओं के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। ततपश्चात पारंपरिक वेशभूषा के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया उसके बाद वह ब्रह्मलीन बाबा के समाधि स्थल पर माथा टेक सभी के सुख समृद्धि की कामना की। इसके बाद विधिवत रूप से मेला का उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात गुफा के अंदर उन्होंने विधि विधान के साथ भगवान श्री राम, लक्ष्मण, जानकी सहित अन्य ग्रहों की पूजा करते हुए आशीर्वाद लिया तथा मौके पर उन्होंने धाम में प्रसाद ग्रहण किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम वनवास काल में इस स्थान पर

कुछ क्षण बिताए थे और ऐसे पवित्र नगरी में कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर आयोजित विशाल मेले में जिस प्रकार से झारखंड उड़ीसा बंगाल आदि जगहों के लोग पहुंच रहे हैं यह वाकई बहुत ही रामणिक स्थल है। इस पर लोगों को किस प्रकार से सुविधा मिले यहां पर किन चीजों की कमी है इन सभी चीजों को जल्द से जल्द दूर करने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर उन्होंने कहा कि रामरेखा धाम को सर्किट के रूप में अब बनाने के लिए 100 करोड़ रुपए की विशेष प्रपोजल जो राज्य सरकार जल्द केंद्र सरकार को भेजेगी और उसे पारित कराते हुए रामरेखा धाम का संपूर्ण विकास किया जाएगा। इधर इस मौके पर रामरेखा धाम विकास समिति के पदाधिकारियों के द्वारा ज्ञापन सौंपते हुए रामरेखा धाम को राज्यस्तरीय मेला के दर्जा देने सहित कई प्रकार की मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर उमाकांत जी महाराज के माध्यम से केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपा गया और जल्द ही उन समस्याओं को दूर करने के लिए बात कही। जिस पर केंद्रीय मंत्री का द्वारा आश्वासन दिया गया कि रामरेखा धाम के विकास के लिए जो भी संभव हो वह प्रयास की जाएगी। गौरतलब हो सिमडेगा जिला के सुप्रसिद्ध रामरेखा धाम में भगवान श्री राम के द्वारा अपने वनवास काल में कुछ पल यहां बिताने के बीच यहां पर अग्नि कुंड सीता कुंड सीता चुनाव चरण पादुका रामरेखा सहित कई ऐसे अनेक यहां पर दर्शनीय स्थल है। जिससे देखने के लिए लोग दूर-दूर से पहुंचते हैं इधर मौके पर मुख्य रूप से पूर्व सांसद कड़िया मुंडा, जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक, पूर्व मंत्री विमला प्रधान, सांसद प्रतिनिधि सुशील श्रीवास्तव, धाम के कार्यकारी अध्यक्ष अमरनाथ बामलिया, सचिव ओम प्रकाश साहू, प्रधान संरक्षक दुर्गविजय सिंह देव, प्रचार-प्रसार मंच प्रमुख दीपनारायण दास, अनूप प्रसाद, मनोज साय, तुलसी साहू, श्रद्धानंद बेसरा, सुजान मुंडा, सत्यनारायण प्रसाद सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं रामरेखा धाम समिति के सदस्य मौजूद थे।

रामरेखा धाम में सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

इधर रामरेखा धाम में दर्शन के लिए सोमवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़भाड़ का माहौल देखने को मिला। जहां पर लंबी लाइन लगाकर लोग अपनी बारी का इंतजार करते हुए देखे गए इधर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से लोगों को बारी-बारी से बैरिकेडिंग के माध्यम से दर्शन के लिए भेज रहे थे ताकि किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। इधर समिति की ओर से दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है ताकि लोगों को आसानी से दर्शन कराया जा सके। इधर समिति के सचिव ओम प्रकाश साहू ने बताया ग्रहण को लेकर सूतक काल से ही मंदिर का पट पूजन पाठ के लिए पूरी तरह से बंद कर दी जाएगी हालांकि लोग भगवान के दर्शन बाहर से कर सकेंगे।

दूर-दूर से आये वाद्य यंत्रों की सजी दुकान

वाद्य यंत्रों के लिए मशहूर रामरेखा धाम मेला में इस बार भी झारखंड के अलग अलग जगहों से कलाकारों के द्वारा वाद्य यंत्र की दुकानें लगाएं हैं जहां पर ढोल नगाड़ा मांदर तबला सहित अलग-अलग प्रकार की चीजें उपलब्ध है जिसे लोग अपनी सुविधानुसार खरीददारी कर रहे हैं वहीं दुकानदारों ने बताया कि कोविड-19 के कारण 2 वर्षों तक यहां पर मेला नहीं लगा इस वजह से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा हालांकि इस वर्ष जिस प्रकार मेले में लोगों का उत्साह दिखाई दे रहा है इससे अच्छी बिक्री होने की उम्मीद जताई। इधर दूर-दूर से लोग मिठाई सहित पूजा के लिए अलग-अलग प्रकार के चुनरी माला सिंदूर चूड़ी आदि चीजों की दुकान लगाए हैं जहां पर लोग खरीददारी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को सौंपा चार सूत्री मांग पत्र

पुराने रिक्त बीटों पर विज्ञापन निकालकर नियुक्ति करने पर तत्काल रोक लगाये सरकार : कृष्ण दयाल सिंह

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड राज्य दफादार-चौकीदार पंचायत, जिला शाखा लोहरदगा की विशेष बैठक सोमवार को समाहरणालय के समीप प्रदेश संयुक्त सचिव सह जिला अध्यक्ष समसुल अंसारी की अध्यक्षता में की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। बैठक में सर्वसम्मति से चार सूत्री प्रस्ताव पारित किए गए। पारित चारों प्रस्तावों से संबंधित मांग पत्र मुख्यमंत्री झारखंड सरकार के नाम लोहरदगा उपायुक्त के माध्यम से दी गई। चार सूत्री मांग पत्र में कहा गया है कि सेवा विमुक्त चौकीदारों को पुनः सेवा में योगदान कराने और 01 जनवरी, 1990 के पूर्व और बाद में सेवा निवृत चौकीदार- दफादारों के आश्रितों की नियुक्ति पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार करने हेतु तत?काल अध्यादेश जारी किया जाय या ग्राम- चौकीदार (संशोधन) विधेयक-2022 पारित किया जाय एवं पुराने रिक्त बीटों पर विज्ञापन निकालकर नियुक्ति करने पर तत्काल रोक लगायी जाय। (क) झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 के आलोक में 100 से 120 आवासीय घरों पर एक चौकीदार नियुक्त करने का प्रावधान किया गया है। इस मामले में नया बीट सृजित करके नये बीटों पर विज्ञापन निकाला जा सकता है। जिन चौकीदारों को ए.सी.पी, एम.सी.पी. का लाभ मिल गया है, उनका बकाया एरियर का भुगतान किया जाय और अभी तक जिन चौकीदारों को ए.सी.पी. अथवा एम. ए. सी.पी का लाभ नहीं मिली है, उनको भी विशेष रुची लेते हुए इसका लाभ तत?काल दिया जाय। इस बावत सभी अंचल पदाधिकारियों को कार्रवाई करने हेतु सरल निर्देश दिया जाय। झारखंड सरकार के गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के पत्रांक 5020 दिनांक 11.09.2017 का अनुपालन सख्ती से कराया जाय। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश कोषाध्यक्ष मिथलेश यादव, तेतार खान, जलील अंसारी, रबिरा देवी, शनिचरिया उरांव, प्रति उरांव, कृष्णा महतो, कलेश्वर महतो, अबुल खैर अंसारी, अनिल कुजूर, सुरेश उरांव, प्रकाश उरांव, सोमरा उरांव, पति उरांव, एजाज अंसारी, करमा उरांव आदि समेत बड़ी संख्या में दफादार चौकीदार मौजूद थे।

डीसी ने टीबी के मरीजों के बीच किया पोषण सामग्री का वितरण

उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण द्वारा सोमवार को जिला यक्ष्मा केंद्र, सदर अस्पताल, लोहरदगा में 14 यक्ष्मा मरीजों के बीच पोषण सामग्री का वितरण किया। पोषण सामग्री में तीन किग्री दाल, 01 किग्रा मूंगफली, 1.5 किग्रा चना, 1 किग्रा गुड़, 1 लीटर खाद्य तेल और 500 ग्राम हॉरलिक्स प्रदान किया गया। उक्त सामग्रियों का वितरण हिंडालको द्वारा उपलब्ध सीएसआर मद से किया गया। इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि हिंडालको इंडस्ट्रीज द्वारा सीएसआर मद के तहत यह पोषण सामग्री यक्ष्मा मरीजों को उपलब्ध करायी जा रही है। इस पोषण सामग्री का इस्तेमाल यक्ष्मा मरीज अपना पोषण स्तर ठीक करने के लिए करें। पौष्टिक भोजन से शरीर की इम्युनिटी बढ़ती है जिससे स्वास्थ्य लाभ समय पर प्राप्त होंगे। इस कार्य के लिए हिंडाल्को को धन्यवाद। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ संजय कुमार सुबोध, हिंडाल्को की ओर से खनन महाप्रबंधक राजेश रंजन अंबष्ठ, सीएसआर हेड नीरज कुमार के साथ-साथ अन्य कर्मी उपस्थित थे।

लोहरदगा में भारी मात्रा में नकली डीएपी खाद बरामद

छापामारी के दौरान जब्त डीएपी खाद की जांच करने पर पायी गयी नकली : ईएम पूजा कुमारी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। बाजार में किसानों को नकली डीएपी खाद बेचने की शिकायत मिलने पर अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल के निर्देश पर ग्रामीण बाजारों में छापामारी किया गया। कार्यपालक दंडाधिकारी पूजा कुमारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी रघुनंदन वैद्य, व सशस्त्र बलों की टीम सोमवार को सेन्हा थाना क्षेत्र के ईटा बरही बाजार में छापामारी किया। इस दौरान बरही बाजार में स्थित जीतराम साहू के खाद दुकान में नकली डीएपी खाद भारी मात्रा में जब किया गया। दुकान से जप्त नकली डीएपी को जब्त कर जांच के लिए कृषि विभाग के लैब भेज दिया गया। जांच टीम ने हिरासत में लेकर जीतराम साहू पर दबिश डाला तो उसने खाद होलसेलर का नाम बताया। जांच टीम ने भंडरा बेदाल स्थित होलसेलर इंद्र साहू के यहां भी छापा मारा। इंद्र साहू

के गोदाम पर रखा गया इफको कंपनी का फर्जी खाद 3 मेट्रिक टन और पारस लिखा नकली डीएपी खाद को जब्त कर गोदाम को सील कर दिया गया। जांच में फर्जी डीएपी मिलने के बाद एसडीओ अरविंद कुमार लाल ने जिला कृषि पदाधिकारी को 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

इस संदर्भ में जांच अधिकारी कार्यपालक दंडाधिकारी पूजा कुमारी ने कहा कि छापामारी में मिला खाद का पैकेट प्रथम दृष्टया नकली है। कंकड़, पत्थर को रंगाई कर इसे डीएपी खाद बनाकर बेचा जा रहा था। कहा कि स्थानीय किसान बाजार में नकली डीएपी मिलने कि शिकायत लगातार कर रहे थे।

किसान धान की खेती में नकली डीएपी खरीद कर डालने के बाद अब किसान फसल खराब होने को लेकर सशंकित है। इसको लेकर स्थानीय प्रशासन संवेदनशीलता से नकली खाद बेचने वालों के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है।

भंडरा के जमगाई में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उमड़ी भीड़

भंडरा। झारखंड सरकार के निर्देशानुसार आपकी योजना, आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत प्रखंड के जमगाई पंचायत में सोमवार को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी रंजीत कुमार सिन्हा एवं अंचलाधिकारी दिनेश गुप्ता की देखरेख मे आयोजित शिविर में 18 विभाग के द्वारा स्टॉल लगाया गया था, जहां काफी संख्या में लोग उपस्थित हुये। मौके पर समस्याओं से संबंधित 804 आवेदन आये, जिसमें 96 समस्याओं को ऑन द स्पॉट समाधान किया गया। इस दौरान अतिथि के रूप में जिला आपूर्ति पदाधिकारी अमित बेसरा, जिला परिषद सदस्य राजमणि उरांव, प्रमुख बरिया देवी, मुखिया धनेश्वरी देवी, आदि उपस्थित थे। मौके पर मुख्य अतिथि अमित बेसरा ने कहा कि आपकी योजना, आपकी सरकार-आपके द्वार सरकार की महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। सरकार ग्रामीणों की समस्याओं को हल करने पदाधिकारी एवं कर्मचारियों की टीम के साथ आपके द्वार तक आ रही है। आप इस योजना का लाभ लें झारखंड सरकार जैसे बिरसा हरित ग्राम योजना, पोटो हो खेल विकास योजना, फूलो-झानो आशीर्वाद अभियान, रोजगार सृजन योजना, पशुधन विकास योजना, सोना सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना, कंबल वितरण, छात्रवृत्ति योजना, सर्वजन पेंशन योजना जैसी कई लोक कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने का लक्ष्य तय किया है। इस अवसर पर मुख्य रूप से अंचलाधिकारी दिनेश प्रसाद गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी रणजीत सिन्हा, शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जयमंगल महतो, अभिनाश कुमार, राजीव गुप्ता, रऊफ अंसारी, हेमंत कुमार, अशोक दुबे आदि अन्य कई लोग उपस्थित थे। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम मे महिला संकुल संगठन को तीन लाख का चेक प्रदान किया गया।

महादेव मंडा स्थल पर जीर्णोद्धार कार्य में संवेदक की लापरवाही पर ग्रामीणों में आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत स्थित चंदवा गढ़गांव में महादेव मंडा स्थल का जीणोद्धार कार्य पर्यटन विभाग के तत्वधान में जिला परिषद के निगरानी में 25 लाख की लागत से जीणोद्धार कार्य संवेदक के द्वारा किया जा रहा है। जीणोद्धार कार्य में संवेदक की काफी मनमानी होने पर आनन्द खेरवार, सूरज सिंह, विजय खेरवार, बन्धइन उराईन, मनमैत देवी, अजय लोहरा, अनुज खेरवार, सत्यनारायण ठाकुर, बिनीत खेरवार, विजय खेरवार सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा किस विभाग से निर्माण कार्य चल रहा है। कितने की लागत से हो रहा है। जिसकी जानकारी किसी ग्रामीण को

नही है। संवेदक मनमानी ढंग से कार्य कर रहा है। जानकारी के अनुसार बता दें कि महादेव मंडा चंदवा गढ़गांव स्थित पहाड़ में 12 सौ फीट पहाड़ ऊपर गुफा में प्राचीन शिवलिंग का पूजा अर्चना व दर्शन के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण के अलावे अन्य जिला प्रखंड से पूजा के लिये भक्तों का आने जाने का तांता लगा रहता है। खास कर शिवरात्रि के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजन किया जाता है। जहां भक्त गण पगडंडी के रास्ते आते जाते थे। परंतु इस पर जिला पदाधिकारी का नजर पड़ा और पीसीसी पथ का निर्माण कराया गया। इसके अलावे अन्य तरह की सुविधा व्यवस्था को लेकर जीणोद्धार कार्य पर्यटन विभाग के तत्वधान में जिला परिषद के निगरानी में संवेदक राजेश अग्रवाल द्वारा एवं देख रेख सूरज अग्रवाल के माध्यम से कराया जा रहा था। जिसे ग्रामीणों ने देखते हुए कहा कि भक्तों की सुविधा हेतु पीसीसी पथ पर रैलिंग लगाने का कार्य आरम्भ हुआ था। परंतु संवेदक की मनमानी का नतीजा देखते ग्रामीणों के बीच गुस्सा फुटा कहा रैलिंग लगाने से खतरा और भी बढ़ गया है। खास कर बच्चों को ज्यादा खतरा है इस रैलिंग से बताते हुए कहा अभी निर्माण कार्य पूर्ण हुआ नही है और रैलिंग हिल रहा है। जहां तहां रैलिंग जाम ही नही किया गया है। जिससे पहाड़ ऊपर गुफा तक जाने वाली पथ पर अनहोनी होने की आशंका बना हुआ है।

इंद पूजा के मौके पर अवगा में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अपनी प्राचीन धरोहर और समाज को आगे ले जाने में युवाओं का विशेष योगदान : राजेश सिंह

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा/बोलबा। इंद पूजा के मौके पर बोल बांके आएगा में बीती रात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रुप में झारखंड प्रदेश मजदूर यूनियन के नेता राजेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में झापा नेता संदेश एक्का, पूर्व विधायक बंसत लौंगा उपस्थित रहे। मौके पर मुख्य अतिथि के द्वारा रिबन काटकर विधिवत रूप से पूजन पाठ के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर नागपुरी लोक गायक जगदीश बड़ाईक के द्वारा देवी वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की और वहां पर उपस्थित लोगों को झूमने पर विवश कर दिया।

मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित राजेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक वर्ष इंद्र पूजा के मौके पर यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है यह पूजा अच्छी फसल अच्छी बारिश की खुशी में भगवान इंद्र को आभार व्यक्त करने के लिए की जाती है ताकि प्रत्येक वर्ष इसी प्रकार क्षेत्र में अच्छी बारिश हो। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और हमारी धरोहर को बचाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए विकी युवा समाज की रीढ़ होते हैं जिन्हें समाज में नशा पान गलत राह आदि चीजों से ध्यान हटाकर सामाजिक गतिविधियों पर ध्यान देनी चाहिए आज विलुप्त होती हुई संस्कृति को बचाने के लिए इस प्रकार के आयोजन होना बहुत ही आवश्यक है जिससे कि हमारी पहचान बनी रहे क्योंकि अगर हमारी पहचान नहीं रहेगी तो हमारा वजूद खत्म हो जाएगा। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को कहा कि किसी प्रकार की कोई भी समस्या होती है तो आप अपना बेटा समझकर मेरे पास आए आपकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर संदेश एक्का बसंत लौंगा एवं अन्य के द्वारा भी संबोधित किया गया। इस दौरान सुहाना देवी, इग्नेश, अनिता, चिंता देवी, जगदीश बड़ाईक, डांसर काव्या काजल लिटिल स्टार म्यूजिकल ग्रुप की टीम ने लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। मंच संचालन कालो खलखो के द्वारा की गई। आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की सराहनीय भूमिका रही।

शहीद शेख भिखारी फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य समापन

खेल शारीरिक, मानसिक विकास का सशक्त माध्यम : उदय गुप्ता

लोहरदगा। कुडु प्रखंड क्षेत्र के चीरी मैदान में उप प्रमुख सह जेएमएम नेता ऐनुल अंसारी द्वारा आयोजित चार दिवसीय शहीद शेख भिखारी फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला ए जे स्टाइल ऐने बनाम जियो मैक्स नदिया के बीच खेला गया। जिसमें खिताब पर ए जे स्टाइल ऐने की टीम की कब्जा जमाया। उपविजेता जियो मैक्स नदिया की टीम रही। टूनार्मेंट के फाईनल समापन समरोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी उदय कुमार गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप कैरो जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव,प्रखंड प्रमुख मुन्नी देवी, अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह,इरशाद अंसारी,डॉक्टर याकूब अंसारी, अतिथियों का खेल मैदान मे आयोजन समिति के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। उन्हें माला पहनाकर पगड़ी बांधकर एवं अंग वस्त्र देकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फाइनल प्रतियोगिता शुरू किया गया। प्रतियोगिता में विजेता उप विजेता टीम को अतिथियों के द्वारा नगद पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि उदय कुमार गुप्ता ने कहा कि बच्चों को भी फुटबॉल खेलने के प्रति आकर्षित करना चाहिए। बच्चे इंडोर गेम को छोड़ आउटडोर गेम के प्रति रुचि बढ़ सके काकी खेल प्रतियोगिताओं से शिवा में संघर्ष करने की क्षमता बढ़ती है लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत मेहनत करें सफलता अवश्य मिलेगी प्रतियोगिता के मौके पर प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि दिया गया। कैरो जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव ने कहा कि खेल में एकता और एकजुटता दोनों ही दिखाई देता है सभी खिलाड़ी आपस में प्रेम भाव के साथ खेलते हुए कितना अच्छा लगते है खेल से आपसी भाईचारे का संदेश भी मिलता है। अंचल अधिकारी प्रवीन कुमार सिंह ने कहा की खेल के क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नहीं जरूरत है इसे प्रोत्साहन देने की। मंच संचालन उप प्रमुख कुडू ऐनुल अंसारी ने किया। मौके पर कुडू प्रमुख मुन्नी देवी,आयोजन समिति के अध्यक्षउप प्रमुख सह जेएमएम नेता ऐनुल अंसारी जेएमएम के समिद अंसारी, इरशाद अंसारी, मुखिया रामेश्वर लोहरा, जेएमएम नेता संजू तुरी, अब्दुल। जसीम अंसारी, कृष्णा उरांव, कलीम खान, अफरोज आलम, एजाज अंसारी, अनिल शर्मा,संदीप कांदरू, उरांव, अमान अंसारी, कुर्बान अंसारी, रेणु मैडम, प्रदीप उरांव, दिलीप उरांव, आदि उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

आज होगी महागंगा आरती का आयोजन

मेदिनीनगर। पलामू में महागंगा आरती समिति के द्वारा मंगलवार को महागंगा आरती का आयोजन किया गया है। आयोजन स्थानीय गिरवर स्कूल के तट पर किया जायेगा। गंगा आरती के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। इस समिति के संयोजक अविनाश कुमार राजा ने बताया कि पलामू में इस बार पूरे धूमधाम के साथ महागंगा आरती का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें सभी स्थानीय लोगों के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न किया जा रहा है । उन्होंने सभी लोगों को अपने साथ 11 दीये साथ लाने का भी अपील किया गया है। गंगा आरती के दौरान 21 हजार दीये को प्रज्वलित किया जायेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 5:30 बजे किया जाएगा। गंगा आरती 5:50 से 6:30 तक किया जायेगा ।दीपदान 6:30 से 7:00 बजे तक किया जायेगा । उसके बाद 9:30 तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन किया जायेगा।

बंगीय दुर्गा बाड़ी में लगा हेल्थ चेकअप कैंप

मेदिनीनगर। स्थानीय बंगीय दुगार्बाड़ी में रविवार को हेल्थ चेकअप कैंप लगाया गया। यह कैंप जिला स्वास्थ्य समिति के निर्देश पर नई मुहल्ला के राष्ट्रीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के तत्वावधान में लगाया गया। शिविर का उद्घाटन दुर्गाबाड़ी के उपाध्यक्ष सुमित भट्टाचार्य ने स्वास्थ्य जांच करवा कर किया। उन्होंने बताया कि शिविर में करीब 55 लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाया। शिविर के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि 40 से ऊपर के उम्र के सभी को नियमित स्वास्थ्य जांच करना चाहिए, यह वर्तमान समय की मांग है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व इस समय प्रदूषण की समस्या से ग्रस्त है। शहर में रहने वाले लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो रहे है। प्रदूषण और मिलावटी खाद्य पदार्थ का सेवन का असर सीधे मनुष्य के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसलिए नियमित स्वास्थ्य जांच करवा लेना चाहिए। स्वास्थ जांच शिविर में फार्मासिस्ट सुजीत कुमार, लैब सहायक चंदन कुमार पासवान, रीना कुमारी, एएनएम स्वेता सिन्हा, सुमन कुमारी, नीतू कुमारी, दुर्गा बाड़ी के सुमित भट्टाचार्य, सौभिक दत्ता, देवाशीष सेनगुप्ता, दिलीप साहा, सुकुमार पाल, गोदाई भट्टाचार्य आदि मौजूद थे।

कॉस्को नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

मेदिनीनगर। राजहरा कोलियरी में आयोजित युवा जागृति केंद्र कॉस्को नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट 2022 का फाइनल मैच गोलू इलेवन गाड़ीखास तथा आरसीसी राजहरा कोलियरी के बीच खेला गया। जिसमें गोलू इलेवन गाड़ीखास टीम 45 रनों से विजयी रही। यह टूर्नामेंट युवा जागृति केंद्र के कार्यकर्ता स्वर्गीय अनुराग सिंह को समर्पित था। मौके पर युवा जागृति केंद्र के केंद्रीय अध्यक्ष राजन सिन्हा ने विजेता टीम को आकर्षक कप एवं 41000 रुपए की नगद राशि प्रदान की तथा उपविजेता टीम को केंद्रीय सचिव मुकेश विश्वकर्मा के द्वारा ट्रॉफी एवं नगर 21000 रुपये की राशि प्रदान की गई। इस टूर्नामेंट में 16 टीमों ने भाग लिया था । कार्यक्रम में अध्यक्ष ने कहा कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को प्रोत्साहित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन युवा जागृति केंद्र कि राजहरा कोलियरी समिति अध्यक्ष छोटू तिवारी ने किया । उन्होंने बताया स्वर्गीय अनुराग सिंह को समर्पित युवा जागृति केंद्र नॉकआउट कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला गोलू इलेवन गाड़ीखास और आरसीसी क्लब राजहरा कोलियरी के बीच खेला गया। इस फाइनल मुकाबले में युवा जागृति केंद्र समिति राजहरा कोलियरी के सैकड़ों कार्यकर्ता गण उपस्थित थे। जिसमें अध्यक्ष-छोटू तिवारी, उपाध्यक्ष-अजीत चौहान, सचिव-अविनाश सिंह' कोषाध्यक्ष-अजमल अंसारी, संयुक्त सचिव-विशाल चौहान उपेंद्र चौहान अप्पू अंसारी विकास कुमार सूरज कुमार सोनू कुमार और वार्ड अजय भुइयां तथा युवा जागृति केंद्र के सिंपल, मोहित, विपिन, अभय,सोनू ,विकास ,संजीत ,मनजीत, सोनू कुमार, राकेश,गोविंदा ,गौतम ,सुनील ,अजत ,अमित ,आनंद ,अशोक , भरत ,अनिकेत ,सुनील ,दीपक ,विश्वजीत ,कपिल ,राहुल, अनूप कुमार सुदर्शन ,विजेंद्र, इकबाल ,असलम ,आजाद, फिरोज ,सलमान,तथा सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वृद्धा पेंशन रोकना अक्षम्य अपराध: शत्रुघ्न

मेदिनीनगर। झारखण्ड क्रांति मंच के संस्थापक सह केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु,केन्द्रीय महासचिव सदीक अंसारी व केन्द्रीय कमिटी के सदस्य अनिस अंसारी ने पाटन प्रखण्ड के सगुना ग्राम में प्रेस को सम्बोधित करते हुए कहा है कि सगुना ग्रामवासी लगभग 80 साल की बुजुर्ग महिला सैरुन बीबी को मृत बताकर पिछले 2 वर्षों से वृद्धा पेंशन से वंचित करना अक्षम्य अपराध है।

खरौंधी में विधायक ने पथ मरम्मति कार्य का किया शिलान्यास, कहा

सड़क निर्माण होने से आवागमन में होगी सुविधा

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी(गढ़वा)। सोमवार को क्षेत्रीय विधायक भानू प्रताप शाही, प्रमुख आभा रानी, कूपा मुखिया प्रमोद राम, सांसद प्रतिनिधि रामखेलावन, पंचायत समिति सदस्य पूर्णिमा देवी ने सयुक्त रूप से रेखाडीह मुख्य पथ से मेलवान होते हुए दुधवनिया सिंघीताली मुख्य पथ तक प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत मरमती होने वाले सड़क का शिलान्यास नारियल फोड़कर किया। शिलान्यास कार्यक्रम के पश्चात मंडल अध्यक्ष संध्याकार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमे विधायक भानू प्रताप शाही ने कहा कई गांवों को जुड़ने वाला ये सड़क है। लेकिन समय पर मरमत नही होने की वजह से जर्जर हो गया था। जिससे प्रखंड के लोगो को आवागमन में असुविधा होती थी। सांसद बीड़ी राम तथा मेरे प्रयास से

सड़क का मरमत होने जा रही है। सड़क मरमत हो जाने से खरौंधी प्रखंड के हजारों लोगो को आवागमन में सुविधा होगी।

वही विधायक भानू प्रताप शाही ने सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम पर तंज कशते हुए कहा इस कार्यक्रम में पंचायत के लोगो का एक भी काम नहीं हो रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। झारखंड में बालू माफिया का चांदी ही चांदी है क्योंकि सरकार ही ऐसे लोगो को संरक्षण दे रही है। आम अवाम को क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में बालू होने के बावजूद भी लोगो को आवास निर्माण में बालू नही मिल रहा है। आवास निर्माण में भी बालू लाया जा रहा है तो थाना के लोग ट्रैक्टर को पकड़कर कार्रवाई कर रही है।

प्रमुख आभा रानी ने कहा बड़े ही सौभाग्य की बात है कि हमारे क्षेत्र का विधायक बड़े भाई भानु प्रताप शाही है। इन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य किया है। इन्ही के प्रयास से सड़क का मरमति होने जा रहा है। साथ ही विधायक भानू प्रताप शाही से खरौंधी में जल्द से जल्द डॉक्टर का प्रतिनियुक्त करवाते हुए स्वास्थ्य सुविधा बहाल कराने की मांग की।

सभा का संचालन विधायक प्रतिनिधि उपेंद्र दास ने किया। इस दौरान पार्टी के खरौंधी प्रभारी राजेश कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि विनोद चौधरी, विनोद कुमार सिंह, रामचंद्र सिंह, लालू ठाकुर, सुनील कुमार द्विवेदी, क्लामुद्दीन अंसारी, सुशील कुमार यादव, राजकुमार निराला, आनंद चौधरी, धर्मेंद्र यादव, संजीत चंद्रवंशी, विवेकानंद यादव, संजय साव आदि दर्जनों भाजपा नेता उपस्थित थे।

पाचाडुमर पंचायत में 88 लाख की लागत से दो सड़कों का शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

केतार। सोमवार को क्षेत्रीय विधायक भानु प्रताप शाही ने प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत दो सड़कों का शिलान्यास गांव के बुजुर्ग ग्रामीण बच्चा उरांव और लखन बैठा के हाथों सम्पन्न करवाया। उक्त दोनों सड़क 88 लाख रुपए की लागत से सड़क का मरम्मती कार्य किया जायेगा। इस अवसर विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा की दोनों सड़कें काफी जर्जर हो गयी थी जिससे आमजनों को आने जाने में काफी परेशानी होती थी। अब सड़क का मरम्मती हो जाने से लोगों को सहुलियत होंगी। उन्होंने संवेदक को गुणवत्तापूर्ण सड़क बनाने का निर्देश दिया। विधायक भानु प्रताप शाही ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा की सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चलाकर सरकारी राशि का दुर्पयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा की

हेमंत सोरेन सरकार किसान विरोध और विकास विरोधी है।उनके मंत्री भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं उनके खिलाफ इडी द्वारा छापेमारी में करोड़ों रुपए जब्त हो रहे हैं।इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि विकर्मा सिंह, मंडल अध्यक्ष कन्हाई प्रसाद,गुडन पासवान, मुखिया मुनी देवी, श्याम सुंदर बैठा, राम प्रसाद कमलापुरी, अरबिंद वर्मा, शिवभरोष सिंह, राजा प्रसाद, अखिलेश सिंह, सुधीर ठाकुर, हीरालाल ठाकुर, नागेन्द्र प्रजापति सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समाज को सही दिशा में ले जाने का रहेगा पूरा प्रयास : दीपक राज

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। प्रखंड मुख्यालय अन्तर्गत ग्राम लुहुर स्थित सामुदायिक भवन परिसर में रविवार को प्रजापति समाज की बैठक ऋषि प्रजापति की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में प्रखंड के चुंगरू, मंगरा, बरवाडीह और केचकी आदि पंचायत के प्रजापति समाज के लोगों ने भाग लेकर अपने-अपने मत रखे और समाज का उत्थान करने व समाज को आगे बढ़ाने की बात कही। वहीं ऋषि प्रजापति और कमलेश प्रजापति के द्वारा समाज को एकजुट कैसे किया जाए उस पर विचार व्यक्त किया। वहीं बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित पत्रकार दीपक राज ने समाज की एकता व अखंडता बनाए रखने के लिए एकजुट होकर सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज को सही दिशा में ले जाने का हमारा पूरा प्रयास रहेगा। वहीं उन्होंने

अगले माह की पहली रविवार को मंगरा पंचायत के मुगीर्डीह में आहूत बैठक में ज्यादा से ज्यादा संख्या में समाज के लोगों को शामिल होने का निवेदन किया। बैठक में प्रेम शंकर प्रसाद, बालचंद प्रजापति, राजदेव प्रजापति उमेश प्रजापति, प्यारी प्रजापति, देवराज प्रजापति, कमलेश प्रजापति, हेमलाल प्रजापति, संतोष प्रजापति, सुदामा प्रजापति, बृज किशोर प्रजापति, ईश्वरी प्रजापति, नागेंद्र प्रजापति, मनोज प्रजापति, भुनेश्वर प्रजापति, विद्या प्रजापति आदि मौजूद थे।

नामुदाग में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित, बोले प्रमुख

गरीबों तक हर हाल में पहुंचेगी विकास योजनाएं

नवीन मेल संवाददाता

मनिका। प्रखंड के नामुदाग पंचायत सचिवालय में दिन सोमवार को सरकार की आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय विकास शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुभारंभ उपस्थित सभी मुख्य अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।उक्त कार्यक्रम में प्रखंड के सभी विभागों के अलग-अलग स्टॉल लगाए गए थे। गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने अपनी समस्या से जुड़ी आवेदन संबंधित कर्मियों के पास जमा किया। मौके पर मनिका प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष विश्वनाथ पासवान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार यह योजना खास तौर पर गरीबों के

लिए संचालित की गई है। इस योजना के माध्यम से समाज के सबसे अंतिम पायदान पर रहने वाले गरीबों तक योजना का लाभ पहुंच पाएगा।

गरीबों को वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन,राशन कार्ड सहित अन्य योजनाओं के लिए प्रखंड एवं जिला का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इसलिए इस योजना को धरातल पर उतारा गया है। उन्होंने कहा कि आपकी योजना, आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत लाभुकों को तुरंत योजना का लाभ देने का काम किया जा रहा है। गांव के ग्रामीण योजनाओं का लाभ लेने हेतु ज्यादा से ज्यादा संख्या में विकास शिविर में उपस्थित होकर आवेदन जमा करें। वहीं प्रखंड प्रमुख प्रतिमा देवी ने जनप्रतिनिधियों से भी आग्रह किया कि आप लोग भी अपने क्षेत्र के गरीबों तक सरकार की इस योजना का लाभ पहुंचाने का हरसंभव प्रयास करें। मौके पर उपस्थित प्रखंड प्रमुख प्रतिमा देवी, विधायक प्रतिनिधि दरोगी प्रसाद यादव, मनिका प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष विश्वनाथ पासवान,मुखिया दिनेश सिंह, बीपीओ अमित कुमार, उपप्रमुख कांति देवी, सुमन कुमार, शंभू यादव, समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

मनिका में चार साल की बच्ची के साथ दरिंदगी, आरोपी गिरफ्तार

लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र में चार साल की अबोध बच्ची के साथ निर्मम तरीके बलात्कार करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। घटना रविवार की देर शाम साढ़े सात बजे की बताई जाती है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के संबंध में पीड़िता की मां ने बताया कि बच्ची मेरे पास कंधे पर खेल रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाला एक युवक मेरे पास आया और बच्ची को अपने घर ले गया। घर ले जाकर बेरहमी के साथ बच्ची के साथ निर्मम तरीके से बलात्कार किया। मनिका थाना में पीड़िता के पिता ने आरोपी के विरुद्ध नामजद मामला दर्ज कराया है। थाना प्रभारी शुभम कुमार ने बताया आरोपी के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए लातेहार भेज दिया गया।

चेंबर ऑफ कॉमर्स के महिला विंग की अध्यक्ष बनी शर्मिला वर्मा

मेदिनीनगर। पलामू के वरदान ट्रस्ट के सचिव शर्मिला वर्मा को रविवार को चैंबर ऑफ कॉमर्स के महिला विंग का अध्यक्ष बनाया गया है । वो विगत सात सालों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। रोटी बैंक की झारखंड महिला कोआर्डिनेटर रहीं,कपड़ा बैंक के कार्यों को बरकरार रखते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कई सामाजिक मुद्दों पर बढ़चढ़कर काम किया । कोविड काल में आपदा मित्र के साथ मिलकर बहुत से सराहनीय कार्य किये। गांव गांव जरूरतमंद महिलाओं तक सेनेटरी नैपकिन पहुंचाया और आम जनता को राशन, मास्क, सेनेटाइजर, दवा की कोई कमी न हो इस बात का पूरा ख्याल रखा।

विधायक शिल्पी तिर्की के निर्देश पर लापुंग प्रखंड कांग्रेस का विस्तार

लापुंग प्रखंड कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष बने जयंत

नवीन मेल संवाददाता

लापुंग। लापुंग प्रखंड में कांग्रेस की कमेटी बेहद मजबूत स्थिति में है। कमेटी को और मजबूत बनाने के लिए कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा उक्त बातें लापुंग प्रखण्ड कार्यालय में कांग्रेस पार्टी के तत्वधान में लापुंग प्रखंड कांग्रेस कमेटी के विस्तार के दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष जयंत बारला ने कही। प्रदेश के प्रतिनिधि एम ए सिद्दीकी की देखरेख और अध्यक्ष जयंत बरला की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। बैठक के दौरान विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के निदेर्शानुसार पार्टी का सांगठनिक विस्तार किया गया। लापुंग प्रखंड के सभी पंचायतों में अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष का चयन किया गया। प्रखंड स्तरीय कमेटी में प्रखंड अध्यक्ष के रूप में जयंत बारला, युवा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जन्मेजय पाठक तथा मंडल अध्यक्ष सुदामा महली को बनाया गया। प्रखंड कार्यसमिति में संतोष तिर्की, सत्यनारायण पाठक, ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र वर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष प्रकाश राम को बनाया गया। प्रखंड के कार्यकारिणी समिति में सचिव सुखु लोहरा, कोषाध्यक्ष बोनीफास कोंगाडी तथा रामा मुंडा,अजय साहु, सुरेश साहू , शहजाद सहित महिला मंडल के पुर्व प्रमुख सुशीला बारला, सरोज मुंडा, सोनी जयसवाल, दुबराज साहु, पवन ठाकुर, महावीर साहु को शामिल किया गया।

ककरिया पंचायत के अध्यक्ष बने देवेंद्र वर्मा

पंचायत स्तरीय संगठन के लिए ककरिया पंचायत का अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, देवगांव पंचायत का अध्यक्ष संतोष तिर्की, मलगो पंचायत का अध्यक्ष सत्यनारायण पाठक, सापुकेरा पंचायत का अध्यक्ष सुनील होरो बोकरोन्दा पंचायत अध्यक्ष विरेंद्र साहु, महुगांव पंचायत अध्यक्ष बिनोद उरांव, हुलसू पंचायत अध्यक्ष प्रभुदान होरो, मलगो पंचायत अध्यक्ष सत्यनारायण पाठक, दानेकेरा पंचायत अध्यक्ष कृष्णा बडाईक, डाडी पंचायत अध्यक्ष दुबराज साहु का चयन किया गया। दोलैचा पंचायत और लतरातु पंचायत में सांगठनिक प्रक्रिया फिलहाल स्थगित कर दी गई है। इस मौके पर महावीर साहु, फिरेन्द्र साहु, दुर्गा नाथ पाईक, चरकू भगत तथा तमाम कांग्रेसी नेता गण नवनिर्वाचित अध्यक्ष कृष्णा बडाईक को प्रदेश प्रतिनिधि के द्वारा फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

पलामू में प्लास्टिक व कूड़े खाने के कारण गायों के सेहत पर बुरा असर

शहर में गाय, सूअर, कुत्ते सड़क दुर्घटना के बड़े कारण, निगम लापरवाह

अमर नाथ सोनी

मेदिनीनगर। मुख्यालय की सड़कों पर वाहनों के अतिरिक्त अवारा जानवरों का जमघट लगा रहता है। सड़कों पर अतिक्रमण हटाने को लेकर या अन्य कामों में नगर निगम और प्रशासन जितनी जल्दी सक्रिय हो जाती है वहीं सड़कों पर रहने वाले लावारिस और अवारा पशुओं के प्रति नगर निगम और प्रशासन मौन है। वहीं आम जनमानस भी इन पशुओं के प्रति संवेदनशील नहीं है। सड़कों पर इन पशुओं के कारण कई दुर्घटना भी घट रही हैं। सड़कों पर इन पशुओं के कारण यातायात बाधित हो जाती है। जिससे जाम की स्थिति बनी है। इन पशुओं में गायों की संख्या सबसे ज्यादा है। जो दिन भर सड़कों पर लावारिस रूप से घूमती रहती है। इसके अलावा कुत्ता,और सुअरों का भी समूह शहर के विभिन्न सड़कों पर देखा जाता है।

कहाँ मिलते हैं आवारा मवेशियों का झुंड : शहर के कई सड़कों पर दिन भर पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है। लोगों के द्वारा दूध देने वाली गायों को भी सड़कों पर विचरण के लिए छोड़ दिया जाता है। सबसे ज्यादा लावारिस गायें साहित्य समाज चौक के पास मिलती हैं। जिसमें कुछ पालतू गायें भी होती हैं। चौक के चारो ओर गायें बैठी रहती हैं। जिसके कारण कभी भी बडी दुर्घटना घट सकती हैं। गायों के अलावा कुत्ते और सूअर भी मिलते है। कन्नी राम के पास भी कूड़ों के बीच में लावारिस जानवरों का झुण्ड रहता है। बसंत बहार के पास कूड़ों में जानवर नजर आते हैं। इन पशुओं में कुछ पालतू जानवर भी होते हैं। जिसे उनके मालिकों द्वारा दिन में छोड़ देते हैं। रात के समय भी इन लावारिस गायों को देखने वाला

कोई नहीं होता है। पूरी रात बाजार के गुड़ पट्टी और आढ़त रोड में इन गायों का बसेरा बना रहता है। सड़कों पर कुत्ते भी खतरे का सबब बने रहते हैं।

गायों के सेहत पर असर : स्थानीयद गौशाला समिति के सचिव सुरेन्द्र विश्वकर्मा ने बताया कि लोगों के द्वारा प्लाटिक में करके खाना फेंक दिया जाता है जो गायें खा जाती हैं। जिससे गायों के सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। कभी- कभी ये प्लास्टिक गायों के मौत का कारण भी बन रही हैं। दूसरी तरफ लोगों के द्वारा ब्लेड,लोहे की पिन और अल्मुनियम के छोटे छोटे टुकड़ों को कूड़ों के साथ बाहर फेंक दी जाती हैं। जिससे गायों के द्वारा निगल लिया जाता है। स्थानीय निवासी सुरेन्द्र ने बताया कि चिकना पर्दाथ जैसे आटा, चावल से भी गायों के सेहत पर बुरा असर डाल रहे हैं। होटलों से निकल हुआ बासी और खराब हो गया खाना भी गायों के लिए जहर के समान होता है।

क्या स्थिति है गौ शाला का : शहर में गौ शाला का भी प्रबन्ध है । जहाँ सभी गायों को रखा जाता है। गौ शाला समिति का भी तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी नैंसी सहाय की अध्यक्षता में गठन किया गया था। गौ शाला समिति के सचिव सुरेन्द्र विश्वकर्मा ने बताया कि अभी गौशाल में दो दर्जन गायें है। जिसका रख रखाव समिति के द्वारा किया जाता है। उन्होंने बताया कि गौ शाला का संचालन जनसहयोग से ही चल रहा है । गायों को चराने के लिए चरवाहे की ब्यवस्था की गयी है। हमारे पास संसाधनों का अभाव है । यदि सड़कों पर रहने वाली सभी गायों को लेकर गौ शाला लाया जाये तो गायों की संख्या 500 के करीब हो जायेगी और ऐसी स्थिति में सभी गायों के समुचित खान पान की ब्यवस्था नहीं हो पायेगी। उन्होंने बताया कि लोगों में जागरूकता का भी बहुत अभाव है। नगर निगम के द्वारा भी अभी तक कोई सुध नहीं लिया गया है। प्रशासन को भी लावारिस पशुओं की जानकारी दी गयी है लेकिन अभी तक कोई भी सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया है।

राज्य सरकार के खिलाफ भाजपा का विरोध प्रदर्शन 12 नवंबर को

चंदवा। भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष अमित कुमार की अध्यक्षता में चंदवा स्थित पथ निर्माण विश्रामागार में बैठक का आयोजन किया गया। बीजेपी की बैठक में निर्णय लिया गया कि झारखंड सरकार के जन विरोधी नीतियो, भ्रष्ट शासन के भ्रष्टाचार में डूबे सरकार के विरोध में विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम शनिवार 12 नवंबर को सुबह साढ़े दस बजे कृषि फार्म कुसुमटोली से प्रखंड मुख्यालय चंदवा तक हजारों की संख्या में किया जाना सुनिश्चित किया गया। बैठक में मंडल अध्यक्ष अमित कुमार के अलावे पुर्व मंडल अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि महेन्द्र प्रसाद साहू, पूर्व जिला महामंत्री देवमोहन सिंह,पूर्व मंडल अध्यक्ष रामबृक्ष चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष आशिष सिंह, मंडल महामंत्री दीपक निषाद, मंडल मंत्री मनीष गुप्ता, हीरामणि देवी, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष देवमणि बैद्य आदि मौजूद थे।

राज्य किसान सभा के नवनिर्वाचित राज्य अध्यक्ष ने की प्रेस वार्ता

राज्य में किसान मुद्दों पर आंदोलन तेज होगा: सुफल

नवीन मेल संवाददाता

मुरी। झारखंड राज्य सभा का सातवा सम्मेलन संपन्न होने के बाद आज सोमवार को झारखंड राज्य किसान सभा के नवनिर्वाचित राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने प्रेस वार्ता की।इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं गरीब का बेटा को झारखंड राज्य किसान सभा अध्यक्ष बनाने के लिए सभी को धन्यवाद देता हूं। सम्मेलन ने पूर्ण विश्वास जताया है और मैं पूर्ण विश्वास के साथ पारित मुद्दों को लागू करने तथा पूरे किसानों के हित के लिए समर्पित होकर टीम भावना से किसान लोग को संगठित करने के लिए आंदोलन को बढ़ाने के लिए अपनी पूरी जिम्मेवारी को ईमानदारी पूर्वक निभाऊंगा। उन्होंने कहा कि 2 करोड़ लोगों की शहादत के बाद समाजवाद का निर्माण हुआ तथा फासीवाद का खात्मा हुआ था। उन शहीदों को नमन करने के साथ

आज 7 नवंबर को नवंबर क्रांति के दिवस को उन शहीदों को सलामी देते हुए झारखंड में किसान आंदोलन के लिए उसको उनका बलिदान को सामने रखते हुए झारखंड के शहीदों सिद्धू कान्हू ,फूलो झानो और बिरसा मुंडा के बलिदान को सामने रखते हुए हमारे जो शहीद किसान हैं लक्ष्मीकांत स्वासी, रघुनाथ महतो, द्वारिका महतो, शशोधर मुंडा ,गोपाल मुंडा सहित जिले के शहीदों को सामने रखते हुए किसान आंदोलन को विकसित करेंगे। किसान आंदोलन का गढ़ तैयार करेंगे। किसान आंदोलन को विकसित करेंगे। इस नाम के साथ गगनभेदी नारों के साथ सम्मेलन का समापन हुआ। अब झारखंड में सिंचाई क्षेत्र का विस्तार, नहर का विस्तार, सिंचाई क्षेत्र के दूसरे संसाधनों को खोज कर सरकार विस्तार करें। इस मुद्दे को लेकर हम जोरदार आंदोलन करेंगे ।सम्मेलन के अन्य कई प्रस्ताव पारित किए गए जिसमें महिला दुष्कर्म का मामला डायन हत्या का मामला सामाजिक उत्पीड़न के मामले का मुद्दा को लेकर भी किसान सभा हस्तक्षेप करेगा। यह बातों को सम्मेलन में रखा गया। इस मौके पर अमर महलों, अरुण कुमार, संतोष कुम्हार, चितरंजन महतो,सदानंद सुनार इत्यादि उपस्थित थे।

सम्पादक की कलम से...

राहत भरी खबर..

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सोमवार का दिन बड़ी राहत देने वाला दिन साबित हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने सीएम हेमंत सोरेन को बड़ी राहत देते हुए यह फैसला सुनाया है कि यह सुनवाई के योग्य नहीं है। इसे लेकर राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा में बेचैनी होना स्वभाविक है। बहरहाल हेमंत ने इस फैसले के बाद अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया। लिखा सत्यमेव जयते। लेकिन यह राहत परमानेंट नहीं समझा जाना चाहिए। सीएम के खिलाफ खनन पट्टा लीज और शेल कंपनी मामले को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में दर्ज पीआईएल को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई योग्य नहीं माना है। इस प्रकार थोड़ी देर के लिए ही सही सीएम हेमंत सोरेन को बड़ी राहत मिली है। गौरतलब है कि याचिकाकर्ता शिवशंकर शर्मा द्वारा दाखिल पीआईएल को झारखंड हाईकोर्ट ने सुनवाई योग्य माना था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सीएम हेमंत ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सीएम का पक्ष रख रहे एडवोकेट जनरल राजीव रंजन ने बताया कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि शिवशंकर शर्मा का पीआईएल राजनीति से प्रेरित है। इसका कोई कानूनी आधार नहीं है। ऐसे में बता दें कि मुख्यमंत्री बीते कुछ समय से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अनगड़ा में खनन पट्टा लीज से जुड़े ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में चुनाव आयोग का मंतव्य राजभवन आ चुका है लेकिन राज्यपाल रमेश बैस ने इसे सार्वजनिक नहीं किया। राज्यपाल ने हाल ही में रायपुर में एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग से दूसरा मंतव्य मांगा है। अब जानकारी मिली है कि मुख्यमंत्री ने अपने वकील के माध्यम से चुनाव आयोग को कहा कि बिना उनका पक्ष जाने राज्यपाल को दूसरा मंतव्य नहीं दिया जाये। वहीं, सीएम ने चुनाव आयोग से ये भी मांग की है कि राज्यपाल द्वारा दूसरे मंतव्य से जुड़े पत्र की प्रति उन्हें भी उपलब्ध कराई जाए ताकि वे उचित कानूनी कदम उठा सकें। इससे पहले मनी लाउंड्रिंग और अवैध खनन मामले की जांच कर रही ईडी ने मुख्यमंत्री को समन जारी करके पूछताछ के लिए बुलाया था। सीएम को 3 नवंबर को रांची स्थित ईडी ऑफिस में आना था लेकिन वे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम का हवाला देकर रायपुर गये और वहां आदिवासी नृत्य महोत्सव में हिस्सा लिया। सीएम ने ईडी को पत्र लिखकर 3 सप्ताह का समय मांगा है। इस बीच मुख्यमंत्री ने समन जारी किए जाने के बाद बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि मेरे खिलाफ सबूत हैं तो समन क्यों। एजेंसी मुझे गिरफ्तार करे। सीएम ने कहा कि जो लोग राजनीतिक रूप से हार गये हैं वे संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर आदिवासियों को दबाना चाहते हैं। अपने कार्यक्रम सरकार आपके द्वार में पलामू प्रवास में ईडी का हवाला देते हुए जो कुछ भी उन्होंने कहा,उस पर लोगों में काफी प्रतिक्रिया है। उन्होंने यहां तक कहा कि क्या मैं चोर उच्चक्का हूं। जो समन भेजा जा रहा है। ऐसे में खास एक तपके में सहानुभूति देखा और समझा गया। लेकिन सवाल है कि अगर कोई व्यक्ति पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं तो बेचैन और घड़बड़ाने की भी कोई वजह नहीं होनी चाहिए। अगर कोई साफ सुथरा है तो सिर्फ आरोप लगा देने से कोई दोषी नहीं हो जाता है। वैसी स्थिति में राज्य के मुख्यमंत्री के पास पर्याप्त संख्या बल होने के बाद भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्हें डटकर इसका सामना करना चाहिए।

आज का इतिहास

1864 : कलकत्ता (अब कोलकाता) शहर में चक्रवात से लगभग 50,000 लोगों की मौत।
1875 : सैन फ्रांसिस्को ने मार्केट स्ट्रीट पर पैलेस होटल की स्थापना की।
1880 : अलोंजो टी क्रॉस ने पहले बॉल प्वॉइंट पेन का पेटेंट कराया।
1902 : मैकडोनाल्ड्स को दुनिया के सबसे कामयाब फूड ऑपरेशन में बदलने वाले रे क्रॉक का जन्म।
1910 : पुर्तगाल में राजशाही खत्म और गणतंत्र की स्थापना हुई।
1915 : बुल्गारिया ने प्रथम विश्व युद्ध में हिस्सा लिया।
1944 : फ्रांस में महिलाओं को मताधिकार मिला।
1948 : तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्काबात में भूकंप से 110,000 लोगों की मौत हुई।
1969 : मोंटी पायथन फ्लाइंग सर्कस पहली बार बीबीसी वन पर प्रसारित हुआ।
1988 : ब्राजील की संविधान सभा ने संविधान को मंजूरी दी।
1989 : मीरा साहिब बीवी भारतीय सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज बनीं।
2011 : एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स का 56 वर्ष की आयु में पैंक्रियाज कैंसर के कारण निधन।
2011 : भारत में दुनिया का सबसे सस्ता 2250 रुपये का टैबलेट पीसी 'आकाश' लॉन्च किया गया।
1302 : बैजेंटाइन साम्राज्य तथा वेनिस गणराज्य के बीच शांति समझौता हुआ।
1824 : मेक्सिको गणराज्य बना।
1830 : नीदरलैंड से अलग होकर बेल्जियम नया देश बना।
1884 : हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध आलोचक, निबंधकार एवं साहित्यिक इतिहासकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल का जन्म।
1931 : हिंदी एवं बांग्ला पार्श्व गायिका संध्या मुखोपाध्याय का जन्म।
1957 : सोवियत संघ (अब रूस) ने मानव इतिहास का पहला 83.5 किलोग्राम वजनी उपग्रह स्पूतनिक को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंचाया। इस उपग्रह ने 92 दिन में 1400 बार पृथ्वी का चक्कर लगाया और पहली बार अंतरिक्ष से पृथ्वी पर रेडियो संदेश भेजा।

अतार्किक दोहन के खतरनाक नतीजे

> जीवाश्म ईंधन में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। मगर विकसित व विकासशील सहित तमाम देश जिस रफ्तार से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं, उसे देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले एक सौ चौदह वर्षों में कोयले के भंडार दुनिया में समाप्त हो जायेंगे। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह पंद्रह लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल तिरपन सालों का भूमिगत तेल शेष है। प्रकृति के अतार्किक दोहन का ही नतीजा है कि भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है।

प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति तो बहुत आसानी से की जा सकती है, मगर इस दौर में जिस तरह आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग और संग्रहण की भूख लगातार बढ़ती जा रही है, उसमें लोग प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने को मजबूर हो गये हैं। कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से अगर विकासशील और अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगें तो इसके लिए केवल एक धरती से काम चलने वाला नहीं है। जल्दी ही हमें ऐसी चार पृथ्वी की आवश्यकता होगी। जिस गति से कोयला, गैस, तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है, उसे देखते हुए आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार पर पहुंच सकते हैं। 'बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू आफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 201' के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, अगर यही रफ्तार जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आने वाले बावन वर्षों में समाप्त हो जायेंगे। जीवाश्म ईंधन में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। मगर विकसित व विकासशील सहित तमाम देश जिस रफ्तार से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं, उसे देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले एक सौ चौदह वर्षों में कोयले के भंडार दुनिया में समाप्त हो जायेंगे। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह पंद्रह लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल तिरपन सालों का भूमिगत तेल शेष है। प्रकृति के अतार्किक दोहन का ही नतीजा है कि भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले चालीस वर्षों में कृषि योग्य तैंतीस फीसद भूमि या तो बंजर हो चुकी है या उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। इसके चलते पिछले बीस वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग बीस फीसद तक घट गई है। इस पृथ्वी के कुल पानी का 97.5 फीसद समुद्र में है, जो कि खारा है। 1.5 फीसद बर्फ के रूप में उपलब्ध है। केवल एक फीसद पानी पीने योग्य है। वर्ष 2025 तक भारत की आधी और दुनिया की 1.8 अरब आबादी के पास पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं होगा। यानी पीने के मीठे पानी का अकाल पड़ने की पूरी संभावना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पीनी के पानी के लिए हर गांव, हर गली-मोहल्ले में पानी के लिए युद्ध होंगे। पर हम इसके बारे में अभी तक जागरूक नहीं हुए हैं। आगे आने वाले समय में परिणाम बहुत गंभीर होने वाले हैं। कई पर्यावरणविदों का मत है कि पिछले चालीस साल से भी अधिक समय में वृक्षारोपण के नाम पर ऐसे वृक्ष देश में लगाये गये हैं, जो आज पर्यावरण की बबार्दी का बहुत बड़ा कारण बन गये हैं। इन वृक्षों के कारण जमीन में पानी का तेजी से क्षरण हो रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों के जंगलों में चीड़ के करोड़ों वृक्ष लगाये गये हैं। चीड़ एक ऐसा वृक्ष है, जो बड़ी तेजी से भूमि के पानी को सुखा देता है। इसकी पत्तियों के विषैले प्रभाव से जंगल की लगभग सारी वनस्पतियां, पौधे और वृक्ष समाप्त हो जाते हैं। इन वृक्षों के अत्यधिक ज्वलनशील पत्तों के कारण हर वर्ष जंगलों में आग लगने की बड़ी घटनाएं होती हैं। इसमें करोड़ों जीव मरते हैं, जंगल नष्ट होते और भूमि का जल सूख जाता है। सैकड़ों-हजारों साल में बने जंगलों पर भी बहुत विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसके चलते करोड़ों एकड़ भूमि बंजर बन गई है। वनों की वर्षा जल को रोकने की क्षमता काफी क्षीण हो गई है। परिणामस्वरूप, वर्षाकाल में मैदानों में भयंकर बाढ़ आने लगी है। वनों की जल संग्रहण क्षमता समाप्त होने के कारण कई क्षेत्रों में सूखा पड़ता है, जल संकट होता है। हमारे सदा भरे रहने वाले नदी-नाले, चश्मे सूखने लगे हैं। फिर भी हम वृक्षारोपण के नाम पर चीड़ जैसे वृक्ष लगाते चले गये। हालांकि अब चीड़ के पेड़ लगाने की रफ्तार कम हुई है। पर सच तो यह है कि यह सब हमारी नासमझी का ही परिणाम है। बिना सोचे-समझे केवल विदेशों से आयातित योजनाओं या उनकी शरारतों का शिकार बन जाना भी आज की हमारी दुर्दशा के लिए एक जिम्मेदार कारक है। पर्यावरणविदों के अनुसार अब सीधा समाधान यही है कि जिस प्रकार हमने चीड़, पापुलर, युकेलिप्टिस, रोबीनिया, लुसीनिया, एलस्टोनिया, सिल्वर ओक, नकली अशोक, बाटलब्रश जैसे करोड़ों वृक्ष लगाकर पर्यावरण को बर्बाद किया है, पानी की भयंकर कमी पैदा की है।

■ प्रह्लाद सबनानी

दफ्तरी जिंदगी का घरेलू अध्याय

मैं रिटायर्ड हो चुका हूँ। सोचा अब जिंदगी की थकान में आराम का छौंका लगाऊँगा। मन में यह सोचकर किलकारियाँ गूँजने लगीं कि अब आने वाला हर दिन रविवार की तरह आज्ञाकारी, विनम्र और पालतू होगा। यहाँ तक कि दफ्तर में विदाई समारोह के दौरान मैंने बड़े घमंड के साथ कहा - अब मैं बीमा कंपनी के बाद बीबी की होम कंपनी ज्वाइन करने जा रहा हूँ। मुझे क्या पता था कि जिंदगी मेरा ही छौंका लगाकर मेरे भ्रम को हवा कर देगी। शब्दकोश में देखा 'रि' का अर्थ 'फिर से' और 'टायर्ड' का अर्थ 'थकना' है। मुझे यह अर्थ सही प्रतीत हुआ। पहले नौकरी करते-करते थक रहा था और अब धनिया-पुदीना के नाम पर बाजार के चक्कर लगाकर। पहले मैं घर का प्रधानमंत्री और पत्नी गृहमंत्री के साथ-साथ एक्सटरनल अफेयर्स का पद बिना किसी मतभेद के निभा रहे थे। अब भूमिका की अदला-बदली हो गई है। आदमी भले नौकरी न करता हो कोई बात नहीं, लेकिन घरवालों की आँखों में नहीं पड़ना चाहिए। वरना घर का कचरा उठाने से लेकर खच्चर की तरह पीठ पर बोझ लादने में डॉक्टरेट हासिल कर लेते हैं। पहले भोजन टिफिन में बंद होकर मेरे साथ ऐसे चलता जैसे वह मुझे राजा होने का अहसास करा रहा हो। अब बात कुछ और है। अब मैं घर का 'छोटू' बन गया है। दिन-रात मेरे कान में एक ही डायलॉग गूँजता रहता है - 'छोटू यह ला। छोटू वह ला।' अब हाथ और पैर मेरे मनमर्जी के मालिक नहीं रहे। वे कुछ न कुछ लाने के लिए घर के किसी न किसी सदस्य के पास सरेंडर पड़े रहते हैं। सच है रिटायरमेंट से पहले आदमी का महत्व अपने आप बदल जाता है। एक दिन मैं अपनी रिटायरमेंट की फाइल की ताक-झांक कर रहा था। वेतन के नाम पर पेंशन और घर भर की टेंशन मेरे गले की फांस बन गया था। तभी मैं-वादी की मोर्चा संभालने वाली मेरी धर्मपत्नी किसी आतंकवादी की तरह मेरे सामन चाकू धरते हुए टूट पड़ी - यह दफ्तर नहीं है कि फाइल में मुँह घुसाये सब्जी कटाई जैसी जरूरी काम से पल्ला झाड़ लेंगे। घर मतलब घर होता है। दफ्तर की तरह काम से जी चुराने के बहाने यहाँ नहीं चल सकते। यह सब्जी काटो। ध्यान रहे कि एकदम बारीक-बारीक काटना और छिलके नीचे मत गिराना। दफ्तर की तरह बार-बार आपकी गलती को टाइप करने वाले टाइपिस्ट यहाँ नहीं बैठे हैं कि आपकी हर नखरे सहते बैठेंगे। रिटायरमेंट के बाद ऐसे स्वर्णिम दृश्यों की मेरे पास कोई कमी नहीं है। अब मेरे पास कोई आकर बैठने से डरता है कि कहीं उन्हें कुछ दृश्य उदार में न दे दूँ। फिर मुझे ख्याल आता है कि अच्छा ही है जो मेरे पास कोई आकर नहीं बैठता। एक के दुखी होने का मतलब यह नहीं कि औरों को दुखी किया जाय। किसी की खुशी का कारण न बनने से अधिक किसी के दुख का कारण न बनना ही आज का सबसे बड़ा उपकार है।

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

इमरान पर हमले से उपजे सवाल

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर जानलेवा हमले के बाद कई तरह की चर्चा पुरजोर है। कोई इसे 'पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान की बदले की कार्रवाई' कह रहा है, तो कोई 'इमरान खान का मास्टर प्लान'। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं में जिस इंसान को गोली लगती है, उसके पक्ष में सहानुभूति पैदा होती है और उसे इसका सियासी लाभ मिलता है। मगर क्या इमरान खान को अभी इसकी जरूरत है? गुजरे जुलाई माह में पाकिस्तान के हिस्से वाले पंजाब की विधानसभा की 20 सीटों के लिए जब उप-चुनाव हुए थे, तब इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने एकतरफा 15 सीटों पर जीत हासिल की थी। साफ है, पीटीआई को लोग पसंद करते हैं। ऐसे में, ताजा घटनाक्रम काफी संवेदनशीलता की मांग करता है। सतही कयासबाजी के बजाय हमें वहां की जांच एजेंसियों के नतीजों का इंतजार करना चाहिए। असली सवाल यह है कि पाकिस्तान में आम लोगों के हाथों में आसानी से हथियार कैसे आ गये हैं? यह बहुत कुछ अमेरिका जैसा है, जहां हर किसी के पास बंदूक है और यह भरोसा नहीं कि कौन किस मंशा से गोली चला दे। हालांकि, दोनों देशों में बड़ा अंतर यह है कि अमेरिका बंदूक रखने को वैधानिक स्वीकृति दे चुका है, जबकि पाकिस्तान में इसके लिए लाइसेंस लेना पड़ता है, बिल्कुल हमारे देश की तरह। जहां तक नॉर्थ-वेस्ट फ्रंटियर प्रोविन्स (अब खैबर पख्तूनख्वा) का सवाल है, तो वहां करीब एक दशक (1979-89) तक चले सोवियत-अफगान युद्ध के समय भारी मात्रा में असलहा पहुंचे थे। उस गुरिल्ला जंग में एक तरफ अफगानिस्तान के मुजाहिदीन थे, तो दूसरी तरफ तत्कालीन सोवियत संघ (अब रूस) के जवान। तब पाकिस्तानी फौज व उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के जरिये मुजाहिदीन को भारी मात्रा में हथियार उपलब्ध कराये गये थे, जिनमें विदेश (खासकर अमेरिका) से मिले हथियार भी थे। उस दौर में असलहा बनाने वाली कई अनधिकृत कंपनियां भी फ्रंटियर में खुलीं, जहां से बिना किसी लाइसेंस से हथियार खरीदे जा सकते थे। बाद के वर्षों में इस सबका असर पंजाब सूबे पर भी पड़ा। संभवतः इसी खतरे को भांपकर अमेरिका ने युद्ध-समाप्ति के बाद अपनी स्टिंगर मिसाइलें मुजाहिदीन को भारी कीमत चुकाकर वापस खरीदीं। ऐसा लगता है कि साल 2007 में पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो पर चली गोलियां उसकी आशंका को सच साबित कर गई। यहां यह नहीं कहा जा सकता कि राजनेता इसको शह देते हैं। कोई भी प्रधानमंत्री नहीं चाहेगा कि उसके अवाम के हाथों में बंदूक हो। इससे अराजक स्थिति पैदा होती है। असल में, वहां के नेता यह समझ नहीं पा रहे कि इस समस्या से कैसे पार पाया जाए? हां, कानून लागू करने वाली एजेंसियों को जरूर कठघरे में खड़ा किया जा सकता है, जो शायद उतनी तत्पर नहीं हैं, जितनी तत्परता उनको दिखानी चाहिए। नियमों की बात करें, तो भारत व पाकिस्तान के कानून में शायद ही कोई अंतर है। मुझे याद है, 1988 में जब बतौर प्रधानमंत्री राजीव गांधी पाकिस्तान जाने वाले थे, तब मैं अपनी सेवा वहीं दे रहा था। उस वक्त उसके सूबाई व मुल्क के आला पुलिस अधिकारियों के साथ हमारी नियमित सुरक्षा बैठकें हुआ करती थीं। जब दिल्ली से आने वाले पुलिस अधिकारियों के साथ उनकी मेल-मुलाकात शुरू हुई, तो एकाध बैठकों के बाद ही हमें एहसास हो गया कि दोनों देशों के कानून कमोबेश समान हैं। अंतर सिर्फ यह है कि हमारी 'रूल्स-बुक' का जिल्द नीला है और उनका हरा, जिससे वे अपनी नियम-पुस्तिका को 'ग्रीन बुक' कहते हैं। पाकिस्तान में 'बंदूक संस्कृति' ने किस हद तक अपनी पैठ बना ली है, इसका अंदाज इस एक घटना से लग जाता है कि जब करीब एक दशक पहले वहां के एक सेवानिवृत्त अधिकारी भारत आए थे (वह पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी रह चुके थे), तो उन्होंने व्यक्तिगत मुलाकात में एक दिलचस्प वाकये का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके यहां फ्रंटियर का एक युवक काम करता था, जो एक बार छुट्टी लेकर अपने घर गया, मगर काफी दिनों तक वापस नहीं लौटा। उनको चिंता हुई, तो उन्होंने उसकी खोज-खबर लेने का प्रयास किया। संपर्क साधने पर उस युवक ने कहा कि वह पूरी तरह ठीक है, बल्कि वह एक स्थानीय तंजीम (गुट) में शामिल हो गया है, जिसे अब वह नहीं छोड़ना चाहता। जब उस अधिकारी ने उसे इसके खतरे बताये, तब उसने दृढ़ता से कहा, उसे बंदूक दी गई है और जब बंदूक हाथ में होती है, तो इलाके में रुतबा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। मेरा मानना है कि इस तरह की सोच अब पूरे पाकिस्तान में विस्तार पा चुकी है। इमरान खान पर गोली चलाने वाले शख्स ने किस वजह से बंदूक उठाई या हमला करने के पीछे उसकी मंशा क्या थी।

■ टीसीए रंगाचारी

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्

अथ प्रथमोऽध्यायः

जगन्नाथ विष्णुका यह क्रोध देखकर वे तत्काल अपने पिताके पास गये और उन सूर्यसे शापसे सम्बन्धित कथा बतायी ॥ 9 ॥

इसके बाद कमलके समान नेत्रोंवाली वे दुःखित लक्ष्मीजी जगदीश्वर विष्णुजीसे आज्ञा लेकर उन्हें प्रणाम करके मृत्युलोकमें आ गयीं। सूर्यकी पत्नीने पूर्वकालमें सुपर्णाक्षकी उत्तरदिशामें यमुना-तमसा नदीके संगमपर सभी मनोरथ पूर्ण करनेवाले तथा सुन्दर बनोंसे सुशोभित जिस स्थान पर कठोर तपस्या की थी. वहीं वडवारूपधारिणी वे लक्ष्मीजी शीघ्र पहुँच गयीं ॥ 10-12 ॥

वहाँ रहकर वे लक्ष्मीजी समस्त कामनाएँ पूर्ण करनेवाले, त्रिशूलधारी, चन्द्रशेखर, पाँच मुखोंवाले, दस भुजाओंवाले, गौरीके शरीरका अर्ध भाग धारण करनेवाले, कर्पूरके समान गौर शरीरवाले, नीले कण्ठसे सुशोभित, तीन नेत्रोंवाले, व्याघ्रचर्म धारण करनेवाले, हाथीके चर्मका उत्तरीय धारण करनेवाले, गलेमें नरमुण्डकी मालासे मण्डित तथा सर्पका यज्ञोपवीत धारण करनेवाले महादेव शंकरका एकाग्रमनसे ध्यान करने लगीं ॥ 13-15 ॥

सागरपुत्री लक्ष्मीजीने सुन्दर घोड़ीका रूप धारण करके उस तीर्थमें अत्यन्त कठोर तपस्या की ॥ 16 ॥

हे राजन! महादेव शंकरका ध्यान करते-करते लक्ष्मीजीके मनमें वैराग्यका प्रादुर्भाव हो गया। इस प्रकार [उनको तप करते हुए] एक हजार दिव्य वर्ष बीत गये ॥ 17 ॥

तदनन्तर प्रसन्न होकर त्रिनेत्रधारी भगवान शंकरने वृषभपर सवार होकर पार्वतीजीके साथ उन्हें साक्षात दर्शन दिया ॥ 18 ॥

भगवान शंकरने अपने गणोंसहित वहाँ आकर तप करती हुई वडवारूपधारिणी महाभागा विष्णुप्रिया लक्ष्मीजीसे कहा- ॥ 19 ॥

हे कल्याणि ! हे जगज्जननि! आप तपस्या क्यों कर रही हैं? मुझे इसका कारण बतायें। आपके पति विष्णु तो स्वयं सम्पूर्ण मनोरथ पूर्ण करनेवाले तथा सभी लोकोंका विधान करनेवाले हैं ॥ 20 ॥

हे देवि! भोग तथा मोक्ष प्रदान करनेवाले जगत्पति वासुदेव जगन्नाथ विष्णुको छोड़कर इस समय आप मेरी आराधना किसलिये कर रही है? ॥ 21 ॥

स्त्रियोंके लिये पति ही उनका देवता होता है इस वेदोक्त वचनका उन्हें पालन करना चाहिये। किसी दूसरेमें कभी कहीं भी भावना नहीं करनी चाहिये ॥ 22 ॥

पतिकी सेवा-शुश्रूषा ही स्त्रियोंका सनातन धर्म है। पति चाहे जैसा भी हो, कल्याणको इच्छा रखनेवाली स्त्रीको निरन्तर उसकी सेवा करनी चाहिये ॥ 23 ॥

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

सभी टूटे नल की मरम्मत हो

जल ही जीवन है ,जल है तो कल है' भविष्य के लिए पानी बचाएं' लेकिन पानी की बर्बादी उतना ही हो रहा है। शहर के सप्लाई नल का टोटी टूटने से प्रतिदिन सुबह शाम हजारों लीटर पानी की बर्बाद हो रही है। वार्डों में लगाए गए अधिकांश सार्वजनिक नलों की टोटी टूटी है या फिर पूरा नल ही गायब है। लोग प्लास्टिक पाइप लगाकर या फिर अन्य जुगाड़ से काम चला रहे हैं। यदि इसी तरह से पानी की बबार्दी जारी रही तो आने वाले समय में शहर में गंभीर पेयजल संकट हो सकता है। शहर के 35 वार्डों में लगे अधिकांश सार्वजनिक नलों में टोटी नहीं हैं। जिसकी वजह से प्रतिदिन सुबह से शाम तक हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह जाता है। मोहल्लों के टूटे नलों को देखकर जाना जा सकता है कि इन मुहावरे का कितना असर लोगों पर हो रहा है। इसके लिए शासन की तरफ से न तो पहल की गई और न ही लोगों को जागरूक करने को कोई अभियान चलाया गया। मोहल्ले में लगे नलों की टोटी टूटने के बाद ना तो उन्हें सुधारा गया और न ही इसकी लोगों ने कभी शिकायत निगम व संबंधित विभाग से की है। वार्डों के अधिकतर नलों में पाइप नहीं होने से लोग प्लास्टिक पाइप लगाकर काम चला रहे हैं। इससे पानी व्यर्थ बहने से आसपास पानी का जमाव होता है जो कि धीरे-धीरे बीमारियों का कारण बनता है। वहीं मोहल्ले में इस कारण गंदगी भी फैलती है। इसकी वजह से मच्छरों का प्रकोप भी दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। जिसकी वजह से लोगों की परेशानियां और भी बढ़ती ही जा रही हैं। मै लोकप्रिय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राष्ट्रीय नवीन मेल के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जहां भी पानी की बर्बादी हो रही है।

■ गौतम कुमार , मेदिनीनगर।

50 सालों में 70 फीसदी कम हो गये हैं वन्य जीव

हाल में आई विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2022' के मुताबिक पिछले 50 वर्षों में दुनियाभर में स्तनधारी, पक्षी, उभयचर (ऐम्फिबियन), सरीसृप (रेप्टाइल्स), मछली सहित वन्यजीवों की आबादी 69 फीसदी कम हुई है। 'लिविंग प्लैनेट सूचकांक' के अनुसार 5,230 प्रजातियों के 31,821 जीवों की आबादी में गिरावट दर्ज हुई है, जो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में चौंकाने वाली दर से घट रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 1970 के बाद से वन्य जीवों की आबादी में लैटिन अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्रों में 94 फीसदी, जबकि अफ्रीका में 66 और एशिया में 55 फीसदी की गिरावट आई है। इसके पीछे वनों की कटाई, प्रदूषण, जलवायु संकट और विभिन्न बीमारियों का हाथ तो है ही आक्रामक नस्लों का उभार जैसे कारण भी बताये जाते हैं। 1970 के बाद से मछली पकड़ने में करीब 18 गुना वृद्धि होने के कारण शार्क और 'रे' मछलियों की संख्या में 71 फीसदी और ताजा पानी में रहने वाली प्रजातियों में सर्वाधिक 83 फीसदी गिरावट दर्ज की गई है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के मुताबिक प्रवास के मार्ग में आने वाली बाधाएं प्रवासी मछलियों की नस्लों के समक्ष आय खतरों के लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं। आईयूसीएन (इंटरनैशनल यूनियन फॉर कन्जर्वेशन ऑफ नेचर) ने 2021 की रिपोर्ट में विश्वभर की करीब 1.35 लाख प्रजातियों का आकलन करने के बाद बताया कि 900 जैव प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और 37,400 प्रजातियों को विलुप्ति के कगार पर मानकर 'रेड लिस्ट' में शामिल किया गया। कुछ खास प्रजातियों का यहां जिक्र कर सकते हैं। दुनिया के सबसे वजनदार पक्षी के रूप में जाने जाते रहे 'एलिफेंट बर्ड' का अस्तित्व अब धरती से खत्म हो चुका है। एशिया और यूरोप में मिलने वाले रोएंदार गैंडे की प्रजाति भी इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन चुकी है। समुद्र में 70 वर्ष का जीवन चक्र पूरा करने वाली डूगोंग प्रजाति की 'स्टेलर समुद्री गाय' भी विलुप्त हो चुकी है। द्वीपीय देशों में पाये जाने वाले डोडो पक्षी का अस्तित्व मिटने के बाद कुछ खास प्रजाति के पौधों के अस्तित्व पर भी संकट मंडरा रहा है। पर्यावरण विज्ञान जर्नल 'फ्रंटियर्स इन फॉरेस्ट एंड ग्लोबल चेंज' में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया है कि 97 फीसदी धरती की पारिस्थितिकी सेहत बेहद खराब हो चुकी है। मतलब यह कि मानवीय हस्तक्षेप के कारण पृथ्वी के जैव विविधता वाले क्षेत्रों में इतनी तबाही मच चुकी है कि धरती का केवल तीन फीसदी हिस्सा ही पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित बचा है। कारणों की सूची बनायें तो अलग-अलग स्रोतों से मिली सूचनाएं दिलचस्प तस्वीर पेश करती हैं। कई शोधकर्ताओं का कहना है कि अधिकांश प्रजातियां मानव शिकार के कारण लुप्त हुई हैं। अन्य कारणों में दूसरे जानवरों का हमला और बीमारी प्रमुख हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रही गर्मी से भी वन्यजीवों की आबादी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ क्राइम रिपोर्ट 2020 के मुताबिक वन्यजीवों की तस्करी दुनिया के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दुनियाभर में सर्वाधिक तस्करी स्तनधारी जीवों की होती है। उसके बाद के क्रम में रेंगने वाले जीवों की 21.3, पक्षियों की 8.5 और पेड़-पौधों की 14.3 फीसदी तस्करी होती है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के महानिदेशक मार्को लैम्बर्टिनी के अनुसार हम मानव-प्रेरित जलवायु संकट और जैव विविधता के नुकसान की दोहरी आपात स्थिति का सामना कर रहे हैं, जो वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए खतरा साबित हो सकती है। दुनिया जिस तेजी से आगे बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से वन्यजीवों की संख्या घट रही है। जंगलों में अतिक्रमण, कटान, बढ़ते प्रदूषण और पर्यटन के नाम पर गैर जरूरी गतिविधियों के कारण पूरी दुनिया में जैव विविधता पर मंडराता संकट पर्यावरण संतुलन बिगड़ने का स्पष्ट संकेत है। यदि इसमें सुधार के लिए शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाये गये तो आने वाले समय में जैव विविधता के क्षरण का सीधा असर पैदावार, खाद्य उत्पादन इत्यादि पर पड़ेगा, जिससे पूरा इको सिस्टम प्रभावित होगा। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

■ योगेश कुमार गोयल

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सौल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.) प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नयी दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

न्यूज गैलरी

पुलिस महानिदेशक के खिलाफ शुभेंदु की याचिका हाई कोर्ट में खारिज

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी की ओर से राज्य पुलिस महानिदेशक मनोज मालवीय के खिलाफ लगाई गई अदालत की अवमानना की याचिका को खारिज कर दी है। गत सात जनवरी को झाड़ग्राम के निताई में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शुभेंदु जा रहे थे जिन्हें पुलिस ने रोक दिया था। इसी को लेकर उन्होंने दावा किया कि हाईकोर्ट ने उन्हें राज्य के किसी भी हिस्से में जाने की छूट दी है लेकिन पुलिस ने उन्हें रोककर अदालत की अवमानना की है। उन्होंने पुलिस महानिदेशक मनोज मालवीय, झाड़ग्राम के पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के खिलाफ रूल जारी करने की मांग की थी। सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सब्यसाची भट्टाचार्य की एकल पीठ ने उनकी याचिका खारिज कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट में राज्य के महाधिवक्ता सोमेंद्र नाथ मुखर्जी ने दावा किया था कि नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह राज्य के किसी भी हिस्से में जा सकते हैं और उन्हें किसी भी तरह से ना कोई बाधा दी गई है ना आगे दी जाएगी। इस मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से रिपोर्ट भी तलब की थी और पुलिस महानिदेशक को सीधे कोर्ट में हाजिर होने को भी कहा था। वह हाजिर भी हुए थे। अब आखिरकार न्यायाधीश ने उस याचिका को खारिज कर दिया है।

सारण में पांच करोड़ रुपये मूल्य की बोरी जलकर नष्ट

छपरा (एजेंसी)। बिहार में सारण जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बाजार समिति स्थित राज्य खाद्य निगम की गोदाम में आग लगने से करीब पांच करोड़ रुपए मूल्य की बोरी जलकर नष्ट हो गयी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि रविवार की देर रात बाजार समिति स्थित राज्य खाद्य निगम के गोदाम में आग लग गयी। घटना की सूचना मिलने पर दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस घटना में करीब पांच करोड़ रुपए मूल्य की बोरी जलकर नष्ट हो गयी। सूत्रों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मामले की छानबीन की जा रही है।

स्टेशन से बाहर आती महिला की बैग से गायब हुआ रुपया, मामला दर्ज

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। सिलीगुड़ी जंक्शन स्टेशन में सोमवार को एक महिला के बैग से लगभग 40 हजार रुपया गायब होने की खबर सामने आयी है। महिला को इस बात की भनक तब लगी जब वह स्टेशन से बाहर वाहन लेने के लिए पहुंची। बताया जा रहा है कि भूटान सीमा अंतर्गत कैरन की निवासी शोभा देवी अपनी बेटी की शादी के लिए खरीदारी करने के लिए सिलीगुड़ी स्टेशन पर उतरी। जिसके बाद शोभा देवी सिलीगुड़ी जंक्शन स्टेशन से बाहर निकली। लेकिन जैसे ही वो बाहर निकली उनकी पैरो तले जमीन खिसक गई। उनकी बैग की चेन खुली थी और बैग में रखे करीब 40 हजार रुपये गायब थे। घटना के बाद शोभा देवी ने इसकी जानकारी जीआरपी को दी। जीआरपी ने पीड़ित महिला की शिकायत के बाद आगे की जांच शुरू कर दी है।

मोतिहारी में ईट भट्ठा से यूपी के बंधक बने 50 मजदूरों को कराया मुक्त

मोतिहारी (एजेंसी)। जिले के पहाड़पुर प्रखंड क्षेत्र एक ईट भट्ठा से बंधक बनाये गये 50 मजदूरो को मुक्त कराया गया है। जिसमें बच्चें और महिलाएं भी शामिल है। श्रम अधीक्षक सत्यप्रकाश ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि मजदूरो को बंधक बनाये जाने की सूचना के बाद श्रम विभाग व मोतिहारी पुलिस ने संयुक्त कारवाई करते हुए इन मजदूरो को मुक्त कराया। ये सभी मजदूर यूपी के रहने वाले है। विभाग द्वारा इनके बकाया मजदूरी का भुगतान कराकर घर भेज दिया गया है। उन्होने बताया कि पहाड़पुर थाना क्षेत्र के बॉस ईट भट्ठा चिमनी में कुछ मजदूरों से काम कराया जा रहा था। सभी मजदूर ठेकेदार के माध्यम से ईट भट्ठा चिमनी पर मजदूरी करने आये थे। लेकिन ठेकेदार ने इन्हें कुछ पैसा देकर फरार हो गया। वही जबकि ईट भट्ठा मालिक से ठेकेदार मजदूरो के नाम पर राशि का उठाव कर लिया था।उन्होने बताया कि जिले में ठेकेदार द्वारा इस प्रकार मजदूरो को बरगलाने की दुसरी घटना है।इसके पूर्व केसरिया में भी यूपी के मजदूरो के साथ ऐसा ही घटना हुआ था।

मोतिहारी में मोबाइल टॉवर पर चढ़ा युवक, उतारने के लिए देर शाम तक होती रही मशक्कत

मोतिहारी (एजेंसी)। जिले के पिपरा थाना क्षेत्र के चिंतामनपुर बाबू टोला में उस समय हाईवोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। जब एक युवक स्थानीय ग्रामीण जीतेन्द्र सिंह के दरवाजे पर लगी जियो कंपनी के मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया।लोगो के लाख प्रयास के बाद भी वह टॉवर से नीचे उतरने का नाम नही ले रहा था। इसकी सूचना के बाद हजारो लोग इस टॉवर के समीप पहुंच गये। वही स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना मोबाइल टॉवर कंपनी के अधिकारी और पुलिस को दी।जिनके द्वारा भी युवक को टॉवर से उतारने का काफी प्रयास किया गया। लेकिन करीब सात घंटे तक उन्हे भी सफलता मिल सकी।

देव दीपावली को लेकर सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भागलपुर (एजेंसी)। जिले के सुलतानगंज स्थित अजगैबिनाथ धाम में देव दिपावली और कार्तिक पूर्णिमा को लेकर सोमवार को गंगा घाट पर बिहार झारखंड सहित अन्य जगहों के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। परंपरा के अनुसार आज के दिन गंगा में देव देवताओं के द्वारा गंगा स्नान कर देवलोक में दिपावली का त्यौहार मनाते हुये कार्तिक पूर्णिमा का उत्सव मनाया जाता है। इस दिन को शुभ माना जाता है। अशोक पंडित ने बताया कि आज के दिन श्रद्धालु सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा घाट पर स्नान करते हुए पूजा पाठ करते हैं। खासकर कुमारी कन्याओं के द्वारा एक माह तक सुर्योदय से पहले स्नान कर कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान कर गंगा में फल और दीप प्रज्वलित करने से सारी मनोकामनाएं पूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि सोमवार को देव दिपावली है। आज कार्तिक पूर्णिमा है। इसके लिए बिहार झारखंड सहित अन्य जगह के भक्त पहुचकर गंगा स्नान करते हैं। जिससे उनकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

बनारस से आए पंडित सिहमा घाट पर करेंगे गंगा आरती, होगी राम कथा भी

बेगूसराय (एजेंसी)। बेगूसराय के पवन गंगा तट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को विभिन्न जगह पर गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा। बेगूसराय जिला मुख्यालय से सबसे करीबी गंगा घाट सिहमा में युवा ग्रुप द्वारा इस वर्ष भी गंगा महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर बनारस से आए पंडित जहां आरती करेंगे, वहीं रामचरित्र दास द्वारा रामकथा भी किया जाएगा। स्थानीय समाजिक कार्यकर्ता राघव कुमार सिंह ने बताया कि आज से पांच वर्ष पहले जब सिहमा गंगा घाट (बबुरबन्ना टोल घाट) पर गंगा आरती की शुरूआत की तो सोचा नहीं था कि यह आगाज एक वृहत स्वरूप भी ले पाएगा। लेकिन जब आप कोई ईमानदार प्रयास करते हैं तो निश्चित ही लोगों का जुड़ाव आपके विचार को विचारधारा का स्वरूप देता है। लगातार तीन वर्ष गंगा आरती करवाने के बाद 2020 में कोरोना काल में साथियों ने गंगा स्वच्छता और सनातन संस्कृति की रक्षा को लेकर इस पहल को एक नया आयाम दिया तथा कोविड संक्रमण के कारण छोटे स्वरूप में गंगा आरती का आयोजन किया गया। 2021 में गंगा आरती के आयोजन थोड़ा भव्य स्वरूप दिया गया था। इस वर्ष एक बार फिर सभी युवा साथियों ने तय किया कि अब समय आ गया है जब बेगूसराय जिला मुख्यालय से निकटतम इस महत्वपूर्ण गंगा घाट पर गंगा आरती के आयोजन को राज्य स्तरीय स्वरूप दिया जाए।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दरबार में 75 लोगों की सुनी फरियाद

विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के दिए निर्देश

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को जनता दरबार में 75 लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। मधेपुरा जिले से आए एक फरियादी ने कहा कि उसकी कुछ जमीन उसके पड़ोसी ने कब्जा कर लिया है और उस पर उसे कृषि कार्य नहीं करने दे रहे हैं। उसके पक्ष में फैसला आने के बाद भी उसको मानने से वे लोग इंकार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मधेपुरा जिला से आये एक अन्य फरियादी ने कहा कि उसके पिता को ग्राम पंचायत के न्याय मित्र ने घर पर चाय पिलाने के बहाने बुलाकर पीट पीटकर हत्या कर दी। थाना में प्राथमिकी दर्ज होने के डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी दबंग अपराधी गिरफ्तार नहीं हो सका है और उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अररिया जिला से आए एक युवक ने कहा कि उसके पुश्तैनी जमीन को दबंग लोगों ने कब्जा कर लिया है। इसकी शिकायत वरीय अधिकारियों से भी की गयी है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मुख्यमंत्री ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अररिया जिला से आए एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि उसके पिता के नाम पर जो जमीन है, उस पर गांव के एक दबंग ने जबरदस्ती मकान बना लिया है। मुख्यमंत्री ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वैशाली जिला से आयी एक महिला ने कहा कि उसकी डॉक्टर बेटी की हत्या हो गई है। हत्या के एक साल गुजर जाने के बाद भी मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, बल्कि उसे ही आरोपित धमका रहा है और केस करके फंसाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को जांचोपरांत उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वैशाली से आए एक अन्य फरियादी ने कहा कि रेलवे लाइन के दोहरीकरण के लिये उसकी जमीन का अधिग्रहण किया गया है लेकिन अब तक सरकारी मुआवजा नहीं मिल पाया है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मुंगेर जिला से आए एक फरियादी ने कहा कि उसकी बहन की हत्या कर दी गई है। मामले में तीन आरोपित फरार है, जिन्हें अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। भागलपुर जिले से आयी एक महिला ने कहा कि उसकी निजी जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को उचित कार्रवाई का निर्देश दिया । भागलपुर जिला से आयी एक अन्य महिला फरियादी ने कहा कि उसकी बेटी की दहेज के कारण हत्या कर दी गई। हत्यारोपित अब उसे लगातार धमका रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को जांच कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

राज्य में कटिहार की हवा सबसे जहरीली

पटना समेत चार शहरों में एक्यूआई 300 के पार

पटना (एजेंसी)। बिहार में मौसम सर्द होता जा रहा है। शाम को और सुबह में धुंध और कोहरे की शुरूआत हो चुकी है। इसके बावजूद पिछले कुछ दिनों की तुलना में हवा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। कई शहरों में हवा में जहर और घातक पदार्थों की मात्रा बढ़ी है। लेकिन अधिकतर इलाकों में सुधार हुआ है। इस बीच राजधानी पटना में एक इलाके की हवा आज भी मानव स्वास्थ्य के लिए घातक है। पटना के समनपुरा सेंटर पर दोपहर बाद एक्यूआई 303 पाई गयी है। सबसे खराब स्थिति कटिहार की है। वहां आज भी एक्यूआई 357 है। बेगूसराय और सीवान में हालात चिंताजनक हैं।

सोमवार दोपहर बाद राज्य के 19 शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब मिली। इन शहरों में एक्यूआई की रिडिंग 200 के पार है। मुजफ्फरपुर के बुद्धा कॉलनी में हवा की गुणवत्ता सूचकांक 231 और डीएम ऑफिस के आसपास एक्यूआई 228 पाया गया। गया के राज्य वन प्रशिक्षण संस्थान में हवा की स्थिति बिल्कुल ठीक है। वहां गुणवत्ता सूचकांक मात्र 82 पाया गया है।

नेशनल एयर क्वालिटी इंडेक्स के ताजा आंकड़ों के मुताबिक सोमवार दोपहर बाद 2 बजे कटिहार सबसे प्रदूषित शहर पाया गया। यहां एक्यूआई 57 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। इसके अलावा पटना में एक्टूआई 303, बेगूसराय में 338 और सीवान में 308 देखा गया।

कटिहार में बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या, बंगाल की ओर भागे बदमाश

कटिहार (एजेंसी)। कटिहार जिले में जिला परिषद सदस्य और बीजेपी नेता संजीव मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। कटिहार का यह इलाका बिहार-बंगाल बॉर्डर के समीप है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मिल रही जानकारी के अनुसार, घटना तेलता थाना इलाके की है। बताया जा रहा है कि दो बदमाशों ने संजीव मिश्रा को उनके घर के सामने ही गोली मार दी, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक संजीव मिश्रा बिहार-बंगाल के बॉर्डर के सुदूर इलाके में वर्षों से भाजपा की राजनीति करते आ रहे थे। इससे पहले भी विधान परिषद चुनाव के दौरान उन पर जानलेवा हमला किया गया था और इसके बाद आज सुबह उनकी हथियारबंद अज्ञात आरोपियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह भी बताया जा रहा है कि संजीव मिश्रा कटिहार के विधान परिषद सदस्य अशोक कुमार अग्रवाल के करीबी थे। हालांकि, शुरूआती जांच में आपसी दुश्मनी की बात सामने आ रही है। मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची है।

पेंड्रा में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल कंटेनर से टकराई, तीन की मौत

पेंड्रा (एजेंसी)। जिले में कोटमी चौकी थानांतर्गत रविवार देर रात तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़े कंटेनर से टकरा गई, जिसमें मौके पर ही मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने सोमवार को तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौप दिया है। पुलिस के अनुसार तीनों युवक पसान के रहने वाले थे। हादसा कोटमी से पेंड्रा मुख्य मार्ग पर स्थित राधा स्वामी पेट्रोल पंप के सामने रविवार रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है। मोटरसाइकिल सवार तीन युवक पसान से पेंड्रा की तरफ जा रहे थे। पेट्रोल पंप के सामने सड़क किनारे पर कंटेनर यूपी-82 टी-5586 खड़ी थी। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल कंटेनर के पीछे इतनी तेजी से टकराई की उसमें सवार तीनों युवकों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

मुजफ्फरपुर किडनी कांड मामले में एनएचआरसी ने स्वास्थ्य विभाग के सचिव को किया नोटिस जारी

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर किडनी कांड मामले में एन.एच.आर.सी. ने स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को नोटिस जारी किया है। मुजफ्फरपुर के चर्चित किडनी कांड मामले में अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बिहार सरकार मे स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को नोटिस जारी किया है और चार सप्ताह में जवाब मांगा है। पीड़ित महिला सुनीता देवी के ओवरी के ऑपरेशन के दौरान दोनों किडनी निकालने का मामला प्रकाश में आने के बाद मानवाधिकार अधिवक्ता एस. के. झा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं राज्य मानवाधिकार आयोग में याचिका दाखिल की थी। मामले में संलिप्त आरोपितों की अविलम्ब गिरफ़्तारी की मांग की थी, जिसपर कार्रवाई करते हुए आयोग नें यह कदम उठाया है। जिले के

सकरा थाने के मथुरापुर गांव की निवासी सुनीता देवी को पेट में दर्द था, जिसका ईलाज वहीं पर बरियारपुर के शुभकान्त क्लिनिक में एक झोलाछाप चिकित्सक डॉक्टर पवन कुमार के द्वारा किया गया।

डॉक्टर पवन कुमार ने महिला के गर्भाशय में ट्यूमर होने की बात कही और 3 सितम्बर को महिला का ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद सुनीता की तबियत बिगड़ने लगी, शरीर में सूजन होने लगा। तब जाकर महिला के परिजनों के द्वारा मुजफ्फरपुर के एस.के.एम.सी.एच. में सुनीता का सी.टी. स्कैन कराया गया, जिसकी रिपोर्ट में दोनों किडनी दृश्यमान नहीं हैं, ऐसा रिपोर्ट आया। ओवरी ऑपरेशन के दौरान किडनी गायब होने की एफ.आई.आर. के बाद प्रशासनिक अधिकारी सकते में आये और जांच शुरू हुई, तब मालूम चला कि उक्त क्लिनिक सरकार के मानदंड के अंतर्गत कार्य नहीं कर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में बिहार मानवाधिकार आयोग द्वारा पूर्व में एक नोटिस जारी की जा चुकी है और जिला प्रशासन से रिपोर्ट की मांग की गयी है। मामले के सम्बन्ध में मानवाधिकार अधिवक्ता झा ने कहा कि यह मानवाधिकार उल्लंघन के अति गंभीर कोटि का मामला है, जिसमें दोषियों के विरुद्ध कड़ी-से-कड़ी कार्रवाई करने की नितांत आवश्यकता है।

कार्तिक पूर्णिमा व देव दीपावली पर श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में लगाई डुबकी

चंद्रग्रहण के सूतक काल के चलते एक दिन पहले ही श्रद्धालु कर रहे गंगा स्नान,आज भी करेंगे स्नान

वाराणसी (एजेंसी)। कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली पर सोमवार को काशीपुराधिपति की नगरी काशी में श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और गंगा में दीपदान कर दान पुण्य किया। गंगा स्नान के लिए श्रद्धालु तड़के से ही गंगा तट पर पहुंचने लगे। स्नान ध्यान का सिलसिला भोर से ही चलता रहा। शहर के प्राचीन दशाश्वमेध घाट, शीतला घाट, अहिल्याबाई घाट, पंचगंगा घाट, अस्सी घाट, केदार घाट, खिड़किया घाट, भैंसासुर घाट पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। श्रद्धालुओं के चलते घाटों पर मेले जैसा दृश्य रहा। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गयी थी।

गौरतलब हो कि चंद्रग्रहण के

चलते सूतक काल को देख श्रद्धालु एक दिन पहले ही देव दीपावली और कार्तिक पूर्णिमा मना रहे हैं। कार्तिक पूर्णिमा की शुरूआत सोमवार शाम 4 बजकर 15 मिनट से हो रही है, समापन 08 नवम्बर की शाम 4 बजकर 31 मिनट पर हो रहा है। परम्परानुसार उदया तिथि में गंगा स्नान और त्यौहार मनाने की परम्परा है। लेकिन चंद्रग्रहण के चलते सूतक काल को देख बड़ी संख्या में श्रद्धालु सोमवार को गंगा में स्नान कर रहे हैं और आज भी करेंगे।

सनातन भारतीय संस्कृति के स्नान पर्वों में कार्तिक पूर्णिमा के स्नान का विशेष महत्व है। इस दिन गंगा, यमुना, गोदावरी आदि पवित्र नदियों में स्नान की महत्ता पुराणों में भी वर्णित है। इस दिन गंगा स्नान करने से वर्ष भर गंगा स्नान करने बराबर के फल की प्राप्ति होती है। कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। भगवान शिव ने इसी दिन त्रिपुरासुर नामक महाभयानक असुर का वध किया था। इन्हीं मान्यताओं से ओतप्रोत श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। लोगों का मानना है कि कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा में या तुलसी के समीप दीप जलाने से महालक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। एक अन्य कथा है कि महाभारत का महायुद्ध समाप्त होने पर पांडव इस बात से बहुत दुखी थे कि युद्ध में उनके सगे-संबंधियों की असमय मृत्यु हुई। अब उनकी आत्मा की शांति कैसे हो। पांडवों की चिंता को देखते हुए भगवान श्रीकृष्ण ने पांडवों को पितरों की तृप्ति के उपाय बताए। इस उपाय में कार्तिक शुक्ल अष्टमी से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक की विधि शामिल थी। कार्तिक पूर्णिमा को पांडवों ने पितरों की आत्मा की तृप्ति के लिए गढ़ मुक्तेश्वर में तर्पण और दीप दान किया था।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करते समय दो लड़किया डूबी

चौबेपुर थाना क्षेत्र के बभनपुरा गांव में सोमवार को गंगा स्नान के दौरान दो लड़किया डूब गई। साथ आई महिलाओं के शोर पर आसपास मौजूद लोग वहां पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम गोताखोरों की मदद से गंगा में लड़कियों की तलाश में जुट गई है। कार्तिक पूर्णिमा पर गौराकलां गांव निवासी श्यामू मौर्या की बेटी अन्नू (11) और लल्लन मौर्या की बेटी वैशाली मौर्या (18) भी गांव की महिलाओं और लड़कियों के साथ बभनपुरा स्थित गंगा के सोता में स्नान करने गई थी। सोता में नहाते समय अचानक अन्नू का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जाकर डूबने लगी। यह देख वैशाली उसे बचाने के लिए पानी में उतरी तो गहरे पानी में अन्नू और वैशाली दोनों डूब गईं। सूचना पर चौबेपुर थाना प्रभारी राजेश सिंह वहां पहुंचे और गोताखोरों की मदद से दोनों लड़कियों की खोजबीन शुरू कराई। घटना की जानकारी पर लड़कियों के परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों के साथ पड़ोसी भी सोता पर पहुंच गये।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण के 'सुप्रीम' फैसले पर बिहार में घमासान

किस मुंह से सवर्णों के वोट मांगेगी आरजेडी : सुशील मोदी

पटना (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर आए फैसले को लेकर बिहार में सियासी घमासान मच गया है। बीजेपी सांसद एवं पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी ने कहा कि आरजेडी ने संसद के दोनों सदनों में ईडब्ल्यूएस आरक्षण का विरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर मुहर लगा दी है। अब तेजस्वी यादव की पार्टी किस मुंह से सवर्णों के वोट मांगने जाएगी। बीजेपी नेता सुशील मोदी ने सोमवार को कहा कि गरीब सवर्णों के आरक्षण के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने भी बहुमत से मुहर लगाई है। संविधान के 103वें संशोधन के तहत जब ईडब्ल्यूएस आरक्षण का प्रस्ताव लाया गया तो राष्ट्रीय जनता दल

(आरजेडी) ने राज्यसभा और लोकसभा दोनों सदनों में इसका विरोध किया था। सुशील मोदी ने कहा कि आरजेडी सांसदों ने इसके खिलाफ वोटिंग भी की थी। अब उसपर देश की शीर्ष अदालत ने भी मुहर लगा दी है। अब आरजेडी किस मुंह से ऊंची जातियों से वोट मांगने जाएगी। उसे जनता को जवाब देना पड़ेगा कि आरक्षण का विरोध क्यों किया था।

न्यूज गैलरी

भुवनेश्वर ने तोड़ा बुमराह का वर्ल्ड रिकॉर्ड

मेलबर्न (एजेंसी)। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और जिम्बाब्वे के बीच खेले गये आखिरी लीग मैच में भुवनेश्वर कुमार ने जसप्रीत बुमराह का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। भुवनेश्वर कुमार दुनिया के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में 10 मेडन ओवर फेंके हैं। टी-20 इंटरनेशनल करियर में सबसे ज्यादा मेडन ओवर फेंकने वाले गेंदबाज अब भुवनेश्वर कुमार बन गए हैं। जसप्रीत बुमराह ने 60 मैचों में 9 मेडन ओवर फेंके हैं, वहीं भुवी ने 84वें मैच में 10वां मेडन ओवर फेंका।

आईओए ने चुनाव से पहले आठ दिग्गज खिलाड़ियों को आवेदन का दिया न्योता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने दस दिसम्बर को होनेवाले चुनाव से पहले मतदाता सूची का हिस्सा बनने के लिये आठ दिग्गज खिलाड़ियों के आवेदन मंगवाये हैं। आईओए की दस नवंबर को होनेवाली आमसभा की विशेष बैठक से पहले आवेदन मंगवाने के लिये न्योता दिया गया है। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार इन आठ खिलाड़ियों में छह पुरूष और दो महिलायें होंगी जिन्हें कार्यकारी परिषद के चुनाव में मतदान का अधिकार होगा। ये खिलाड़ी 18 वर्ष से अधिक और 70 वर्ष से कम उम्र के होंगे और खेल को अलविदा कह चुके हैं। उन्होंने आवेदन से कम से कम एक साल पहले कोई प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट नहीं खेला होना चाहिये। इसके अलावा ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल या एशियाई खेलों में एक पदक जीता होना चाहिये। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने संविधान के नये मसौदे को मंजूरी दे दी है जिसे आईओए की आमसभा की विशेष बैठक में स्वीकृति दी जायेगी। इसमें एक एथलीट आयोग बनाने का भी प्रावधान है जिसके दो प्रतिनिधि कार्यकारी परिषद में होंगे। उच्चतम न्यायालय ने आईओए के चुनाव के लिये दस दिसंबर की तारीख दी है।

सूर्यकुमार ने किया खुलासा, बताया कैसे की अविश्वसनीय स्कूप शॉट्स लगाने की प्रैक्टिस

मेलबर्न (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव का जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज रिचर्ड नगारवा की गेंद पर लगाया गया स्कूप शॉट टी-20 विश्वकप में चर्चा का विषय बना हुआ है और इस आक्रामक भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने रबड़ बॉल से खेलते हुए इस विशिष्ट शॉट में महारत हासिल की थी। सूर्यकुमार ने रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपने विविधता पूर्ण स्ट्रोक्स से 82 हजार दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। उन्होंने 25 गेंदों पर नाबाद 61 रन की पारी खेली जिससे भारत ने पांच विकेट पर 186 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। इस 32 वर्षीय बल्लेबाज ने अपनी पारी में चार छक्के और छह चौके लगाए थे। पारी की आखिरी गेंद पर लगाया गया उनका एक शॉट विशिष्ट था। उन्होंने घुटने के बल पर रिचर्ड नगारवा की ऑफ स्टंप से बाहर की फुलटॉस को स्कूप करके छह रन के लिए भेज दिया था। रवि शास्त्री और सुनील गावस्कर जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने उनके इस प्रयास की जमकर प्रशंसा की। टी-20 में विश्व के नंबर एक बल्लेबाज सूर्य कुमार ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम में कहा कि आपको यह समझना होता है कि उस समय गेंदबाज कौन सी गेंद करनेवाला है जो कि उस समय कुछ हद तक पूर्व निर्धारित होता है। मैंने रबड़ बॉल क्रिकेट खेलते हुए इस शॉट का जमकर अभ्यास किया था। उन्होंने कहा कि इसलिए आपको यह जानना होता है कि गेंदबाज उस समय क्या सोच रहा है। तब मैं खुद पर भरोसा करता हूं। आपको पता होता है कि सीमा रेखा कितनी दूर है।

विराट बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ, महिलाओं में निदा दार का जलवा

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप के सुपर 12 चरण में शानदार प्रदर्शन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का अक्टूबर महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना गया। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करनेवाली पाकिस्तान की अनुभवी ऑलराउंडर निदा डार को महिला वर्ग में यह सम्मान मिला। निदा ने इस पुरस्कार की दौड़ में भारत की जेमिमा रोड्रिग्ज और दीप्ति शर्मा को पछाड़ा। भारत की एशिया कप में खिताब जीत के दौरान इन दोनों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। मीडिया प्रतिनिधियों, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल खिलाड़ियों, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और पंजीकृत प्रशंसकों के बीच हुए वैश्विक मतदान के बाद कोहली और निदा को विजेता घोषित किया गया। कोहली ने अक्टूबर में 205 रन बनाकर पहले बार आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार अपने नाम किया। सिडनी में नीदरलैंड्स के खिलाफ

शानदार अर्धशतक से पहले उन्होंने मेलबर्न में खचाखच भरे स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद अर्धशतक जड़कर भारत को रोमांचक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभायी।

भारत ने टी-20 विश्व कप के अपने पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 31 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद कोहली ने गेंदबाजों पर दबदबा बनाया और उनकी 53 गेंद में नाबाद 82 रन की पारी की बदौलत भारत अंतिम गेंद में जीत दर्ज करने में सफल रहा। कोहली को पहली बार इस पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को पछाड़ा। इन दोनों ने भी टी-20 विश्व कप में अपनी टीम की ओर से अहम योगदान दिया। कोहली ने आईसीसी की विज्ञप्ति में कहा कि अक्टूबर महीने के लिए आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना जाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। दुनियाभर के प्रशंसकों और पैनल द्वारा चुना जाना इस पुरस्कार को मेरे लिए और अधिक विशेष बनाता है। उन्होंने कहा कि मैं अन्य नामित खिलाड़ियों को भी बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने इस दौरान इतना अच्छा प्रदर्शन किया। टीम के अपने साथियों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन जारी रखा जिससे कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता के अनुसार खेल सकूं। बांग्लादेश में एशिया कप में सेमीफाइनल तक के पाकिस्तान के सफर के दौरान निदा को शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने अक्टूबर में 72.50 की औसत से 145 रन बनाने के अलावा आठ विकेट भी चटकाए। निदा ने सिलहट में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की ऐतिहासिक जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह ऑलराउंडर जब बल्लेबाजी के लिए उतरीं तो पाकिस्तान 33 रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में था। उनकी नाबाद 56 रन की पारी से पाकिस्तान 137 रन बनाने में सफल रहा। निदा ने इसके बाद हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स के विकेट भी चटकाए जिससे भारत को हार का सामना करना पड़ा। भारत हालांकि बाद में खिताब जीतने में सफल रहा।

भारत-पाक के बीच हो सकता है टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में खेले जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप में रविवार सुबह बड़ा उलटफेर देखने को मिला। रैंकिंग में 17 नंबर की

- सेमीफाइनल में रोहित की टीम को इंग्लैंड एवं बाबर की टीम को न्यूजीलैंड को हराना होगा
- बारिश से सेमीफाइनल रद्द हुए तो भारत-न्यूजीलैंड के बीच खिताबी मुकाबला

टीम नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 13 रन से हरा दिया। इस जीत का सबसे बड़ा फायदा भारत और पाकिस्तान को हुआ। भारत सीधे सेमीफाइनल में पहुंचा, तो वहीं पाकिस्तान ने भी बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब माना जा रहा है कि इस वर्ल्ड कप का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच भी मुमकिन हो सकता है। अब तक खेले गए सात टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान सिर्फ एक बार एक साथ सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। यह 2007 में खेला गया पहला टी-20 वर्ल्ड कप था। इसके बाद दोनों टीमें किसी वर्ल्ड कप में एक साथ सेमीफाइनल में नहीं पहुंचीं। 2007 के वर्ल्ड कप में दोनों टीमें अपना-अपना सेमीफाइनल मुकाबला जीतने के बाद फाइनल में पहुंचीं थीं। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को हराया था। इसके बाद दोनों के बीच खेला गया फाइनल मैच भारत ने पांच रन से जीता। ऐसे में अब दोनों टीमों के फाइनल खेलने के चांस लग रहे हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम इंडिया को जीत मिलने के बाद भारत ग्रुप-2 में नंबर-1 पर आ गया है और सेमीफाइनल में उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा। वहीं, पाकिस्तान सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

2007 के वर्ल्ड कप के फाइनल की कहानी

2007 टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप मैच के बाद दोनों टीमों की भिड़ंत एक बार फिर फाइनल में हुई थी। टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। गौतम गंभीर ने 54 गेंदों पर 75 रनों की जिम्मेदार पारी खेली। इस पारी में 8 चौके और दो छक्के लगाए। रोहित शर्मा ने 16 गेंदों में 30 रन बनाए। भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 157 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरूआत बहुत ही खराब रही। पाकिस्तान ने 77 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। इसके बाद मिस्बाह उल हक मैच को आखिरी ओवर तक ले गए। इस ओवर में पाकिस्तान को जीत के लिए 13 रन चाहिए थे, लेकिन मिस्बाह 43 रन बनाकर आउट हो गए और भारत ने 5 रन से मैच जीत लिया। इसी के साथ टीम इंडिया पहले टी-20 वर्ल्ड कप की विजेता भी बनी। इस मैच में आखिरी ओवर जोगिंदर शर्मा करने आए थे। सिर्फ एक मैच से जोगिंदर स्टार बन गए थे। इस युवा गेंदबाज को भारत का बच्चा-बच्चा जान गया था।

रोहित ने तोड़ा बाबर का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत की जिम्बाब्वे पर 71 रनों से धमाकेदार जीत के साथ कप्तान रोहित शर्मा ने इतिहास रच दिया है। रोहित शर्मा बाबर आजम का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए एक कैलेंडर इयर में सबसे ज्यादा टी-20 इंटनेशनल मैच जीतने वाले कप्तान बन गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ रोहित शर्मा

- जिम्बाब्वे को हरा एक साल में दर्ज की 21वीं टी-20 जीत

की यह इस साल क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 21वीं जीत थी, वहीं बाबर आजम ने पिछले साल 20 मुकाबले जीतकर यह रिकॉर्ड बनाया था। बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान ने साल 2021 में रिकॉर्ड 20 टी20 मैच जीते थे, मगर अब उनके इस रिकॉर्ड को भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने तोड़ दिया है। टी-20 वर्ल्ड कप में 4 मैच जीतने के बाद रोहित शर्मा के नाम कुल 21 जीत हो गई है, इस टूर्नामेंट में वह 17 जीत के साथ आए थे। रोहित और बाबर के अलावा इस सूची में तीसरा नाम पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का है। धोनी की कप्तानी में भारत ने 2016 में 15 मैच जीते थे। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने पहले मैच में चिरप्रतिद्वंदी पाकिस्तान को चित किया, वहीं इसके बाद नीदरलैंड्स को धूल चटाई। शुरूआती दो मुकाबले के बाद जरूर टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के हाथों हार का सामना करना पड़ा, मगर बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ टीम इंडिया ने एक बार फिर जोरदार वापसी की।

इन तीन जीत के साथ रोहित ने बाबर आजम के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली थी, मगर जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत के साथ उन्होंने यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। रोहित अब इस रिकॉर्ड को आगे बढ़ाना चाहेंगे। 10 नवम्बर को भारत को इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड में सेमीफाइनल मैच खेलना है, अगर भारत इस मैच में जीत दर्ज करता है तो वह फाइनल का टिकट कटा लेगा। ऐसे में रोहित शर्मा के पास इस लिस्ट में दो जीत और शामिल करने का शानदार मौका है। वर्ल्ड कप के बाद टीम इंडिया न्यूजीलैंड का दौरा करेगी जहां उन्हें तीन मैच की टी-20 सीरीज खेलनी है, मगर इस सीरीज के लिए रोहित शर्मा को आराम दिया गया है।

सिडनी की अदालत ने बलात्कार के आरोपी श्रीलंकाई क्रिकेटर गुणतिलका को जमानत देने से किया इनकार

सिडनी (एजेंसी)। टी-20 विश्वकप के दौरान एक महिला के साथ बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किए गए श्रीलंकाई क्रिकेटर धनुष्का गुणतिलका को सोमवार को एक स्थानीय अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया। गुणतिलका ने स्थानीय अदालत के सरी हिल्स विभाग में एक वीडियो लिंक के जरिए सुनवाई में भाग लिया। 31 वर्ष के गुणतिलका को रविवार को तड़के गिरफ्तार किया गया था। दो नवंबर को एक महिला के कथित यौन उत्पीड़न के मामले की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार सुनवाई में वर्चुअल उपस्थिति के दौरान गुणतिलका को हथकड़ी पहनाई गई थी। उसने सफेद रंग की टीशर्ट और नीली जींस पहन रखी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि

उसके वकील आनंद अमरनाथ ने सुनवाई के दौरान जमानत की अर्जी दी थी, लेकिन मजिस्ट्रेट रॉबर्ट विलियम्स ने जमानत देने से इनकार कर दिया। रिपोर्ट में अमरनाथ के हवाले से कहा गया है कि निश्चित तौर पर हम सुप्रीम कोर्ट में याचिका डालने पर विचार कर रहे हैं और यह जितना संभव हो उतनी जल्दी किया जाएगा। निश्चित तौर पर वह निराश होगा। श्रीलंका की टीम शनिवार को टी-20 विश्व कप से बाहर होने के बाद गुणतिलका के बिना स्वदेश रवाना हो गई थी। अमरनाथ ने कहा की वह जानते हैं कि उनकी टीम के कुछ अधिकारी अभी ऑस्ट्रेलिया में हैं।

उन्होंने इसके साथ ही कहा कि गुणतिलका का ऑस्ट्रेलिया में परिवार नहीं है। गुणतिलका पहले दौर में नामीबिया के खिलाफ खेला था और वह खाता खोले बिना आउट हो गया था। इसके बाद वह चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गया था। श्रीलंकाई टीम ने सुपर 12 चरण के लिए क्वालीफाई किया, लेकिन गुप एक में चौथे स्थान पर रही। स्थानीय मीडिया के अनुसार गुणतिलका और महिला ऑनलाइन डेटिंग ऐप के जरिए पिछले कई दिनों से एक-दूसरे के संपर्क में थे। वहीं, श्रीलंका सरकार ने श्रीलंका क्रिकेट को तत्काल जांच करने के आदेश दिए हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने भी स्पष्ट किया कि यदि इस खिलाड़ी को दोषी पाया जाता है तो वह उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। गुणतिलका का विवादों से पुराना नाता रहा है। इससे पहले 2021 में इंग्लैंड दौरे में अपने साथी कुसाल मेंडिस और निरोशन डिकवेला के साथ टीम के जैव सुरक्षित वातावरण का उल्लंघन करने के कारण श्रीलंका बोर्ड ने उसे एक साल के लिए निलंबित कर दिया था।

राहुल ने कर दी पुष्टि, सेमीफाइनल मैच में भारतीय टीम में दिखेंगे बदलाव

एडिलेड (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने स्वीकार किया कि वह आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने पर विचार करेंगे। द्रविड़ की टीम ने रविवार को सुपर 12 के आखिरी मैच में जिम्बाब्वे पर 71 रन की आसान जीत के साथ ग्रुप-2 की अंकतालिका में शीर्ष पर कब्जा किया। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल खेलना है। भारत गुरुवार को जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम से भिड़ने के लिए एडिलेड जाएगा। इससे पहले द्रविड़ ने कहा कि वह उस मैच के लिए एक खास इलेवन का चयन करेंगे जो उनका मानना है कि यह परिस्थितियों के अनुरूप होगा। इसका मतलब है कि एडिलेड ओवल में अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को पहली बार टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलने की संभावना है। ये पिच धीमी गेंदबाजी को सूट करती है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की भी वापसी ऋषभ पंत की जगह हो सकती है, जो जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला खेले थे। एडिलेड जाने से पहले और जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के बाद राहुल द्रविड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि हमारे पास 15 में सभी के बारे में पूरी तरह से खुला दिमाग है। हमारा मानना है कि जो कोई भी 15 में है वह संभावित रूप से हमें कमजोर नहीं बनाएगा, जिस तरह की टीम हमने चुनी है। उन्होंने आगे कहा कि मैं फिर से कहता हूं कि हमें वहां जाकर देखना होगा। मैंने आज (एडिलेड में) कुछ मैच देखे और मुझे पता है कि ट्रैक धीमे थे और उनमें ग्रिप होगी और थोड़ा टर्न मिलेगा। हम एडिलेड में पूरी तरह से नई पिच पर खेल रहे होंगे, और ईमानदारी से कहूं तो बांग्लादेश के खिलाफ हमने जिस पिच पर खेला, वहां गेंद स्पिन हुई थी। एक अलग तरह का विकेट था और यह एडिलेड में भी खेला गया था।

सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड को लगा बड़ा झटका

एडिलेड (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप मे सुपर-12 चरण के कड़े संघर्ष के बाद सर्वश्रेष्ठ चार टीमों ने टूर्नामेंट के सेमीफाइल में जगह बना ली है और सभी चारों टीमों ने सेमीफाइनल के लिए पूरी तरह कमर भी कस ली है। भारतीय टीम ने भी सुपर-12 चरण के ग्रुप-2 में से पहले नंबर की टीम बनकर सेमीफाइनल की टिकट कटवा ली है। भारत अपना सेमीफाइनल मुकाबला इंग्लैड के खिलाफ खेलने जा रहा है। सेमीफाइनल से पहले भारत की विरोधी टीम इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज डेविड मलान चोटिल हो गए हैं, जिसके चलते उनका सेमीफाइनल में खेलना संदिग्ध लग रहा है। टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली ने कहा है कि उनके साथी और बाएं हाथ के बल्लेबाज डेविड मलान भारत के खिलाफ 10 नवम्बर को होने वाले टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल से बाहर रह सकते हैं। बीबीसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। विश्व के पूर्व नंबर एक टी-20 बल्लेबाज मलान को श्रीलंका के विरुद्ध इंग्लैंड के

- चोट के चलते धुरंधर बल्लेबाज का खेलना संदिग्ध

आखिरी सुपर-12 मैच के दौरान ग्रोइन की चोट आई थी। मलान ने चोट की वजह से बल्लेबाजी भी नहीं की थी। इस मैच में इंग्लैंड ने चार विकेट की जीत दर्ज की थी। मोईन के हवाले से कहा कि जाहिर तौर पर मलान एक बड़े खिलाड़ी हैं। कई वर्षों से वह हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। मुझे नहीं पता, लेकिन सच कहूं तो स्थिति बहुत अच्छी नहीं लग रही है। कल उनका स्कैन हुआ था। हम अभी बहुत कुछ नहीं जानते हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि स्थिति बहुत अच्छी है। मोईन ने कहा यदि मालन भारत के खिलाफ नहीं खेलते तो फिलिप साल्ट एकादश में उनकी जगह ले सकते हैं। बल्लेबाजी क्रम में हालांकि नंबर तीन की भूमिका निभाने के लिए बेन स्टोक्स पसंदीदा खिलाड़ी हैं। स्टोक्स ने श्रीलंका के खिलाफ भी यही भूमिका निभाई थी। मोईन ने सेमीफाइनल से पहले कहा कि उनकी टीम भारत की तुलना में कमजोर है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड (भारत की तुलना में) कमजोर टीम है। भारत पिछले एक साल से शानदार खेल रहा है और अगर आप सिर्फ टूर्नामेंट को देखें तो भी वे अच्छा खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि हम भारत की अपेक्षा थोड़े पीछे हैं।

आईसीसी ने की सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए अंपायरों की नियुक्ति

भारत और इंग्लैंड के बीच एडिलेड में होनेवाले टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में कुमार धर्मसेना और पॉल रीफेल मैदानी अंपायर की भूमिका निभाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को मैच अधिकारियों की घोषणा करते हुए यह जानकारी दी। भारत और इंग्लैंड के बीच 10 नवम्बर को होनेवाले इस मैच के तीसरे अंपायर क्रिस गैफनी होंगे। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच नौ नवंबर को सिडनी में होनेवाले पहले सेमीफाइनल में मारियास इरासमुस और रिचर्ड इलिंगवर्थ मैदानी अंपायर की भूमिका निभाएंगे जबकि रिचर्ड केटलबोरो तीसरे अंपायर होंगे। फाइनल 13 नवम्बर को मेलबर्न में खेला जाएगा। आईसीसी ने बयान में कहा कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 13 नवंबर को होनेवाले फाइनल के लिए अंपायरों की नियुक्ति सेमीफाइनल के परिणाम आने के बाद की जायेगी।

न्यूज गैलरी

मूंगफली तेल सस्ता, सोयाबीन रिफाइंड में तेजी तिलहन मजबूत

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीदी से भाव मिश्रित रंगत लिए रहे। कारोबार में मूंगफली तेल सस्ता तथा सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा बिका। तिलहनों में भाव ऊंचे बोले गए। कपास्या खली में मजबूती दर्ज की गई। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1620 से 1640 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1580 से 1600 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर बंद हुआ। सोयाबीन रिफाइंड 1315 से 1320 रुपये पर खुलकर 1410 से 1415 रुपये बिका। पाम तेल 1020 से 1025 रुपये खुलकर 1095 से 1100 होकर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में भाव मजबूत बताए गए। पशु आहार कपास्या खली में बढ़त दर्ज की गई।

केंज टेक्नोलॉजी के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 559-587 रुपए प्रति शेयर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली एवं डिजाइन विनिर्माण सेवा क्षेत्र की कंपनी केंज टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड (केटीआईएल) ने सोमवार को अपने 530 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 559-587 रुपए प्रति शेयर तय किया है। आईपीओ 10 नवंबर को खुलेगा। दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ 14 नवंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक शेयरों के लिए नौ नवंबर को बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने नए निर्गम का आकार 650 करोड़ रुपए से घटाकर 530 करोड़ रुपए कर दिया है। इसके अलावा, एक प्रवर्तक और एक मौजूदा शेयरधारक द्वारा 55.85 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कर्ज चुकाने, मैसूर और मानेसर में अपनी विनिर्माण सुविधाओं के लिए कारोबारी वित्तपोषण और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

पीरामल फाउंडेशन ने छह लाख बच्चों की पढ़ाई के लिए गूगल से हाथ मिलाया

नयी दिल्ली। पीरामल समूह की परमार्थ इकाई पीरामल फाउंडेशन ने सोमवार को कहा कि भारत में छह लाख बच्चों की पढ़ाई में मदद के लिए उसने प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल से हाथ मिलाया है। गूगल के बोलकर पढ़ाई करने वाले उपकरण ह्यरीड अलॉन्ग की सहायता से भारत के करीब छह लाख बच्चों को पढ़ने में मदद करने के लिए यह पहल शुरू की गई है। इसकी शुरूआत देश के छह राज्यों- उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ के 30 आकांक्षी जिलों में की गई है। पीरामल फाउंडेशन ने बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि इस शिक्षण पहल से स्कूली बच्चों के बोलकर पढ़ने का स्तर सुधारने में मदद मिलेगी। इसके लिए 3,000 से अधिक प्रबंधक 30,000 से अधिक शिक्षकों को बुनियादी पाठ का प्रशिक्षण देंगे। शिक्षा की वास्तविक स्थिति रिपोर्ट (असर) 2018 के मुताबिक, पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले सिर्फ 50.8 प्रतिशत बच्चे दूसरी कक्षा के पाठ भी अच्छी तरह पढ़ पाते हैं।

जीएसटी में सिर्फ एक दर चाहते हैं प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन देबरॉय

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन विवेक देबरॉय ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में सिर्फ एक दर का सुझाव दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि कराधान प्रणाली मुक्तता या छूट रहित होनी चाहिए। हालांकि, देबरॉय ने स्पष्ट किया है कि उनकी इस राय को ईएसी-पीएम का सुझाव नहीं माना जाए। देबरॉय ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि केंद्र और राज्यों का कर संग्रह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का मात्र 15 प्रतिशत है, जबकि सार्वजनिक ढांचे पर सरकार के खर्च की मांग कहीं ऊंची है। उन्होंने कहा, जीएसटी पर यह मेरी राय है। कर की सिर्फ एक दर होनी चाहिए। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि हमें ऐसा कभी मिलेगा। उन्होंने कहा कि यदि ह्यअभिजात्य प्रकृति और अधिक उपभोग वाले उत्पादों पर अलग-अलग कर दरें हटा दी जाएं, तो इससे मुकदमेबाजी कम होगी। देबरॉय ने कहा, हमें यह समझने की जरूरत है कि उत्पाद कोई भी हो, जीएसटी दर एक होनी चाहिए। यदि हम प्रगतिशीलता दिखाना चाहते हैं तो यह प्रत्यक्ष करों के जरिये होनी चाहिए, जीएसटी या अप्रत्यक्ष करों के जरिये नहीं। उन्होंने कहा कि उनके इस विचार को ईएसी-पीएम का सुझाव नहीं समझा जाए। देबरॉय ने कहा कि जीएसटी को लागू करने से पहले आर्थिक मामलों के विभाग ने 17 प्रतिशत के जीएसटी राजस्व निरपेक्ष दर (आरएनआर) का अनुमान दिया था।

फर्जी एक्सपीरियंस लेटर लगाकर कर रहे थे नौकरी

खुलासा होने पर दिग्गज आईटी कंपनी ने हजारों कर्मचारियों को निकाला बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज भारत की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों में से एक एक्सेंचर ने हजारों कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। कंपनी ने आईटी नौकरी क्षेत्र में एक घोटाले का खुलासा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नौकरी के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने फर्जी अनुभव पत्र लगाए थे। कंपनी के मुताबिक, अधिकारियों द्वारा सटीक संख्या की पुष्टि की जानी बाकी है और इस घोटाले के तहत लगभग हजारों कर्मचारी पकड़े गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी का कहना है कि

फर्जी एक्सपीरियंस लेटर लगाकर नौकरी कर रहे कर्मचारियों को निकाला गया है। कंपनी का कहना है कि इससे उसकी क्षमता पर असर नहीं पड़ेगा। कस्टमर को पहले की तरह सर्विस मिलती रहेगी। इसी के साथ कंपनी ने ऐसी रोजगार एजेंसियों को चेतावनी भी दी है जो नौकरी के बदले लोगों से पैसों की डिमांड कर रही हैं। टेलीविजन स्टोर- स्मार्ट एलईडी टीवी पर 50% तक की छूट- अत्यधिक रियायती कीमतों पर खरीदारी करें और लाभ उठाएं। कंपनी के मुताबिक, एक्सेंचर में नौकरी के लिए किसी भी एजेंसी या कंपनी को अधिकृत नहीं किया गया है। लोग ऐसी किसी कंपनियों के झांसे में न आए। एक्सेंचर में नौकरी योग्यता पर ही आधारित है। कंपनी भर्ती प्रक्रिया के लिए किसी तरह का कोई शुल्क नहीं लेती है। कंपनी ने लोगों को सावधान भी किया है। कंपनी का कहना है कि एक्सेंचर में जॉब के लिए किसी तरह का भुगतान करने की जरूरत नहीं है। अगर कोई लोगों से एक्सेंचर में जॉब के बदले रुपये की डिमांड करता है तो सावधान रहें। ऐसा करने वालों से कोई बातचीत न करें।

जैव ऊर्जा कार्यक्रम 2025-26 तक रहेगा जारी पहले चरण में होगा 858 करोड़ रुपये खर्च

नयी दिल्ली (एजेंसी)। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सोमवार को कहा कि वह राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम 2025-26 तक जारी रखेगा। इसके लिये पहले चरण में 858 करोड़ रुपये का बजटीय खर्च निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर उपलब्ध बॉयोमास (कृषि अवशेष आदि), गोबर और औद्योगिक तथा शहरी जैव कचरे का उपयोग हो सकेगा। एमएनआरई ने एक बयान में कहा, नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने दो नवंबर, 2022 को राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम को अधिसूचित कर दिया है। एमएनआरई ने 2021-22 से 2025-26 के लिये राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम को जारी रखा है। कार्यक्रम को दो चरणों में क्रियान्वित करने की सिफारिश की गयी है। पहले चरण के लिये 858 करोड़ रुपये के बजटीय खर्च को मंजूरी दी गयी है। राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम में तीन उप-योजनाएं शामिल होंगी। ये हैं... अपशिष्ट यानी कचरे से ऊर्जा बनाने का कार्यक्रम, बायोमास कार्यक्रम और बायोगैस कार्यक्रम। एमएनआरई 1980 के दशक से जैव ऊर्जा को बढ़ावा दे रहा है। इसका उद्देश्य ऊर्जा उत्पादन के लिये बड़े पैमाने पर उपलब्ध कृषि अवशेष, गोबर और औद्योगिक तथा शहरी जैव कचरे का उपयोग करना है।

भारत को 500 गीगावॉट की हरित ऊर्जा क्षमता के लिए 300 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को 2030 तक 500 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को करीब 300 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। ऑथर डी लिटल (एडीएल) की सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पास 165 गीगावॉट की हरित ऊर्जा क्षमता पहले से है। भारत अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा जरूरत को नवीकरणीय पोर्टफोलियो से पूरा करने के लिए सही दिशा में अग्रसर है। एडीएल की रिपोर्ट पावरिंग इंडियाज एनर्जी विजन-2030' में कहा गया है कि भारत को 2030 तक 500 गीगावॉट की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लिए 300 अरब डॉलर के अतिरिक्त रणनीतिक निवेश की जरूरत है। रिपोर्ट के अनुसार, अगले दशक के दौरान भारत में बिजली की खपत सालाना 5.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और 2030 तक वार्षिक मांग 2,300 अरब यूनिट (बीयू) पर पहुंच जाएगी। हालांकि, मौजूदा रफ्तार से देखा जाए, तो 2030 तक उत्पादन सिर्फ 2,024 अरब यूनिट पर पहुंचेगा।

होंडा कार्स इंडिया के उत्पादन का आंकड़ा भारत में 20 लाख इकाई के पार

नई दिल्ली। जापानी कार निर्माता कंपनी होंडा कोर्स इंडिया का भारत में कुल उत्पादन का आंकड़ा 20 लाख इकाई के पार पहुंच गया है। कंपनी ने अपने 20 लाखवें वाहन का उत्पादन राजस्थान के टपूकड़ा संयंत्र में किया है। कंपनी ने यह जानकारी दी। होंडा कार्स इंडिया ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि भारत में कुल उत्पादन का आंकड़ा 20 लाख इकाई के पार हो गया है। कंपनी ने बताया कि उसके 20 लाखवें वाहन का उत्पादन राजस्थान के टपूकड़ा संयंत्र में हुआ है। होंडा मोटर लिमिटेड कंपनी ने भारत में उत्पादन की शुरूआत दिसंबर, 1997 में किया था। होंडा कार्स इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ताकुया त्सुमुरा ने जारी बयान में कहा कि 20 लाख इकाइयों के उत्पादन का ये आंकड़ा पिछले 25 साल के दौरान होंडा की मेक इन इंडिया के बारे में प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

सिर्फ 53,000 में शुरू करें ये बिजनेस, आसानी से कमा लेंगे 35 लाख, सरकार करेगी पूरी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप भी खुद का बिजनेस प्लान कर रहे हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। सरकार भी नया बिजनेस शुरू करने में मदद के लिए कई योजनाएं चला रही है जिससे छोटे कारोबरियों को लाभ मिल रहा है। आज यहां हम आपको आज एक ऐसे बिजनेस के बारे में बता रहे हैं जिसमें बहुत कम निवेश कर आप जबरदस्त मुनाफा कमा सकते हैं। ये बिजनेस है कड़कनाथ मुर्गों का। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के साथ ही देश के कई राज्यों में इसका जम कर कारोबार हो रहा है। मध्य प्रदेश के कड़कनाथ मुर्गे को जीआई टैग भी मिला हुआ है। कड़कनाथ मुर्गों का कारोबार अब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के साथ ही देश के कई राज्यों में हो रहा है। आप इससे होने वाली कमाई का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कृषि विज्ञान केंद्र समय पर कड़कनाथ मुर्गे के चूजे उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। कड़कनाथ मुर्गे की उत्पत्ति मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में हुई है इसलिए मध्य प्रदेश के कड़कनाथ मुर्गे को जीआई टैग भी मिला हुआ है। इस टैग का मतलब है कि कड़कनाथ मुर्गे जैसा कोई दूसरा मुर्गा नहीं है। आपको बता दें कि कड़कनाथ मुर्गे और मुर्गी का रंग काला, मांस काला और खून भी काला होता है। इसके मांस में वसा और कोलेस्ट्रॉल भी कम पाया जाता है। इसके चलते हृदय और मधुमेह के रोगियों के लिए यह चिकन बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसके रेगुलर सेवन से शरीर को काफी पोषक तत्व मिलते हैं। इसकी मांग और फायदों को देखते हुए सरकार भी इसका बिजनेस शुरू करने में हर स्तर पर मदद करती हैं। कड़कनाथ मुर्गा पालन की आवश्यकता को समझते हुए इसे बढ़ावा देने के लिए मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकार कई योजनाएं चला रही हैं।

अडाणी समूह को रणनीतिक भागीदारों की तलाश : रिपोर्ट

नयी दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडाणी का समूह अपनी दीर्घकालिक निवेश रणनीति के अनुरूप रणनीतिक भागीदारों की तलाश में है। फिच समूह की कंपनी क्रेडिटसाइट्स ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। क्रेडिटसाइट्स ने रिपोर्ट में कहा कि अडाणी समूह अत्यधिक पूंजी-गहन नए या असंबद्ध क्षेत्रों में उतर रहा है। समूह ऊर्जा से लेकर परिवहन और खनन क्षेत्रों में विस्तार कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, हमारा आकलन है कि समूह की कई कंपनियां आक्रामक विस्तार योजनाओं के कारण काफी अधिक कर्ज ले चुकी हैं। उनकी विस्तार योजनाओं ऋण-वित्तपोषित हैं। क्रेडिटसाइट्स के अनुसार, अडाणी समूह आगे भी विस्तार और अधिग्रहण को जारी रखने की मंशा रखता है। विस्तार की वजह से अतिरिक्त ऋण लेने से कंपनी की कर्ज क्षमता खराब हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हम अडाणी समूह पर कर्ज को लेकर चिंतित हैं। रिपोर्ट कहती कि समूह अगले दशक में सीमेंट और डेटा केंद्रों के साथ नए ऊर्जा कारोबार का विस्तार करने के लिए 150 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर सकता है। ऐसे में समूह को अपनी दीर्घकालीन निवेश रणनीति के अनुरूप रणनीतिक इक्विटी भागीदारों की तलाश है।

आईफोन के लिए करना पड़ सकता है लंबा इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप अपने लिए आईफोन 14 सीरीज के आईफोन 14 प्रो और प्रो मैक्स स्मार्टफोन लेना चाहते तो बता दें, फिलहाल चीन में आईफोन कारखाने बंद कर दिए गए हैं। कारखानों के बंद होने के पीछे कोरोना महामारी को कारण बताया जा रहा है। कारखानों के बंद होने की वजह से अब आपको नए आईफोन के लिए 5 दिनों से लेकर 25 दिनों तक इंतजार करना पड़ सकता है। एप्पल इंक ने अपने ग्राहकों को आगाह किया है कि उन्हें अपने ताजा आईफोन मॉडल को पाने के लिए कुछ लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। इसकी वजह यह है कि मध्य चीन में ठेकेदार फर्म के कारखाने पर कोविड संबंधी अंकुश लगाए जाने से कंपनी का उत्पादन प्रभावित हुआ है। कंपनी ने यह घोषणा करते हुए और अधिक ब्योरा नहीं दिया। कंपनी ने हालांकि कहा कि झेंगझोऊ में फॉक्सकॉन द्वारा संचालित संयंत्र काफी कम क्षमता पर काम कर रहा है। कंपनी ने कहा- पहले लगाए अनुमान की तुलना में आईफोन 14 प्रो और आईफोन 14 प्रो मैक्स की आपूर्ति काफी कम रहेगी। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को इस नए उत्पाद के लिए लंबा इंतजार करना होगा।

पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 92 डॉलर प्रति बैरल से अधिक रहने के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम सोमवार को भी अपरिवर्तित रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.29 प्रतिशत फिसलकर 98.28 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.41 प्रतिशत की गिरावट लेकर 92.23 डॉलर प्रति बैरल हो गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में चार महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

वित्त मंत्रालय ने 14 राज्यों को दी राजस्व घाटा अनुदान की 8वीं किश्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सोमवार को 14 राज्यों को 7,183.42 करोड़ रुपये के राजस्व घाटा अनुदान की आठवीं मासिक किश्त जारी कर दी है। राज्यों को यह किश्त वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप जारी की है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक 15वें वित्त आयोग ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 14 राज्यों को राजस्व घाटा अनुदान (पीडीआरडी) के तौर पर कुल 86,201 करोड़ रुपये देने की सिफारिश की है। दरअसल, 14 राज्यों को राजस्व खातों में अंतर को पूरा करने के लिए क्रमिक वित्त आयोगों की सिफारिशों के अनुसार राज्यों को यह अनुदान संविधान के अनुच्छेद-275 के तहत (राजस्व घाटा अनुदान) जारी किया जाता

है। ये समूची राशि 14 राज्यों को 12 समान मासिक किश्तों में जारी की जानी है। मंत्रालय ने इसी क्रम में 14 राज्यों को यह आठवीं मासिक किश्त जारी की है। नवंबर महीने की आठवीं मासिक किश्त जारी होने के साथ ही वित्त वर्ष 2022-23 में राज्यों को जारी राजस्व घाटा अनुदान की कुल राशि बढ़कर 57,467.33 करोड़ रुपये हो गई है। आयोग की सिफारिश के मुताबिक पीडीआरडी अनुदान राशि हासिल करने वाले 14 प्रमुख राज्यों में आंध्र प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इन राज्यों को वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26 की अवधि के लिए राजस्व घाटा अनुदान जारी होना है।

- 14 राज्यों को 12 समान मासिक किश्तों में जारी की जानी है। मंत्रालय ने इसी क्रम में 14 राज्यों को यह आठवीं मासिक किश्त जारी की है। नवंबर महीने की आठवीं मासिक किश्त जारी होने के साथ ही वित्त वर्ष 2022-23 में राज्यों को जारी राजस्व घाटा अनुदान की कुल राशि बढ़कर 57,467.33 करोड़ रुपये हो गई है।

पेज एक के शेष

धुर्वा डैम से...

तलाक में दूसरे की बच्ची बन रही थी बाधा, इसलिए आरोपी पिता ने कर दिया कत्ल : पूछताछ में पुलिस को यह जानकारी मिली है कि आरोपी अमित और उसकी पत्नी के बीच संबंध में दरार थी। अवैध संबंध को लेकर दोनों के बीच काफी दिनों से विवाद चल रहा था। आरोपी पति को यह शक था कि उसकी पत्नी ममता का किसी युवक के साथ अवैध संबंध है। बच्ची आद्या भी उसकी संतान नहीं है। वहीं, पत्नी को यह संदेह था कि उसका पति का किसी लड़की के साथ अवैध संबंध है। इसको लेकर दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि वे एक-दूसरे के तलाक लेना चाहते थे। लेकिन आरोपी अमित को लगता था कि बच्ची उनके तलाक में बाधा बन सकती है, जिस कारण वह बच्ची को ही रास्ते से हटा दिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को यह भी बताया कि दूसरे की बच्ची को वह पाल नहीं सकता है। जगन्नाथपुर थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि आरोपी को जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

राज्य की जनता...

आगामी 15 नवम्बर (झारखंड स्थापना दिवस) के दिन राष्ट्रपति इन योजनाओं का शुभारंभ करेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य की बच्चियों को सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से जोड़ा जा रहा है, जिसके तहत उनके 18 वर्ष पूरे होने पर 40 हजार रुपये एवं उनके उच्चतर शिक्षा के लिए सरकार सहायता करेगी।

योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास, लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण : मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कुल 474.78 करोड़ रुपये की लागत से मानगो पुल-सह-फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसकी लंबाई 4.02 किलोमीटर है। इस मौके पर मुख्यमंत्री द्वारा कुल 2320.72077 करोड़ रुपये की लागत से 230 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। जिसमें कुल 282.451 करोड़ रुपये की लागत से कुल 158 महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास एवं कुल 38.269 करोड़ रुपये की लागत के कुल 72 योजनाओं का उद्घाटन किया। वहीं, कुल 1,63,375 लाभुकों के बीच कुल 245.2773 करोड़ रुपये की राशि का वितरण किया गया। इस दौरान मंत्री आलमगीर आलम, सत्यानंद भोक्ता, चम्पई सोरेन, बन्ना गुप्ता, विधायक घाटशिला रामदास सोरेन, विधायक जुगसलाई मंगल कालिंदी, विधायक बहरागोड़ा समीर कुमार मोहंती, विधायक पोटका संजीव सरदार, 20 सूत्री उपाध्यक्ष मोहन कर्मकार, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू, अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, सचिव हिमानी पांडे, सचिव सुनील कुमार, पुलिस उप-महानिरीक्षक, कोल्हान प्रमंडल अजय लिंडा, उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम विजया जाधव, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

नोटबंदी के दो...

में नकदी लगातार बढ़ रही है, भले ही सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कैश लेस समाज, भुगतान के डिजिटलीकरण और विभिन्न लेनदेन में नकदी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने पर जोर दिया है। हालांकि, कई विशेषज्ञों ने नोटबंदी का विरोध किया था। हालांकि, डिजिटल भुगतान हाल के वर्षों में धीरे-धीरे बढ़ रहा है। त्योहारी सीजन के दौरान नकदी की मांग अधिक रहती है, क्योंकि बड़ी संख्या में व्यापारी अभी भी एंड-टू-एंड ट्रांजैक्शन के लिए नकद भुगतान पर निर्भर हैं। लगभग 15 करोड़ लोगों के पास अभी भी बैंक खाता नहीं होने के कारण नकद लेन-देन का एक प्रमुख माध्यम बना हुआ है। इसके अलावा टियर चार शहरों में 90 प्रतिशत ई-कॉमर्स लेनदेन में भुगतान के लिए नकद का उपयोग करते हैं, जबकि टियर एक शहरों में यह आंकड़ा 50 प्रतिशत है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

मोरबी हादसे पर गुजरात सरकार को नोटिस, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

गांधीनगर (एजेंसी)। मोरबी हादसे पर गुजरात हाईकोर्ट ने गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया है और जवाब मांगा है। गुजरात उच्च न्यायालय ने मोरबी पुल हादसे का स्वतः संज्ञान लेते हुए सोमवार को राज्य सरकार तथा स्थानीय अधिकारियों को नोटिस जारी किया और 14 नवम्बर तक इस मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मोरबी में ब्रिटिश काल का सस्पेंशन ब्रिज 30 अक्टूबर को टूट कर गिर गया था, जिसमें 135 लोग मारे गए थे। मुख्य न्यायाधीश अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति आशुतोष शास्त्री की एक खंडपीठ ने मुख्य सचिव के जरिए गुजरात सरकार, राज्य के गृह विभाग, नगर पालिकाओं के आयुक्त, मोरबी नगर पालिका, जिला कलेक्टर तथा राज्य मानवाधिकार आयोग को नोटिस जारी किया और मामले को 14 नवम्बर के लिए सूचीबद्ध किया। अदालत ने मुख्य सचिव और गृह सचिव से अगले सोमवार तक मामले पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को भी कहा है। राज्य के मानवाधिकार आयोग को भी 14 नवम्बर तक मामले पर एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने एक समाचार पत्र की खबर के आधार पर घटना का स्वतः संज्ञान लिया।

छावला गैंगरेप : सुप्रीम कोर्ट ने तीनों दोषियों को किया रिहा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2012 में दिल्ली के छावला इलाके में एक युवती के साथ हुए रेप मामले में अहम फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट में 19 वर्षीय युवती के साथ बलात्कार और हत्या मामले में दोषी करार दिए गए और मौत की सजा पानेवाले तीन लोगों को सोमवार को बरी कर दिया है। दिल्ली की अदालत ने मामले में 19 साल की युवती से रेप और हत्या के दोषी ठहराए जाने के बाद आरोपियों को मौत की सजा सुनाई थी। इस फैसले को सही मानते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने भी फांसी की सजा बरकरार रखी थी। इसके बाद दोषियों की तरफ से सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई थी। यह मामला उत्तराखंड के पौड़ी की रहने वाली 19 साल की युवती के अपहरण और रेप से जुड़ा है। दोषियों ने युवती के साथ रेप के बाद उसकी आंखों में तेजाब डाल दिया था। 14 फरवरी 2012 को उत्तराखंड की 'निर्भया' काम पर जाने के लिए घर से निकली थी। उस दिन वह देर शाम तक घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश की। बहुत खोजने के बाद किसी ने बताया कि कुछ लोगों को एक लड़की को गाड़ी में डालकर दिल्ली से बाहर ले जाते हुए देखा गया। दोषियों ने लड़की के साथ रेप किया और उसे असहनीय यातनाएं भी दीं। लड़की को कार में इस्तेमाल होने वाले औजारों से पीटा गया, उसके शरीर को जगह-जगह सिगरेट से दागा गया था और उसके चेहरे को तेजाब से जलाया गया था।

एक बार में करोड़ों की जान ले सकता है रूस का रॉकेट 'शैतान'

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तरफ से लगातार परमाणु हथियारों की बात कही जा रही है। पुतिन की परमाणु धमकी के बाद से दुनिया खतरे में आ गई है। राष्ट्रपति पुतिन ने साफ कर दिया है कि अगर उनकी जमीन पर परमाणु हमला हुआ तो फिर एक बड़े हमले का आदेश दिया जायेगा। वहीं दूसरी तरफ रूसी सेना के एक कर्नल की तरफ से बताया गया है कि ब्रिटेन और अमेरिका को नक्शे से हटाने के लिए पिछले दिनों एक ड्रिल का आयोजन किया गया है।

- ब्रिटेन और अमेरिका को नक्शे से हटाने के लिए एक ड्रिल भी की गयी
- इस ड्रिल की प्रतिक्रिया में अमेरिका ने मिसाइलों का टेस्ट कर डाला

दुनिया भर में 20 से 30 करोड़ तक लोगों की हो सकती है मौत

विशेषज्ञों के मुताबिक इन बमों के धमाके और इनसे होने वाले रेडियेशन के बाद दुनिया भर में 20 से 30 करोड़ तक लोगों की मौत होगी। सेंटर फॉर द स्टीडी ऑफ एग्जिटेंशियल रिस्क में डिजास्टर एक्सपर्ट पॉल इनग्राम जो कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में है, उन्होंने चेताया है कि परमाणु युद्ध के बाद जो झटके आयेंगे उनसे सर्वनाश तय है। उन्होंने कहा कि तुरंत रूस और अमेरिका दोनों ऐसे देश हैं जिन्होंने सबसे पहले परमाणु हथियारों को परखा और आज इन दोनों ही देशों के पास इनका विशाल भंडार है। कभी आपने सोचा है कि अगर ये परमाणु हथियार फट गए तो फिर क्या होगा?

पुतिन के बयान से बड़ा खतरा : पिछले दिनों रूस की तरफ से जो मिलिट्री ड्रिल की गई है वह दुनिया को दिया गया वह संदेश है जो यह बताने के लिए काफी है कि उनके पास ऐसे परमाणु हथियार हैं जो एक बड़े युद्ध के आगाज के लिए काफी हैं। रूस की तरफ से हुई इस ड्रिल की प्रतिक्रिया में अमेरिका ने मिसाइलों का टेस्ट कर डाला। पेंटागन की तरफ से हुई इस ड्रिल के बाद यह माना गया कि अमेरिका अपग्रेडेड यूरोप में मौजूद अपने बमों के जखीरे को अपग्रेड करना चाहता है। पुतिन कई बार यह बात कह चुके हैं कि अगर किसी ने यूक्रेन में हस्तक्षेप किया तो फिर परमाणु हथियारों का प्रयोग किया जायेगा। अब इस बात का डर सताने लगा है कि यूक्रेन युद्ध जो नौंवे महीने की तरफ है, क्या उसमें यह नई घटना भी देखने को मिलेगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर दुनिया को तबाही से कोई नहीं बचा पायेगा।

जम्मू-कश्मीर पुलिस की बड़ी कामयाबी

आईईडी ब्लास्ट की साजिश रचने वाले दो हाइब्रिड आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में पिछले महीने विस्फोटक लगाने में शामिल दो हाइब्रिड आतंकवादियों को बारामूला से गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों बांदीपोरा में आईईडी ब्लास्ट की साजिश रचने में शामिल थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने उनके कब्जे से दो रिमोट से चलनेवाले परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) भी बरामद किये हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कश्मीर, विजय कुमार ने एक ट्वीट में कहा कि सोपोर पुलिस ने केनुसा बांदीपोरा में हाल ही में आईईडी विस्फोट की घटना का खुलासा किया है। दो हाइब्रिड आतंकवादी इरशाद गनी और केनुसा बांदीपोरा के वसीम राजा को गिरफ्तार किया गया। डेटोनेटर के साथ दो रिमोट नियंत्रित आईईडी बरामद हुए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया और आगे की कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि आतंकवादियों ने 15 अक्टूबर को उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले के केनुसा-अस्टांगो इलाके में एक आईईडी लगाया था, जिसका वजन लगभग 18 किलोग्राम था और इसमें दो गैस सिलेंडर लगे थे। सुरक्षा बलों ने विस्फोटक उपकरण का पता लगाया और उसे नष्ट कर दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

देव दीपावली पर बाबा की काशी में मां गंगा के सात किलोमीटर तट का नजारा अद्भुत रहा

- आरएनएम

वाराणसी। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में सोमवार सात नवम्बर की शाम को मां गंगा तट के पंचगंगा घाट पर जैसे ही हजारा दीप प्रज्ज्वलित हुआ, गंगा के किनारे के साढ़े सात किलोमीटर तक के हर घाट एक-एक करके जगमग हो उठे। अर्द्धचंद्राकार घाटों पर चंद्रहार की तरह दीपक झिलमिलाने लगे। पर्यटक इस अलौकिक नजारे को आह्लादित हो देखते रह गये। गंगा की लहरों पर सतरंगी इंद्रधनुष आकाश से उतर आया। घाटों पर देवलोक का साक्षात अलौकिक दृश्य मन मोह रहा था। दीपों की लड़ियों की ज्योति गंगा उत्तरवाहिनी के समानांतर दोनों छोर पर प्रवाहित हो रही थी। शंखनाद, घंटा-घड़ियाल, कपूर और लोबान की सुवास के साथ ही 84 घाटों के दोनों छोर 10 लाख से अधिक दीपों से जगमग हो उठे। नमो घाट से रविदास घाट तक अनंत दीप आसमान के सितारों को भी अपनी चमक से मात दे रहे थे।दीप मालिकाओं की सुनहरी आभा से दमकते घाटों का आकर्षण आंखों के रास्ते मन व हृदय में उतरता चला गया। दशाश्वमेध घाट पर गंगा सेवा निधि की ओर से अमर जवान ज्योति प्रज्वलित हुई तो गंगोत्री सेवा समिति ने मां गंगा की 108 किलो अष्टधातु की प्रतिमा का पूजन किया। पों की दपदप, विद्युत झालरों की जगमग के साथ ही गंगा पार रेती पर आतिशबाजी का नजारा और चेतसिंह घाट पर श्री डी प्रोजेक्शन और लेजर शो के जरिये दीवारों ने भी पुराणों की गाथा सुनाई। श्री काशी विश्वनाथ धाम का गंगा द्वार सतरंगी रोशनी से नहाया हुआ अलग ही आभा बिखेर रहा था। शहर से लेकर गांव और पंचक्रोशी का परिक्रमा पथ पर दीपों के प्रकाश से दैदीप्यमान हो उठे। कुंड, सरोवर, तालाब और मंदिरों में भी दीप जलाये गये। सात किलोमीटर के दायरे में दोनों छोरों पर सजी दीपों की लड़ियों की आभा गंगा की लहरों पर सुनहरी आभा बिखेर रही थीं। गंगा के तट से लेकर पंचक्रोशी परिक्रमा के पथ पर 21 लाख दीप सजाये गये। श्री काशी विश्वनाथ धाम की पहली देव दीपावली पर पूरे परिसर को 50 टन फूलों से सजाया गया था।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण जॉर्जिया की बल्ले-बल्ले

मॉस्को (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनियाभर में आर्थिक हालत खराब है। विकास दर घट रही है और मंदी का खतरा बढ़ रहा है, लेकिन जॉर्जिया ऐसा एक देश है, जो इस युद्ध के कारण चांदी कूट रहा है। युद्ध ने जब यूरोप का आर्थिक रूप से गला घोंट रखा है, तब एक छोटा सा देश रूस के यूक्रेन पर आक्रमण से अभूतपूर्व फायदा उठा रहा है। रूस का पड़ोसी जॉर्जिया इस साल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने जा रहा है। इसका श्रेय उन रूसियों को जाता है जो रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद जॉर्जिया चले गए। ये रूसी अपने साथ अकूत दौलत लेकर गए हैं। जब दुनिया आर्थिक मंदी के भय से कांप रही है, तब 37 लाख

लोगों का देश जॉर्जिया नए आए करीब सवा लाख रूसियों के दम पर 10 फीसदी की सालाना आर्थिक विकास दस हासिल करने की उम्मीद कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के मुताबिक देश में उपभोग चरम पर है और महज 19 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था ने वियतनाम और कुवैत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को भी पछाड़ दिया है। देश के सबसे बड़े बैंक टीबीसी के सीईओ वाख्तांग बुतश्रिकिद्जे कहते हैं कि आर्थिक लिहाज से तो जॉर्जिया की स्थिति अच्छी है। एक तरह का उछाल आ गया है। छोटे-बड़े, सारे उद्योग अच्छा कर रहे हैं। मैं तो ऐसे किसी क्षेत्र के बारे में नहीं सोच पा रहा हूं, जो किसी तरह की परेशानी झेल रहा हो। सीमा पार करनेवालों के आंकड़े दिखाते हैं कि इस साल रूस से कम से कम 1,12,000 लोग जॉर्जिया आए हैं। इन प्रवासी रूसियों की पहली खेप तो 24 फरवरी को युद्ध शुरू होने के फौरन बाद ही आ गई थी, जबकि 43 हजार लोगों ने सीमा पार की। इसकी मुख्य वजह रूसी सरकार का युद्ध विरोधियों का दमन मानी गई। प्रवासियों की दूसरी लहर तब आई जब रूस ने बीते सितंबर में ऐलान किया कि देशभर से सैनिक भर्ती किए जाएंगे। जॉर्जिया के इस आर्थिक उछाल की उम्र कितनी लंबी होगी, इस बारे में तो कोई पुष्ट तौर पर कुछ नहीं कह पा रहा है, लेकिन अर्थशास्त्री हैरत में जरूर हैं।

राष्ट्रपति ने 51 नर्सों को किया सम्मानित

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को यहां नर्सिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा के लिए 51 नर्सों को प्रतिष्ठित नेशनल फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस समारोह में उल्लेखनीय और विशिष्ट सेवा के लिए 51 नर्सों को वर्ष 2021 के लिए प्रतिष्ठित नेशनल फ्लोरेंस नाइटिंगल पुरस्कार प्रदान किये गये। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 1973 में इस पुरस्कार की स्थापना की थी।

SRI GURU NANAK PUBLIC SCHOOL

10+2 Co-Education Institute, Affiliated to CBSE, New Delhi.

NH-33, Opposite to Reliance Petrol Pump, Ramgarh Cantt., Ramgarh - 829122, Jharkhand

श्री गुरु नानक देव जी की 553वी जयंती पर सभी रामगढ़ जिलावासियों को गुरूद्वारा श्री गुरु सिंह सभा कमिटी, श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल कमिटी, श्री गुरु नानक नर्सरी स्कूल कमिटी, गुरु गोविन्द सिंह ऑडिटोरियम कमिटी, एवं समूह सिख-संगत रामगढ़ की ओर से लख-लख बधाईयाँ ।

We prepare your child for the challenges of a rapidly changing world.

ADMISSIONS OPEN

FOR CLASS NURSERY TO CLASS VIII

For the session 2023 - 24

Registration forms are available from the School Office on all working days during the office hours from 08/11/2022 onwards.

S. Paramdeep Singh Kalra, President | S. Harpal Singh Arora, Chairman | S. Mammohan Singh Lamba, Dy. Chairman cum Mamager

पृथ्वी का अब तक का सबसे नजदीकी ब्लैकहोल मिला

नयी दिल्ली (एजेंसी)। खगोलशास्त्रियों को धरती के एकदम बगल में एक ब्लैकहोल मिला है। अब तक इतने करीब कोई ब्लैकहोल नहीं मिला था। यह पृथ्वी से 1,610 प्रकाश-वर्ष दूर है। एक प्रकाश-वर्ष लगभग 94.6 खरब किलोमीटर का होता है। इससे पहले जो प्रकाश-वर्ष धरती के सबसे करीबी होने का तमगा रखता था, वह 3,000 प्रकाश-वर्ष दूर मोनोसेरोस तारामंडल में है। पिछले हफ्ते वैज्ञानिकों ने बताया कि यह प्रकाश-वर्ष हमारे सूर्य से 10 गुना ज्यादा बड़ा है। इसका पता उन तारों की गति से लगा, जो इसका चक्कर लगाते हैं। वे तारे इस ब्लैकहोल से उतने ही दूर हैं, जितनी दूर पृथ्वी अपने सूर्य से है। हार्वर्ड-स्मिथसोनियन सेंटर फॉर एस्ट्रोफिजिक्स के करीम अल-बादरी ने बताया कि इस ब्लैकहोल की खोज यूरोपीय स्पेस एजेंसी के गाया अंतरिक्ष यान ने की। अल बादरी

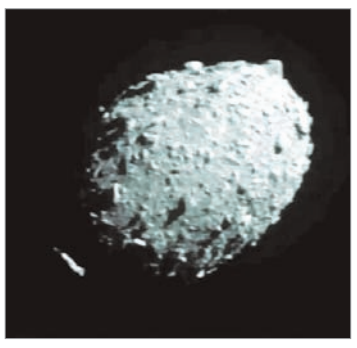

और उनकी टीम ने अपनी खोज को पुष्ट करने के लिए डेटा को अमेरिका के हवाई स्थित जेमिनी ऑब्जर्वेटरी को भेजा। इस खोज को रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी के मासिक नोटिस में प्रकाशित किया गया है। नये मिले ब्लैकहोल को गाया बीएच1 नाम दिया गया है। यह ओफाशस तारामंडल में स्थित है। वैज्ञानिक अभी भी इस बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं दे पाये हैं कि मिल्की वे या आकाश गंगा में यह ब्लैकहोल सिस्टम कैसे बना।

क्यों अद्भुत हैं ब्लैकहोल ?

आइनस्टाइन के प्रपेक्षता के सिद्धांत के मुताबिक ब्लैकहोल सर्वाधिक घना क्षेत्र होता है जहां से प्रकाश तक गुजर नहीं सकता। यही वजह है कि वे मनुष्य के लिए प्रकृति में घट रही सबसे उत्सुकतापूर्ण और हिंसक घटना रही हैं। वे अपने आसपास की हर चीज को निगल जाते हैं और उसके बाद वे चीजें कहां जाती हैं, इसकी अब तक कोई जानकारी नहीं है। वैज्ञानिक नहीं जानते कि ये ब्लैकहोल आते कहां से हैं। एक अनुमान के मुताबिक सिर्फ हमारी आकाश गंगा में दस करोड़ से ज्यादा ब्लैकहोल मौजूद हैं लेकिन यह सिर्फ एक अनुमान है। कई ब्लैकहोल तो इतने बड़े होते हैं कि वे हमारे सूर्य से करोड़ों गुना बड़े भी हो सकते हैं। छोटे ब्लैकहोल बनने के बारे में एक सिद्धांत यह है कि वे तारों से बनते हैं। तारे जब अपनी उम्र पूरी कर लते हैं तो वे बुझ जाते हैं और ब्लैकहोल में बदल जाते हैं।

अंतरिक्ष में अब तक की सबसे तेज चमक देख अभिभूत हैं वैज्ञानिक : मिल्की वे में अब तक लगभग 20 ब्लैकहोल मिल चुके हैं लेकिन गाया बीएच1 की अहमियत एक तो उसकी पृथ्वी से नजदीकी की वजह से है और दूसरा उसका अलग स्वभाव है, जो वैज्ञानिकों को हैरान कर रहा है। आमतौर पर ब्लैकहोल अपने आसपासवाले तारों को निगल जाते हैं लेकिन बीएच1 ऐसा नहीं कर रहा है। असल में यह कुछ भी नहीं कर रहा है। वैज्ञानिक बताते हैं कि यह एकदम स्थिर और शांत खाली जगह है, जहां ना कुछ है और ना कुछ हो रहा है।